आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, मंगलवार
27 मई 2025
वर्ष: 38, अंक: 172
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

विकसित भारत में बना छत्तीसगढ़: देश के सबसे उन्नत ट्रांसफॉर्मर अब बनेंगे रायपुर में

झारखंड

पटना में आयोजित प्रजापति हुंकार रैली में शामिल हुए अविनाश देव, कुम्हारों की राजनीतिक हिस्सेदारी की उठी मांग

हज़ारीबाग

पेयजल संकट को लेकर सांसद मनीष जायसवाल गंभीर, रामगढ़ परिसदन में आयोजित की त्रिपक्षीय बैठक....

नक्सली कमांडर मनीष यादव मुठभेड़ में ढेर, 10 लाख का इनामी कुंदन खेरवार गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

लातेहार: लातेहार जिले में पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है. रविवार देर रात से सोमवार सुबह तक चली मुठभेड़ में पुलिस ने 5 लाख रुपये के इनामी नक्सली कमांडर मनीष यादव को मार गिराया, जबकि 10 लाख रुपये के इनामी नक्सली कुंदन खेरवार को जिंदा पकड़ लिया. यह मुठभेड़ महुआडांड़ थाना क्षेत्र के दौना और करमखाड़ गांव के बीच जंगल में हुई. पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि मनीष यादव अपने दस्ते के साथ इस इलाके में छिपा है. इसके बाद लातेहार पुलिस, CRPF, और अन्य सुरक्षा बलों ने मिलकर ऑपरेशन शुरू किया.

जैसे ही पुलिस ने जंगल में घेराबंदी की, नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी. जवाबी कार्रवाई में मनीष यादव मारा गया, और कुंदन खेरवार को पकड़ लिया गया. मनीष यादव बिहार के गया का रहने वाला था और पिछले एक दशक से बूढ़ा पहाड़ इलाके में नक्सली गतिविधियों में सक्रिय था. वह लातेहार, पलामू, गढ़वा, चतरा, और बिहार के गया व औरंगाबाद में 50 से ज्यादा नक्सली हमलों में शामिल था. मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो एक्स-95 ऑटोमेटिक राइफलें, गोलियां, और अन्य नक्सली सामग्री बरामद की.

> “ महुआडांड़ के दौना इलाके में पुलिस एवं नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है. जिसमें मनीष यादव मार गया है. मौके से एक नक्सली को भी गिरफ्तार किया गया है. इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है: वाईएस रमेश, पलामू डीआईजी

पलामू के डीआईजी वाईएस रमेश ने इस ऑपरेशन की पुष्टि की और बताया कि सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है, क्योंकि कुछ नक्सलियों के भागने की आशंका है. यह कार्रवाई दो दिन पहले जेजेएमपी के सुप्रीमो पप्पू लोहरा और प्रभात गंझू के मारे जाने के बाद हुई, जिससे नक्सलियों को बड़ा झटका लगा है. यह लगातार सफलता झारखंड में नक्सलवाद को कमजोर करने की दिशा में अहम कदम है.

लातेहार पुलिस की ओर से 2 दिन पहले ही जेजेएमपी (झारखंड जन मुक्ति परिषद) के सुप्रीमो पप्पू लोहरा और सबजोनल कमांडर प्रभात गंझू को मुठभेड़ में मार गिराया गया था। पप्पू लोहरा पर 10 लाख रुपए का इनाम था और प्रभात 5 लाख का इनामी था। अब दो दिन बाद पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है

इस कार्रवाई से दो दिन पहले ही जेजेएमपी के सुप्रीमो पप्पू लोहार और प्रभात गंजू भी मारे गए थे। इसके बाद लातेहार पुलिस पूरे नेटवर्क को खत्म करने के अभियान में जुटी हुई थी। पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता के निर्देश पर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। फिलहाल इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार नक्सलियों की तलाश जारी है और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

इधर माओवादियों का ट्रेनिंग सेंटर बूढ़ापहाड़ में बिहार का लीडरशिप खत्म हो गया है. लातेहार के महुआडांड़ में सुरक्षबलों के साथ हुई मुठभेड़ में पांच लाख के इनामी नक्सली कमांडर मनीष यादव मारा गया है. मनीष यादव बिहार के गया के छकरबंधा का रहने वाला था.

बूढ़ापहाड़ में मनीष यादव बिहार के इलाके का अंतिम टॉप कमांडर था. मनीष यादव बूढ़ा पहाड़ में पिछले एक दशक से सक्रिय रहा है. माओवादियों के दस्ते में मनीष यादव साधारण कैडर था, लेकिन धीरे-धीरे वह माओवादियों का सबजोनल कमांडर बन गया था. जिस इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है, उसी इलाके में मनीष का ससुराल भी है.

झारखंड में 20 आईएएस अफसरों का तबादला, 20 में छह महिला आईएएस का तबादला

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में लगातार दूसरी बार सरकार बनने के बाद पहली बार बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए है। राज्य के 20 जिलों के उपायुक्तों का तबादला कर दिया गया है। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग की ओर से सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी गई।

अजय नाथ झा बोकारो और आदित्य रंजन धनबाद के डीसी : कार्मिक विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा को बोकारो का उपायुक्त बनाया गया है। वहीं निदेशक बागवानी फैज अक अहमद को रामगढ का उपायुक्त, निदेशक सूचना प्रद्यौगिकी आदित्य रंजन को धनबाद का उपायुक्त बनाया गया है।

राम निवास यादव गिरिडीह और आर. रॉनिटा खूंटी के डीसी : निदेशक उच्च शिक्षा राम निवास यादव को गिरिडीह का उपायुक्त और जेएसएसी निदेशक आर रॉनिटा को खूंटी का उपायुक्त बनाया गया है। गिरिडीह के उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा को देवघर का उपायुक्त और निदेशक पर्यटन अंजली यादव को गोड्डा का उपायुक्त बनाया गया है।

कर्ण सत्यार्थी जमशेदपुर और चंदन कुमार चाईबासा के डीसी : राज्य सरकार ने गुमला के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी को जमशेदपुर और रामगढ़ के उपायुक्त चंदन कुमार को पश्चिमी सिंहभूम का उपायुक्त बनाया गया है। जेएसएलपीएस की सीईओ कंचन सिंह को सिमडेगा का उपायुक्त बनाया गया है।

निशि कुमार सिंह सरायकेला और प्रेरणा दीक्षित गुमला की डीसी: वर्ष 2017 बैच के आईएएस और निदेशक अंकेक्षण निदेशालय नितिश कुमार सिंह को सरायकेला-खरसावां जिले का उपायुक्त बनाया गया है। वहीं जियाडा की एमडी प्रेरणा दीक्षित को गुमला का उपायुक्त बनाया गया है।

शशि प्रकाश सिंह हजारीबाग और कुमार ताराचंद लोहरदगा के डीसी : जबकि निदेशक प्राथमिक शिक्षा शशि प्रकाश सिंह को हजारीबाग, निदेशक कृषि कुमार ताराचंद को लोहरदगा और एमडी झारक्राफ्ट कीर्तिश्री जी. को चतरा का उपायुक्त बनाया गया है।

अभिजीत सिन्हा दुमका और ऋतुराज कोडरमा के उपायुक्त : उपविकास आयुक्त दुमका अभिजीत सिन्हा को दुमका, उपविकास आयुक्त कोडरमा ऋतुराज को कोडरमा का डीसी और निदेशक झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्था समीरा एस को पलामू का उपायुक्त बनाया गया है। वहीं संयुक्त सचिव कार्मिक रवि आनंद को जामताड़ा और उप विकास आयुक्त रांची दिनेश यादव को गढ़वा का उपायुक्त बनाया गया है।

झारखंड में आज जिन 20 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें छह महिला आईएएस अधिकारी शामिल हैं. इनमें आर रॉनिटा, अंजली यादव, प्रेरणा दीक्षित, कीर्तिश्री जी, समीरा एस और कंचन सिंह शामिल हैं.

सरना धर्म कोड की मान्यता की मांग पर कांग्रेस का राजभवन के पास प्रदर्शन

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची। जनगणना प्रपत्र के धर्म वाले कॉलम में अलग सरना धर्म कोड की मांग को लेकर झारखंड में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सोमवार को रांची में राजभवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया. जिसमें कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के. राजू, सह प्रभारी श्रीबेला प्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सलाहकार प्रणव झा, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, सांसद कालीचरण मुंडा, सुखदेव भगत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेता कार्यकर्ता शामिल हुए.

इस मौके पर लोहरदगा से सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि केंद्र की सरकार ने साजिश रचकर जनगणना प्रपत्र से अन्य वाला कॉलम को हटाया है. अब हम राहुल गांधी-मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में अलग सरना धर्म कोड की लड़ाई लड़ेंगे और जीतेंगे. उन्होंने कहा कि जिस तरह से राहुल गांधी की मांग के सामने झुकते हुए मोदी सरकार जातीय जनगणना कराने को बाध्य हुई, उसी तरह सरना धर्म कोड लागू करना होगा.

वहीं कांग्रेस के विधायक नमन विक्सल कोंगारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता सरना-सनातन एक है की बात कर आदिवासियों का हिन्दुकरण करना चाहती है. दरअसल, भाजपा का ध्यान आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन पर है. उसे वह अपने उद्योगपति मित्रों में बांटना चाहती है.

झारखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भाजपा को आदिवासी विरोधी बताते हुए कहा कि राज्य में महागठबंधन की सरकार ने विधानसभा से पारित कराकर अलग सरना धर्म कोड का प्रस्ताव राज्यपाल के पास भेजा था, लेकिन भाजपा इस पर चुप्पी साधे बैठी है. राजेश ठाकुर ने कहा कि जब तक केंद्र सरकार अलग सरना धर्म कोड की मांग पर घुटने नहीं टेक देती, तब तक पार्टी जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर पर आंदोलन जारी रखेगी.

झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के. राजू ने कहा कि हमारी मांग सरना धर्म कोड है. जिन राज्यों में आदिवासियों का कोई और नाम से धर्म है वहां उस हिसाब से आदिवासियों के लिए कोड हो. क्योंकि यह उनका मौलिक अधिकार है.

सरना धर्म कोड को लेकर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जब जनगणना प्रपत्र से धर्म वाले कॉलम से अन्य को हटा दिया गया है तो फिर आदिवासी समुदाय क्या करेगा? इस धर्म में वह अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा. कृषि मंत्री ने कहा कि कांग्रेस आंदोलन के दम पर अलग सरना धर्म कोड लेकर रहेगी.कृषि मंत्री ने कहा कि हम संविधान की बात करते हैं, सामूहिकता और मेल-जोल की बात करते हैं, लेकिन यह भाजपा और उसके नेताओं को यह पसंद नहीं है. उन्हें मनुवादी और मनुस्मृति पसंद है.

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि इतना आंदोलन तेज करेंगे कि जातीय जनगणना की तरह केंद्र सरकार को सरना धर्म कोड लागू करना ही होगा.

मैट्रिक रिजल्ट: 27 मई को जैक बोर्ड जारी करेगा परिणाम

संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड एकेडमिक काउंसिल (JAC) 27 मई को मैट्रिक का रिजल्ट जारी करेगा. रांची में जैक सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन दिन के 11.30 बजे जारी करेंगे. जैक सचिव जयंत कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन मुख्य अतिथि होंगे. वहीं शिक्षा सचिव अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे. परीक्षाफल जारी होने के पश्चात जैक के वेबसाइट से 12:30 बजे के बाद रिजल्ट विद्यार्थी देख सकते हैं. जैक ने विद्यार्थियों की सुविधा के लिए दो वेबसाइट https://jacresults.com और https://results.digilocker.gov.in जारी किया है. जिसके माध्यम से रिजल्ट देखा जा सकता है.

झारखंड में मैट्रिक और इंटर की परीक्षा इस साल 11 फरवरी से शुरू हुई थी जो 3 मार्च तक चली. जिसके बाद प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित हुई जो 25 मार्च तक हुई. इस साल मैट्रिक में 4 लाख 33 हजार 890 परीक्षार्थी जबकि इंटर की परीक्षा में 3 लाख 50 हजार 138 विद्यार्थी शामिल हुए हैं. जानकारी के मुताबिक इंटर का रिजल्ट जून के पहले सप्ताह में जारी होगा. पिछले साल जैक ने 10वीं बोर्ड का रिजल्ट 19 अप्रैल को जारी किया था. वहीं 30 अप्रैल 2024 को 12वीं का रिजल्ट जारी किया गया था. जिसमें तीनों संकायों में लड़कियां टॉपर बनी थीं. इस साल सीबीएसई और बिहार बोर्ड के रिजल्ट से झारखंड काफी पीछे चल रहा है. पड़ोसी राज्य बिहार में साल 2025 के मैट्रिक और इंटर के परिणाम घोषित किए जा चुके हैं. ऐसे में जैक बोर्ड के सफल परीक्षार्थियों को नामांकन में परेशानी उठानी होगी.

बता दें कि पिछले साल 2024 में जैक बोर्ड 10वीं रिजल्ट में 90.39 प्रतिशत स्टूडेंट्स पास हुए थे. मैट्रिक में 54.20 फीसदी फर्स्ट, 40.63 फीसदी सेकेंड और 5.17 फीसदी थर्ड डिविजन से विद्यार्थी पास हुए थे.

सरना धर्म कोड राजनीतिक दलों के लिए बनता जा रहा हॉट केक

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड में सरना धर्म कोड की मांग एक बार फिर से जोर पकड़ रही है, जो राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनता जा रहा है. झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस इस मुद्दे पर सक्रिय हैं और इसे अपने चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा बना चुके हैं. कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर सोमवार को राजभवन के सामने प्रदर्शन किया.

सरना धर्म कोड को लेकर बदलेगी सियासी फिजां : आने वाले दिनों में सरना धर्म कोड को लेकर सियासी फिंजा बदलने के भी कयास लगाए जा रहे हैं. इसकी वजह यह है कि सभी प्रमुख दल इस मुद्दे पर सक्रिय हैं. केंद्र सरकार के रुख और जनगणना में सरना कोड शामिल करने के निर्णय पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं. आदिवासी वोट बैंक का ध्रुवीकरण हो सकता है, जिससे झामुमो और कांग्रेस को फायदा हो सकता है.

झामुमो की आक्रामक रणनीति : झामुमो ने सरना धर्म कोड को लागू करने की मांग को अपने राजनीतिक एजेंडे का केंद्र बनाया है.- पार्टी ने केंद्र सरकार को अल्टीमेटम दिया है कि जब तक सरना आदिवासी धर्म कोड लागू नहीं होता, तब तक राज्य में जनगणना नहीं होने दी जाएगी.- 27 मई को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की गई है.

सरना धर्म कोर्ड पर कांग्रेस की सक्रियता : कांग्रेस ने सरना धर्म कोड को अपने चुनावी घोषणापत्र में शामिल किया है.- पार्टी नेता राहुल गांधी ने राज्य में सरना धर्म कोड पर फोकस बढ़ाने का निर्देश दिया है.- कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन की योजना बनाई है.

भाजपा की चुनौती : भाजपा इस मुद्दे पर दोहरे रवैये का आरोप झेल रही है.- पार्टी ने 2014 में यूपीए सरकार के दौरान सरना धर्म कोड की मांग को अव्यवहारिक बताकर खारिज करने का हवाला देते हुए झामुमो और कांग्रेस पर पलटवार किया है- भाजपा के लिए यह मुद्दा एक चुनौती है, क्योंकि सरना को अलग धर्म मान्यता देना उसके हिंदुत्व की विचारधारा से टकरा सकता है.

कोयले के अवैध खदान में लापता लोगों का नहीं मिला सुराग, रेस्क्यू में जुटी एनडीआरएफ की टीम

क्राइम संवाददाता द्वारा

हजारीबाग: जिले के बड़कागांव में कोयले के अवैध खदान में तीन लोगों के दबे होने की खबर सुर्खियों में हैं. 6 दिन बीत जाने के बाद भी तीनों लापता की जानकारी नहीं मिल पाई है. धीरे-धीरे उम्मीद की रोशनी भी बुझती जा रही है. वहीं हजारीबाग जिला प्रशासन ने घटना को लेकर दुख जाहिर करते हुए कहा है कि कोशिश की जा रही है कि तीनों को रेस्क्यू किया जा सके. हजारीबाग उपायुक्त ने जानकारी देते हुए कहा कि पहले भी इस अवैध खदान की डोजरिंग की गई थी. बरसात की वजह से मुहाना खुल गया, जिस कारण घटना घटी है.

कोयले के अवैध खदान में डूबे तीनों मजदूरों का अब तक कुछ भी पता नहीं चल सका है. लापता तीनों लोगों के घर वाले यह स्वीकार कर लिए हैं कि तीनों की मौत हो चुकी है. इधर हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय ने इस घटना को दुखद बताया है. डीसी ने बताया कि एनडीआरएफ की टीम पूरी ताकत के साथ रेस्क्यू अभियान में लगी हुई है. जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी भी क्षेत्र में कैंप कर रहे हैं. उम्मीद लगाई जा रही है बहुत जल्द ही अभियान पूरा हो जाएगा.जिला प्रशासन ने कहा कि खदान के अंदर विजिबिलिटी शून्य है. इसके अलावा मलबा के साथ-साथ अत्यधिक पानी होने के कारण रेस्क्यू में काफी परेशानियां भी आ रही हैं.

वहीं इस घटना को लेकर क्षेत्र में मातम का माहौल देखने को मिल रहा है. स्थानीय मुखिया दिनेश साव बताते हैं कि जिस जगह पर तीनों लोगों की दबे होने की सूचना मिल रही है, वहां अवैध उत्खनन हुआ करता था. प्रशासन की ओर से कुछ दिन पूर्व डोजरिंग की गई थी. बरसात के कारण डोजरिंग बह गया. जिससे खदान का मुहाना खुल गया है. मुखिया दिनेश साव ने कहा कि यह आशंका जताई जा रही है कि अवैध खदान में ही तीनों समा गए हैं. परिजन और स्थानीय के मुताबिक बीते 21 तारीख को तीनों मजदूर कंडाबेर के जंगल की तरफ गए हुए थे और अचानक खावा नदी की तरफ से बाढ़ आने के कारण तीनों मजदूर अवैध कोयला के खदान की गहराइयों में समा गए. तीनों लापता मजदूरों में कंडाबेर गांव के निवासी प्रमोद साव, उमेश कुमार और नौशाद आलम शामिल हैं.

झारखंड शराब घोटाला: धनंजय कुमार, उमाशंकर सिंह समेत 5 को एसीबी का नोटिस

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड शराब घोटाला मामला में एसीबी ने धनंजय कुमार, उमाशंकर सिंह समेत पांच लोगों को नोटिस दिया है. एसीबी ने सोमवार को धनंजय कुमार, उमाशंकर सिंह, छीपिज त्रिवेदी, विनय कुमार सिंह और उपेंद्र शर्मा को 41ए के तहत नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था. उल्लेखनीय है कि झारखंड शराब घोटाला मामले में एसीबी की कार्रवाई जारी है.

राज्य में 33.44 करोड़ रुपये के शराब घोटाला मामले में एक के बाद एक अब तक 5 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है. 22 मई की देर रात जियाडा रांची प्रक्षेत्र के रिजनल डॉयरेक्टर और जेएसबीसीएल के तत्कालीन जीएम ऑपरेशन एंड फाइनेंस सुधीर कुमार, वर्तमान जीएम फाइनेंस सुधीर कुमार दास और मार्शन कंपनी के प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया था.

यहां बता दें कि विनय चौबे और गजेंद्र सिंह को 20 मई को गिरफ्तार किया गया था. गिरफ्तारी के बाद उन्हें एसीबी की विशेष अदालत में पेश किया गया. कोर्ट ने विनय चौबे और गजेंद्र सिंह को 3 जून तक (14 दिन) न्यायिक हिरासत में भेजा है. इससे पहले एसीबी ने करीब छह घंटे तक दोनों अधिकारियों से पूछताछ की थी.

क्या है पूरा मामला : वर्ष 2021 के अंतिम दिनों में राज्य के शराब व्यापारियों के बीच यह चर्चा शुरू हुई कि 2022-23 से नयी शराब नीति आने वाली है. इसमें छत्तीसगढ़ शराब सिंडिकेट का दबदबा रहेगा. इन्हीं चर्चाओं के बीच उत्पाद विभाग ने छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग लिमिटेड (सीएसएमएल) को झारखंड में शराब के राजस्व बढ़ाने के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया.

उत्पाद नीति बनाने में सलाह देने के लिए सरकार ने अरूणपति त्रिपाठी की फीस 1.25 करोड़ रुपये निर्धारित किया. नयी उत्पाद नीति बनाने के बाद उसे राजस्व पर्षद सदस्य के पास सहमति के लिए भेजी गयी. उस वक्त अमरेंद्र प्रसाद सिंह राजस्व पर्षद सदस्य थे. उन्होंने उत्पाद नीति पर अपनी असहमति जताते हुए कई मामलों में बदलाव लाने का सुझाव दिया. साथ ही यह टिप्पणी भी कि जिस कंपनी को राजस्व बढ़ाने के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया, वह अपने राज्य में शराब का राजस्व नहीं बढ़ा पा रही है.

झारखंड में शराब के राजस्व का ग्रोथ, छत्तीसगढ़ से ज्यादा है. ऐसे में वह कंपनी झारखंड में राजस्व बढ़ाने के लिए क्या सलाह देगी, ये समझ से परे है.

सिम तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने साइबर और टेलीकॉम अपराध नेटवर्क का खुलासा किया है। मामले में मध्यप्रदेश के रहने वाले पांच युवकों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित दुबई के एक एजेंट के संपर्क में थे जो सिमकार्ड को गेमिंग ऐप्स में प्वाइंट एकत्र करने के लिए इस्तेमाल करता था। पुलिस ने आरोपितों को 398 सक्रिय भारतीय सिम कार्ड की अवैध खरीद और विदेश में सिम कार्ड की तस्करी में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान उज्जैन के रहने वाले अंकित कुमावत (30) और देवास के रहने वाले अश्विन कुमार (37), मनीष कुमार (35), लोकेन्द्र सेंधव (32) और द्वारका प्रसाद (42) के रूप में की गई है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। 15 फरवरी 2025 को आईजीआई हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अधिकारियों ने दुबई जाने वाली इंडिगो उड़ान में यात्रा करने वाले सुनील रावत को संदिग्ध व्यवहार और रैंडम एक्स-रे जांच के आधार पर रोका। जांच में उनके पास 398 सक्रिय भारतीय सिम कार्ड (212 एयरटेल और 186 वोडाफोन आइडिया) मिले, जो विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत थे। जांच के दौरान सुनील रावत ने बताया कि उसके स्कूल के दोस्त फैसल ने उसे सिम कार्डों का पार्सल लाने और नौकरी का अवसर देने के लिए 35,000 रुपये की पेशकश की थी।

कैदी पैरोल लेकर 15 साल तक रहा गायब, अब हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली। उम्र कैद की सजा पाया कैदी पैरोल लेकर 15 साल तक गायब रहा। अब दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उसे बरेली से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान शाहजहांपुर, यूपी निवासी धीरेंद्र सिंह तोमर (46) के रूप में हुई है। वह राजन सिंह बनकर अपने रिश्तेदार की गाड़ी चला रहा था। टीम उसे लेकर दिल्ली आ गई। वहां से जेल प्रशासन को उसकी गिरफ्तारी की सूचना दे दी गई। धीरेंद्र और उसके गैंग ने दिल्ली के न्यू अशोक नगर, उत्तराखंड के हल्द्वानी, अलमोड़ा और लोहाघाट, चंपावत में चार टैक्सी चालकों को अगवा कर लूटपाट के बाद उनकी हत्या कर दी थी। मामले में दो आरोपित अब भी फरार चल रहे हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि 17 मार्च 2001 को न्यू अशोक नगर इलाके में दो लोग अचेत हालत में मिले थे। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक को मृत घोषित कर दिया गया। दूसरे की समय पर इलाज मिलने की वजह से जान बच गई। पुलिस ने मामले में धीरेंद्र और उसके एक साथी दिलीप नेगी को गिरफ्तार कर लिया। इन लोगों ने जयपुर से टैक्सी किराए पर ली। इसके बाद दिल्ली लाकर चालक और सहयोगी की हत्या कर दी। बाद में टैक्सी लूटकर फरार हो गए। समय पर इलाज मिलने से सहयोगी तो बच गया। मामले में एक अक्टूबर 2007 को दिलीप और धीरेंद्र को उम्र कैद हो गई। दो अन्य साथी अजय और धीरज को भगोड़ा करार दे दिया गया। तीन नवंबर 2010 को धीरेंद्र एक माह की पैरोल पर रिहा हुआ। उसे दिसंबर में सरेंडर करना था, लेकिन वह गायब हो गया।

कपड़े की फैक्टरी में लगी आग

नई दिल्ली। यहां उद्योग नगर क्षेत्र में सुबह एक कपड़े की फैक्टरी में आग लगने से हड़कंप मच गया। यह घटना एफ-11, उद्योग नगर, गेट नंबर-2 के पास स्थित एक फैक्टरी में सुबह करीब 5:25 बजे सामने आई। मामले की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फिलहाल कूलिंग का कार्य अभी जारी है। दमकल अधिकारियों के अनुसार घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है और फैक्टरी में मौजूद सामग्री की जांच की जा रही है। स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है।

हरियाणा कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने आपत्तिजनक बयान पर सांसद जांगड़ा के इस्तीफे की मांग की

नई दिल्ली। हरियाणा की कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ित परिवारों के प्रति भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के आपत्तिजनक बयान को लेकर उनके इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने बयान को निंदनीय और शर्मनाक बताते हुए कहा कि भाजपा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नकली नारा देने वाली पार्टी है और उसे बहन-बेटियों का मान-सम्मान करना नहीं आता। गीता भुक्कल ने कहा, 'भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा अक्सर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं और हाल ही में उन्होंने धर्म और जाति के नाम पर अपमानजनक बातें करके सभी हदें पार कर दीं। उन्हें शर्म आनी चाहिए और माफी मांगनी चाहिए।' उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि पहलगाम में एक दुखद घटना हुई, जिसमें 26 से अधिक लोगों की जान चली गई। कई परिवार बिखर गए, अपने प्रियजनों को खो दिया। कितनी मां-बहनों के सिंदूर उजड़ गए। ऐसे में पूरा देश एकजुट होकर सरकार और सेना के समर्थन में आया है। वहीं, भाजपा के सांसद ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। विधायक ने कहा कि भाजपा में कई और नेता हैं।

सज्जनता के साथ शक्ति भी जरूरी:मोहन भागवत

एजेंसी
नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत को इतना सामर्थ्यवान बनना चाहिए कि कोई भी शक्ति उसे पराजित न कर सके। उन्होंने संघ प्रार्थना की एक पंक्ति का उल्लेख करते हुए बताया कि यह केवल भावना नहीं बल्कि हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि अपना स्वयं का बल ही वास्तविक बल होता है और सुरक्षा के मामले में हमें किसी अन्य पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। भागवत ने संघ की विचार पत्रिकाओं के संपादकों को दिए साक्षात्कार में देश, समाज और हिंदुत्व से जुड़े कई अहम विषयों पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने आत्मनिर्भर सुरक्षा, सामाजिक समरसता, संघ में महिलाओं की भूमिका और धर्म आधारित जीवन मूल्यों पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।उन्होंने कहा कि विश्व में कुछ लोग आक्रामक प्रवृत्ति के होते हैं और केवल सज्जनता से उनकी रोकथाम संभव नहीं है। सज्जनता के साथ

शक्ति भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब सज्जनता में शक्ति नहीं होती तो वह असहाय बन जाती है और शक्ति यदि सज्जनता से रहित हो तो हिंसा में बदल सकती है। इसलिए दोनों का संतुलन आवश्यक है।उल्लेखनीय है कि मोहन भागवत का यह साक्षात्कार भारत के ऑपरेशन सिंदूर के पहले लिया गया था। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि अब वहां का हिंदू समाज पहले से अधिक जागरूक और आत्मविश्वासी हो गया है। पहले ऐसे हालात में पलायन होता था लेकिन अब वहां के हिंदू कहते हैं कि वे भागेंगे नहीं बल्कि अपने अधिकारों के लिए वहीं संघर्ष करेंगे। भागवत ने इसे हिंदू समाज के बढ़ते आत्मबल और संगठन का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वभर में फैले हिंदू समाज के साथ खड़ा है। संघ मर्यादाओं के भीतर रहकर जहां भी संभव हो सहायता करता है। संघ का उद्देश्य केवल भारत में नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर हिंदू समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है।हिंदुत्व को लेकर चल रही बहस पर उन्होंने कहा कि हिंदुत्व कोई संप्रदाय नहीं है और न ही यह कोई बंद विचारधारा है। यह सत्य, करुणा, शुचिता और तपस्या जैसे मूल्यों पर आधारित जीवन दृष्टि है जिसमें विविधताओं का सम्मान और स्वीकार है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्थान एक धर्मप्राण राष्ट्र है और धर्म ही सृष्टि को संचालित करता है। यह मानना या न मानना व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करता है लेकिन सत्य को मानने से लाभ होता है और नहीं मानने पर हानि होती है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुत्व को कट्टर या राजनीतिक विचार कहना गलत है और यह केवल भ्रम फैलाने का प्रयास है। भागवत ने कहा कि राष्ट्र की एकता का विचार संविधान में भी निहित है। हम सभी एक समाज और एक राष्ट्र हैं। यह अपनाने का विचार है ना कि ध्रुवीकरण का। उन्होंने यह भी कहा कि कोई स्वयं को हिंदू कहे या भारतीय या इंडिक- यदि उसकी भावना एकता की है तो शब्दों से फर्क नहीं पड़ता। समरसता के विषय पर उन्होंने कहा कि केवल कानून से सामाजिक विषमता समाप्त नहीं होती क्योंकि इसका निवास मन में होता है।

एनआईए अधिकारियों ने सऊदी हैंडलर्स से मिलने वाले फंड पर भी लगाई रोक

एजेंसी
नई दिल्ली। विजयनगरम विस्फोट साजिश मामले में आरोपितों की सुनवाई लगातार आज तीसरे दिन खत्म हो गई है। दिल्ली एनआईए अधिकारियों ने सिराज और समीर के बयान दर्ज किए। सुनवाई के तीसरे दिन कई अहम बातें सामने आईं। पता चला कि सिराज और समीर ने विस्फोटों के लिए हैदराबाद, विजयनगरम, दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई में रेकी की थी। अधिकारियों ने विशाखापत्तनम के एक सेवानिवृत्त राजस्व अधिकारी की भूमिका के बारे में पूछताछ की। पता चला कि समूह में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र के 12 लोग शामिल थे।बताया जा रहा है कि एनआईए अधिकारियों ने सऊदी हैंडलर्स से मिलने वाले फंड पर भी रोक लगा दी है। अधिकारियों ने आतंकवाद से विदेशी संबंधों, धमाकों की साजिश और वित्तीय लेन-देन पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट्स, संगठन के खातों और विदेशी संबंधी टेलीफोन कॉल्स की जांच की है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने नई दिल्ली प्रवास के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उनके बीच विभिन्न मुद्दों पर बातचीत हुई। इसके पहले शनिवार को नीति आयोग की गवर्निंग बॉडी की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी की मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भेंट हुई थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शीर्ष नेताओं की उपस्थिति में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का दो दिवसीय नई दिल्ली प्रवास सार्थक और सफल रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद (गवर्निंग काउंसिल) की 10वीं बैठक में भाग लिया। यह बैठक 'विकसित राज्य फॉर विकसित भारत ञ्च2047' थीम पर केंद्रित थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में शामिल होकर प्रधानमंत्री मोदी का साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मध्यप्रदेश विकास और लोक कल्याण के संकल्प पथ पर अग्रसर है और निरंतर नए प्रतिमान स्थापित

मार्गदर्शन प्राप्त किया और इस बैठक को भारत के भविष्य निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में सभी राज्य 'टीम इंडिया' की भावना के कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत'के निर्माण के विजन से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की प्रथम पंक्ति में स्थापित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है।

लालू प्रसाद यादव के परिवार में कुछ लोग फूट डालने का षड्यंत्र रच रहेः पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि कुशवाहा

एजेंसी
नई दिल्ली । तेजप्रताप यादव को जिस तरह से बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू यादव ने घर और दल से बाहर का रास्ता दिखाया है, उसे लेकर राजनीतिक गलियारों में तमाम तरह की कानाफूसी हो रही है। इस बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि ने दावा किया है कि कुछ लोग लालू प्रसाद यादव के परिवार में फूट डालने का षड्यंत्र रच रहे हैं। सोमवार को समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'हाल की घटना ने कई लोगों को हैरान कर दिया है। तेजप्रताप के तलाक का मामला कुछ समय से चल रहा है, परिवार को इसका हल निकालने की कोशिश करनी चाहिए। दूसरी ओर अगर तेजस्वी यादव को राजनीतिक रूप से आगे बढ़ना है और अपना कद बढ़ाना है, तो उन्हें परिवार और पार्टी में अनुभवी और उपयुक्त वरिष्ठ नेताओं का समर्थन चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि यह इतनी बड़ी घटना नहीं थी। तेजप्रताप का तलाक वाला मामला काफी दिनों से चल रहा है।

वह युवा नेता हैं, कहीं न कहीं तो किसी से कनेक्शन तो रहता ही है। यह बड़ी बात नहीं है। मुझे लगता है कि इसे ज्यादा तूल दिया गया। परिवार में फूट डालने के लिए कुछ लोग षड्यंत्र कर रहे हैं। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने एक पोस्ट के जरिए अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। लालू ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया जाता है। अपने निजी जीवन का भला-बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे, वे स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सार्वजनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है।

ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद उभरते खतरों से मुकाबले को सतर्क रहें तीनों सेनाएं : सीडीएस

एजेंसी
नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने उत्तरी एवं पश्चिमी कमान मुख्यालयों का दौरा किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सशस्त्र बलों की रणनीतिक समीक्षा और ऑपरेशनल स्थितियों का आकलन किया। उन्होंने उभरते खतरों से निपटने के लिए तीनों सेनाओं में निरंतर सतर्कता एवं एकजुटता पर जोर दिया। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने आज जम्मू एवं कश्मीर के उधमपुर में भारतीय सेना की उत्तरी कमान और हरियाणा के चंडी मंदिर सैन्य स्टेशन में पश्चिमी कमान का दौरा किया।

उन्होंने सेना के कमांडरों लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा एवं लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार तथा उन वरिष्ठ स्टाफ अधिकारियों से बातचीत की, जो ऑपरेशन सिंदूर की योजना एवं क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्होंने यात्रा के दौरान उत्तरी एवं पश्चिमी क्षेत्रों में रणनीतिक समीक्षा और संचालन संबंधी आकलन किया।उधमपुर में सीडीएस को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकी नेटवर्क एवं आतंक को समर्थन देने वाली शत्रु की

परिसंपत्तियों को प्रभावहीन करने और अपनी सैन्य परिसंपत्तियों एवं नागरिकों की रक्षा के लिए उठाए गए उत्तरी सेना के सफल जवाबी कदमों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें शत्रु की ओर से निशाना बनाए गए सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों के पुनर्वास के संबंध में उत्तरी सेना के किए गए प्रयासों के बारे में भी बताया गया। उत्तरी सेना के कमांडर ने सीडीएस को उत्तरी सेना की संचालन एवं लॉजिस्टिक्स संबंधी निरंतर तैयारियों के बारे में जानकारी दी और सीमाओं की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बारे में आश्वस्त किया। साथ ही जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए संपूर्ण प्रयास करने का भी भरोसा दिया गयाचंडी मंदिर सैन्य स्टेशन में पश्चिमी सेना के कमांडर ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन के प्रयासों पर प्रतिक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। पश्चिमी सीमाओं पर मौजूदा सुरक्षा स्थिति को रेखांकित करते हुए संचालन संबंधी माहौल, रक्षा तैयारियों और अभियान के प्रमुख परिणामों का विस्तृत विवरण दिया गया। इसके अलावा उन्नत लॉजिस्टिक्स क्षमता, उच्च स्तर की संचालन दक्षता में योगदान, वास्तविक समय की स्थिति के बारे में जानकारी, पश्चिमी सेना की सैन्य क्षमता को मजबूत करने की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला गया।

मालदीव के विदेश मंत्री समुद्री साझेदारी पर उच्च स्तरीय बैठक में शामिल होने दो दिवसीय यात्रा पर आएंगे नई दिल्ली

एजेंसी
नई दिल्ली। मालदीव के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्ला खलील भारत-मालदीव समुद्री साझेदारी पर होने वाली बैठक में हिस्सा लेने नई दिल्ली आएंगे। यह बैठक 26 मई को नई दिल्ली में होगी। वे 25 से 27 मई तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार बैठक में भारत-मालदीव विजन डॉक्यूमेंट की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। यह दस्तावेज अक्टूबर 2024 में राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू की भारत यात्रा में तैयार हुआ था। दस्तावेज में समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और विकास को प्राथमिकता दी गई है।डॉ. खलील विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान द्विपक्षीय मुद्दों और सहयोग पर चर्चा होगी। दोनों नेता नई साझेदारियों पर भी विचार कर सकते हैं। उल्लेखनीय है

कि भारत मालदीव को प्रमुख समुद्री पड़ोसी और रणनीतिक भागीदार मानता है। यह साझेदारी भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति का हिस्सा है। यह यात्रा 'विजन महासागर' नीति को भी मजबूती देती है। डॉ. खलील की यह इस वर्ष तीसरी भारत यात्रा होगी। वे इससे पहले जनवरी और मार्च में भारत आ चुके हैं। लगातार हो रही यात्राएं मजबूत राजनीतिक संवाद का संकेत हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने पहली बार कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से की बात

एजेंसी
नई दिल्ली । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पहली बार कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से फोन पर बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और कनाडा के बीच रिश्ते बेहतर बनाने पर चर्चा की। अनीता आनंद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर यह जानकारी दी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भारत-कनाडा संबंधों पर उपयोगी बातचीत के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'कनाडा और भारत के रिश्ते मजबूत करने, आर्थिक सहयोग बढ़ाने और हमारी साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर आज हुई उपयोगी बातचीत के लिए मंत्री डॉ. जयशंकर का धन्यवाद। मैं आगे भी मिलकर काम करने की उम्मीद करती हूं।'इसके थोड़ी देर बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर अनीता आनंद से हुई बातचीत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि इस बातचीत में भारत और कनाडा के रिश्तों की संभावनाओं पर चर्चा हुई। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से हुई बातचीत सराहनीय रही। हमने भारत-

कनाडा रिश्तों की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्हें सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूं।' कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी भारत के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाना चाहते हैं। भारतीय मूल की 58 साल की सांसद अनीता आनंद को इस महीने की शुरुआत में कनाडा की नई विदेश मंत्री नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति तब हुई जब प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कैबिनेट में बदलाव की घोषणा की। यह फेरबदल लिबरल पार्टी की संसद चुनावों में जीत के करीब दो हफ्ते बाद किया गया।

14 मई को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अनीता आनंद को कनाडा की विदेश मंत्री बनने पर बधाई दी।चुनाव से पहले अनीता आनंद कनाडा की नवाचार, विज्ञान और उद्योग मंत्री थीं। इससे पहले वह रक्षा मंत्री समेत कई अहम जिम्मेदारियां संभाल चुकी हैं। उन्होंने मेलानी जोली की जगह ली है, जो अब कनाडा की उद्योग मंत्री हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कनाडा का प्रधानमंत्री चुने जाने पर मार्क कार्नी को बधाई दी थी।

हिन्दी भवन में हुआ पंडित गोपाल प्रसाद व्यास की रचनावली का लोकार्पण

एजेंसी
नई दिल्ली। पंडित गोपाल प्रसाद व्यास जी द्वारा रचित साहित्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना पहले था। अतित व्यतित नहीं होता है बल्कि रास्ता दिखाता है। अपने पत्रिकारिता के दौरान मैंने धमवीर भारती जैसे लोगों से मुझे बहुत कुछ सिखने मिला। उन्होंने रचनावली के आने पर बधाई देते हुए कहा कि यह रचनावली व्यास जी के असंख्य चाहने वालों के लिए आनंद एवं ज्ञान का स्रोत सिद्ध होगी। यह बातें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने रविवार को हिन्दी भवन के सभागार में हिन्दी भवन के संयोजक, हिन्दी भवन न्यास समिति के संस्थापक मंत्री पंडित गोपाल प्रसाद व्यास की छपी रचनावली का लोकार्पण करते हुए कही।कार्यक्रम की शुरुआत पंडित गोपाल प्रसाद व्यास के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ हुआ। इस दौरान पंडित व्यास की नौ एवं 13 खण्डों में छपी रचनावलीलोकार्पण मंच पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, पूर्व राज्यपाल व पूर्व कैबिनेट सचिव प्रभात कुमार, हिन्दी भवन के अध्यक्ष डॉ गोपाल चंद्र मिश्र, कवि सुरेन्द्र शर्मा, हास्य कवि डॉ अशोक चक्रधर, चिराग जैन, अरुण जैमिनी, आलोक पौराणिक, इंदिरा मोहन आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर अत्यंत प्रतिष्ठित लाल किला कवि सम्मेलन के लगातार 25 वर्षों तक संयोजक रहे पंडित गोपाल प्रसाद व्यास के साथ कार्यक्रम में पहुंचे कवियों ने श्री व्यास के सम्मान में काव्यांजलि प्रस्तुत की। इस दौरान गोपाल प्रसाद व्यास रचनावली के संपादक तथा हिन्दी भवन के मंत्री डॉ गोविंद व्यास जी ने बताया कि 2005 में व्यास जी के निधन के बाद से ही उनके पाठकों की भारी मांग पर रचनावली प्रकाशित किए जाने के प्रयास किए जा रहे थे, परंतु व्यास जी द्वारा रचित विपुल साहित्य का संपादन कोई सहज कार्य नहीं था। अनेक बार कई जगह बिखरे हुए व्यास जी के रचनाकर्म को सहेजने, उसे क्रमबद्ध किए जाने, जीर्ण-शीर्ण हो जाने के कारण ठीक से पढ़ी न जा सकने वाली रचनाओं को यथासंभव शुद्ध रूप में पाठकों तक पहुंचाने के प्रयासों में, और कई बार अन्य अनेकों अनापेक्षित कारणों से भी विलंब हुआ।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, डिप्टी एनएसए अगले सप्ताह जाएंगे अमेरिका

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और राष्ट्रीय उप सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी एनएसए) पवन कपूर जल्द वाशिंगटन जाएंगे। शीर्ष पदस्थ सूत्रों ने बताया कि उनका यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर तय किया गया है।दोनों शीर्ष अधिकारी अगले सप्ताह अमेरिका रवाना हो सकते हैं। वे ऐसे समय में वहां जा रहे हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मौकों पर भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों जारी संघर्ष को रोकने में मध्यस्थता का दावा कर चुके हैं। ट्रंप ने कहा था कि संघर्ष विराम के लिए उन्होंने दोनों पक्षों से लंबी बातचीत की थी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को खारिज करते हुए भारत कह चुका है कि संघर्ष विराम के लिए खुद पाकिस्तान ने गुहार लगाई थी जो ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना की कार्रवाई से छटपटा रहा था। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर

ने भी इस सप्ताह एक साक्षात्कार में कहा था कि भारत के सैन्य ऑपरेशन के दौरान 7 मई से 10 मई के बीच अमेरिका समेत कई देशों ने भारत से संपर्क कर तनाव न बढ़ने देने की अपील की थी। नीदरलैंड की मीडिया आउटलेट एनओएस के साथ साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि हमले और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत का नतीजा थी, जिसके लिए दुश्मन देश (पाकिस्तान) ने पहले पहल की थी।

उन्होंने कहा था कि सैन्य संघर्ष के दौरान दूसरे देशों द्वारा संचार चैनल स्थापित करना स्वाभाविक है। विदेश मंत्री ने कहा था, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने मुझसे बात की जबकि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। ट्रंप ने यह भी दावा किया था कि भारत ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते का भी प्रस्ताव रखा है जिसमें 'मूलतः' कई अमेरिकी वस्तुओं पर 'शून्य टैरिफ' की बात कही गई है। उन्होंने कतर की राजधानी दोहा में कहा था, 'उन्होंने हमारे समक्ष एक डील की पेशकश की है जिसमें मूलतः वे हम पर शून्य टैरिफ लगाने की इच्छा जता रहे हैं। इस बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में आठ सदस्यीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने भी अमेरिका और कैरेबियाई देशों की अपनी यात्रा शुरू की।

साइबर ठगी करने वाले शातिरों को पुलिस ने दबोचा, खुले चौंकाने वाले राज

एजेंसी
नई दिल्ली । दिल्ली के साइबर पुलिस स्टेशन साउथ वेस्ट की टीम ने सोमवार को तीन कुख्यात ठगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुल वर्मा (रायपुर, छत्तीसगढ़), शांतनु रिचोरिया (झांसी, यूपी) और अर्जुन सिंह (सहारनपुर, यूपी, उम्र 25 वर्ष) के रूप में हुई है। इनके पास से पुलिस ने तीन स्मार्टफोन, चार सिम कार्ड, चार बैंक पासबुक और तीन चेकबुक बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, दिल्ली के राज नगर पालम कॉलोनी निवासी महेंद्र जैन ने साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज की थी कि उन्हें व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए ठगा गया। 21 मार्च को एक कॉलर, जो खुद को नासिक पुलिस की क्राइम ब्रांच का इंस्पेक्टर संजय बता रहा था, ने जैन को बताया कि उनके आधार कार्ड का दुरुपयोग कैनरा बैंक में फर्जी डेबिट/क्रेडिट कार्ड बनाने में हुआ है। कॉलर ने एक फर्जी कार्ड की तस्वीर दिखाकर दावा किया कि यह एक बड़ी एयरलाइन कंपनी के मालिक द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग में इस्तेमाल हो रहा है। डराने-धमकाने के बाद जैन ने अपनी बचत, सावधि जमा और पत्नी के गहने बेचकर पेटीएम और आरटीजीएस के जरिए 25 लाख रुपये ठगों को ट्रांसफर कर दिए। शिकायत के बाद साइबर पुलिस ने 10 अप्रैल को एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक के नेतृत्व में एसआई चेतन राणा, एचसी मनेंद्र और एचसी विजयपाल की टीम गठित की गई। डीसीपी सुरेंद्र चौधरी और एसीपी विजय कुमार के मार्गदर्शन में टीम ने तकनीकी निगरानी, डिजिटल फुटप्रिंट और मनी ट्रेल का विश्लेषण किया। जांच में पता चला कि ठग दिल्ली के होटलों से फर्जी व्हाट्सएप नंबरों के जरिए अपराध को अंजाम दे रहे थे। वे पूरे देश से खच्चर खातों (धोखेबाजी के लिए प्रयोग किए जाने वाले अकाउंट) का इस्तेमाल करते थे। पूछताछ में खुलासा हुआ कि राहुल वर्मा ने पहले अपना बैंक खाता ठगों को दिया, फिर मुनाफा देखकर खुद इस गोरखधंधे में शामिल हो गया। वह खातों को किराए पर देने और खच्चर खाताधारकों को होटलों में लाने का काम करता था।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नेत्र विभाग में माइक्रोस्कोप ख़राब, महीनों से बंद है मोतियाबिंद का ऑपरेशन, जरूरतमंद मरीज बेहाल

सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने स्वास्थ्य मंत्री और डीसी को किया ट्वीट, कहा यथाशीघ्र लें संज्ञान, नया माइक्रोस्कोप अधिष्ठापित कर जल्द चालू कराएं ऑपरेशन

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल अवस्थित नेत्र विभाग में माइक्रोस्कोप ख़राब होने के कारण पिछले कई महीनों से मोतियाबिंद सर्जरी बंद है जिससे जरूरतमंद मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मोतियाबिंद का सर्जरी आमतौर पर वैसे उम्रदराज या बुजुर्ग जनों का ही होता है जिनके आँखों का लेंस धुंधला हो जाता है। धुंधले लेंस को हटाकर एक कृत्रिम लैंस से बदलने की प्रक्रिया मोतियाबिंद सर्जरी होती है जो आँखों के दृष्टि को बहाल करने में मदद करता है। मोतियाबिंद सर्जरी में माइक्रोस्कोप सर्जन को आंख के अंदर सांप और सटीक रूप से देखने में मदद करता है जिससे सर्जरी के दौरान सटीक और सुरक्षित प्रक्रिया

पूर्ण कर सफल सर्जरी हो सके। लेकिन हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नेत्र विभाग में मोतियाबिंद के सर्जरी में उपयोग होने वाला माइक्रोस्कोप सालों पुराना होने के कारण हमेशा खराब होता रहा है। कभी इसका लाइट काम नहीं करता है तो कभी पुराना मॉडल होने के कारण अन्य प्रकार की तकनीकी समस्या आती है। बीते फरवरी माह से यह माइक्रोस्कोप पूरी तरह कबाड़ स्थिति में है और इनके खराब होने के कारण यहां मोतियाबिंद का सर्जरी पूर्णतः बंद हो गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक हर महीने यहां करीब 50 से अधिक लोगों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन होता था और यहां ऑपरेशन होने से बुजुर्ग जरूरतमंद मरीजों और उनके परिजनों को काफी राहत होती थी। मोतियाबिंद का ऑपरेशन आयुष्मान भारत योजना के तहत भी हजारीबाग और आसपास के जिले में कुछ गिने-चुने जगहों पर ही होता है और निजी स्तर से कराने पर इसके सर्जरी में करीब 35- 40 हज़ार का खर्च आता है। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सांसद मनीष जायसवाल को अवगत कराया है साथ ही सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और जिले की उपायुक्त नैंसी सहाय को ट्वीट करते हुए इस बात की जानकारी दी और जरूरतमंद मरीजों के हितार्थ संज्ञान लेते हुए यथाशीघ्र मोतियाबिंद का सर्जरी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नेत्र विभाग में चालू करने की मांग की। सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने बताया कि बदलते दौर के अनुरूप मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नेत्र ओटी में अत्याधुनिक सुविधा और गुणवत्ता से युक्त नया माइक्रोस्कोप अधिष्ठापित किया जाय ताकि मोतियाबिंद जैसा जरूरी सर्जरी इस प्रकार महीनों तक बाधित न हो। रंजन चौधरी ने यह भी बताया कि इससे पहले साल 2018 से पहले इस विभाग के जर्जर व्यवस्था और इक्विपमेंट की कमी के कारण करीब दो साल तक हजारीबाग में मोतियाबिंद का ऑपरेशन बंद हुआ था लेकिन तब तत्कालीन हजारीबाग उपायुक्त रविशंकर शुक्ला की सक्रियता और तत्परता से 24 दिसंबर 2018 को पुनः नेत्र विभाग के ऑपरेशन थिएटर को सुबह व्यवस्थित कर सक्रिय किया गया था और निःशुल्क जरूरतमंद मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन या सुरक्षित और आसान तरीके से लगातार हो रहा था। यहां हजारीबाग के अलावे कोडरमा, रामगढ़, चतरा, गिरिडीह और बोकारो जिले के जरूरतमंद मरीज भी मोतियाबिंद का सर्जरी कराने पहुंचते हैं और फरवरी माह से पूरी तरह सर्जरी बंद होने से जरूरतमंद मरीजों में घोर निराशा है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति एवं हिट एंड रन की बैठक

● सड़क दुर्घटनाओं पर उपायुक्त ने जताई चिंता, प्रभावी कदम उठाने के दिए निर्देश

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में सोमवार को सड़क सुरक्षा एवं हिट एंड रन को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सड़क हादसों को कम करने और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा की गई।

बैठक में निम्न मुख्य बिंदुओं पर व्यापक चर्चा हुई

उपायुक्त ने आए दिन हो रहे सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने निम्न बिंदुओं पर कार्य करने पर बल दिया।

हादसा संभावित क्षेत्रों की पहचान

उन स्थानों को चिन्हित करना जहाँ बार-बार सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं और उनके कारणों का विश्लेषण करना।

यातायात नियमों का सख्ती से पालन

हेलमेट, सीट बेल्ट के उपयोग को बढ़ावा देना और शराब पीकर गाड़ी चलाने पर रोक लगाने जैसे उपायों पर जोर देना।

जागरूकता अभियान

लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न अभियानों की योजना बनाकर धरातल पर उतारने को कहा।

इंजीनियरिंग सुधार

सड़कों की खराब स्थिति, तीखे मोड़ या अन्य इंजीनियरिंग कमियों को दूर करने पर गंभीर विचार करने का निर्देश दिया।

प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय

पुलिस, परिवहन विभाग और अन्य संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना।

आपातकालीन सेवाओं की तैयारी

उपायुक्त ने दुर्घटना प्रभावित जैसे जैसे दनुआ घाटी में दुर्घटना की स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता और अन्य आपातकालीन सेवाओं, एम्बुलेंस आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सिविल सर्जन को निर्देशित किया। बैठक में उपायुक्त के अलावा, जिला परिवहन पदाधिकारी सह सदर एसडीओ वैद्यनाथ कामती, सिविल सर्जन, डीएसपी सीसीआर, मोटर वाहन निरीक्षक, सदर अंचलाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण प्रमंडल राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, रांची एवं हजारीबाग के प्रतिनिधि, शिक्षा विभाग, ट्रैफिक पुलिस, रोड सेफ्टी की टीम व जिला ग्रामीण विकास समिति के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सरना धर्म कोड आंदोलन को राष्ट्रीय बल, राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ ने दिया पूर्ण समर्थन

आदिवासी एक्सप्रेस

रांची। झारखंड में सरना आदिवासी धर्म कोड की बहुप्रतीक्षित मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस द्वारा आयोजित राज्यव्यापी प्रदर्शन को सोमवार को एक नया संबल मिला, जब राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ ने इस आंदोलन का औपचारिक और निष्कंप समर्थन घोषित किया। संघ के राष्ट्रीय महासचिव विक्की कुमार धान ने कहा कि सरना कोड की मांग केवल एक धार्मिक पहचान की मांग नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्तित्व, परंपरा और आत्म-सम्मान की रक्षा की पुकार है। यह आंदोलन आदिवासी समाज की आत्मा की अभिव्यक्ति है, जिसे अब और अनसुना नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि संघ देशभर के आदिवासी छात्रों से आह्वान करता है कि वे लोकतांत्रिक मर्यादाओं में रहते हुए इस आंदोलन में भाग लें और सरना धर्म कोड को संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए संगठित प्रयास करें। वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद पांडे पहले ही सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश दे चुके हैं कि 27 मई को राज्यभर में

ज़िला मुख्यालयों पर शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावशाली प्रदर्शन किया जाए। पार्टी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जब तक सरना कोड को मान्यता नहीं मिलती, उनका संघर्ष नो जनगणना विदआउट सरना कोड के नारे के साथ जारी रहेगा। ज्ञात हो कि सरना कोड से संबंधित विधेयक पिछले पांच वर्षों से केंद्र सरकार के पास लंबित है, जिससे झारखंड सहित देशभर के आदिवासी समुदायों में गहरा असंतोष है। इससे पहले 9 मई को प्रस्तावित प्रदर्शन भारत-पाक सीमा तनाव के चलते स्थगित कर दिया गया था, जिसे अब और अधिक संगठित रूप में पुनः शुरू किया गया है। राजनीतिक गलियारों में इस मुद्दे ने खलबली मचा दी है। कांग्रेस ने 26 मई को अपने स्तर पर राज्यव्यापी प्रदर्शन आयोजित किया, जबकि भाजपा ने इस आंदोलन को आदिवासी पहचान के नाम पर जातिगत जनगणना को रोकने की चाल बताया है। राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ का समर्थन न केवल इस आंदोलन को युवाशक्ति की दिशा में मजबूती देता है, बल्कि यह इस बात का संकेत भी है कि अब यह संघर्ष झारखंड की सीमा से निकलकर एक राष्ट्रीय विमर्श का रूप ले चुका है आदिवासी अस्मिता, अधिकार और सम्मान की ऐतिहासिक लड़ाई।

पेयजल संकट को लेकर सांसद मनीष जायसवाल गंभीर, रामगढ़ परिसदन में आयोजित की त्रिपक्षीय बैठक, पेयजल समस्याओं से निपटने के लिए विभागीय अधिकारियों को दिया कड़ा निर्देश

आदिवासी एक्सप्रेस

रामगढ़/हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में पेयजल संकट की समस्या को लेकर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल गंभीर दिख रहें हैं। सोमवार को सांसद मनीष जायसवाल की अध्यक्षता में रामगढ़ जिला परिसदन भवन सभागार में रामगढ़ जिला क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ एवं नियमित करने को लेकर एक त्रिपक्षीय बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में पेयजल विभाग, नगर परिषद, छावनी परिषद और बिजली विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान जनहित से जुड़ी ज्वलंत मुद्दा पेयजल समस्या पर विस्तार से चर्चा की गई। सांसद मनीष जायसवाल ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि जनता को समय पर और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना हमारा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को कार्य में तत्परता लाने तथा विभिन्न विभागों से आपसी समन्वय स्थापित कर समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया। छावनी क्षेत्र के वार्ड संख्या 07 में तत्काल पेयजल आपूर्ति बहाल करने का निर्देश दिया साथ ही मांडू प्रखंड के चुम्बा पंचायत में पेयजल आपूर्ति योजना को यथाशीघ्र चालू करने हेतु शेष कार्य का प्राक्कलन तैयार कर डीएमएफटी की बैठक में प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया, ताकि उस राशि को डीएमएफटी से दिया जा सके। गोला प्रखंड के डीमरा पेयजल आपूर्ति के तहत कई गांव में मात्र सप्ताह में एक दिन ही पानी दिया जा रहा है उसमें प्रतिदिन पानी सप्लाई करने का निर्देश दिया। जुड़को के द्वारा नगर परिषद क्षेत्र हेतु पेयजल आपूर्ति का समीक्षा किया गया। कार्य की प्रगति संविदा के 18 माह होने के बाद भी लगभग 0 प्रगति पर विभागीय अधिकारियों को कड़े शब्दों में फटकार लगाते हुए कार्य पर प्रगति पर विशेष पहल करने का निर्देश दिया गया। पतरातु प्रखंड क्षेत्र में भी पेयजल संकट की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने अधिकारियों को उचित और त्वरित कदम उठाने के निर्देश दिए।

युक्त बैठक में विशेषरूप से बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी, रामगढ़ छावनी परिषद के मुख्य अधिशाषी अधिकारी अनंत आकाश, नगर परिषद के सिटी मैनेजर, प्रेम प्रकाश, विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता ,पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता, रामदिनकर कुमार , रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, जिला महामंत्री राजू चतुर्वेदी, विजय जायसवाल, सीसीएल के सांसद प्रतिनिधि रंजीत पांडे, सांसद प्रतिनिधि बिनोद राम, अनमोल सिंह, दिलीप सिंह, मनोज गिरी, प्रीतम झा, मंशु बेदिया, धनंजय कुमार पुटुश, जिला उपाध्यक्ष रंजन फौजी, दिनेश प्रसाद,राधेश्यामअग्रवाल, पंकज गोयल गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पति की लम्बी उम्र के लिए सुहागीन महिलाओं ने की वट सावित्री पूजा

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। वट सावित्री व्रत हर साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को किया जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए वट वृक्ष यानी बरगद के पेड़ की पूजा अर्चना करतीं है।

वट सावित्री व्रत का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी आयु की कामना के साथ व्रत करती हैं। पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और सौभाग्य के लिए सोमवार को हजारीबाग में भी सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री व्रत किया।

इस अवसर पर सुहागिनों ने बताया कि सनातन धर्म में इस पर्व का विशेष महत्व है। इस दिन बरगद के पेड़ की पूजा-अर्चना करने का विधान है। सुहागिनें बरगद वृक्ष की पूजा कर धागा बांधकर पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। मान्यता अनुसार, इस व्रत के करने से सुहागिनों के पतियों के अशुभ और हानिकारण ग्रह भी शांत होते हैं। इस पर्व के आने का सुहागिन महिलाएं बेसब्री से इंतजार करती हैं। इस व्रत को करने से वैवाहिक जीवन में सुख और शांति का आगमन होता है।

वट सावित्री व्रत विधि पूर्वक करने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

वट सावित्री व्रत के दिन सत्यवान और सावित्री की कथा पढ़ी जाती है।

पुलिस ने दो अलग-अलग मामला को लेकर गिरफ्तार कर भेजा जेल

बड़कागांव संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव पुलिस ने गिरफ्तार कर दो को भेजा जेल मामले को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी नमेधारी रजक ने बताया कि बड़कागांव थाना कांड संख्या 62/2025 धारा 126(2)/115(2)/117(3)/109(1)/351(2)/3(5) बी. एन . एस. के प्राथमिक अभियुक्त मुकेश ठाकुर पिता जागेश्वर ठाकुर साकिन ठाकुर मोहल्ला थाना बड़कागांव एवं जी आर संख्या 353/15 के वारंटी मदन दास पे0 स्वर्गीय महावीर राम साकिन बादम थाना बड़कागांव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में हजारीबाग जेल भेज दिया गया।

विधायक ने सड़क सुदृढ़ीकरण का किया शिलान्यास

बड़कागांव संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने तलसवार पंचायत अंतर्गत कोयलंग में मुख्य सड़क कर्माटांड़ से बाघपंजा होते हुए सरना स्थल बगही तक लगभग 4.225 किलोमीटर सड़क का सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। शिलान्यास कार्यक्रम में काफी संख्या में ग्रामीणों ने विधायक रोशन लाल चौधरी का फूल माला एवं ढोल नगाड़े के साथ भव्य स्वागत किया। ज्ञात हो कि उक्त सड़क का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल हजारीबाग मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत किया जाएगा। मौके पर मुख्य रूप से आजसू पार्टी के वरिष्ठ नेता कोलेशवर गंझु, सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, मंडल सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो, मुखिया संघ अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, कृष्णा राम, मंडल कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी, बढन तुरी, नागेश्वर तुरी, प्रदीप महतो, मंगल तुरी, नारायण प्रसाद, जितेंद्र कुमार, रामदास तुरी, मिथलेश साव, मेवालाल नाग, अमन गंझु समेत भारी संख्या में भाजपा आजसू कार्यकर्ता एवं ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना के तहत लाभुक को मिला दो लाख का चेक

आदिवासी एक्सप्रेस

इचाक। बैंक ऑफ़ इंडिया मंगुरा शाखा मे इचाक मे प्रधानमंत्री जीवन बीमा के तहत लाभुक सुरेंद्र कुमार को दो लाख का चेक सौपा गया.लाभुक सुरेन्द्र कुमार ने कहा की मै अपनी पत्नी रूबी कुमार जीवित रहते प्रत्येक वर्ष 436 रुपया का बीमा करवाया था। पत्नी बीमार होकर दुनिया मे चल बसी. मैंने बैंक मे जाकर शाखा प्रबंधक के पास क्लेम किया. क्लेम करने के एक माह के अंदर दो लाख रुपया बीमा का पैसा दिया गया. वही युवा नेता गौतम कुमार ने कहा की वर्तमान समय मे इंसान की जिंदगी और मौत का ठिकाना नहीं. कब किसी का जान चला जाय कोई भरोसा नहीं. अपने लिए न सही लेकिन अपने परिवार के सुरक्षा हेतु बीमा जरूर कराये.वही वरिष्ठ शाखा प्रबंधक शुशांत कुमार ने कहा की 18 से 50 वर्ष तक के आयु के व्यक्ति बीमा के लिए मेरा शाखा से जरूर संपर्क करें. किसी भी प्रकार के मृत्यु होने पर लाभुक को इसका लाभ मिलेगा . बीमा की राशि खाता से स्वतः बीमा कंपनी 436 रुपया काट लेगी. चेक सौपने के दौरान क्रेडिट मैनेजर कार्तिक कुमार, रंजीत कुमार, व सुमित कुमार मौजुद थे।

हजारीबाग सहित राज्य के अन्य क्षेत्रों में कोयला और बालू की लूट मची है: पूर्व सांसद

● नशा के कारोबारियों के खिलाफ पुलिस प्रशासन अंकुश लगाने में विफल साबित हो रही है: पूर्व सांसद

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग सहित राज्य के अन्य क्षेत्रों में कोयला और बालू की लूट मची है, झारखंड सरकार ना ही अवैध बालू पर रोक लगा पा रही है और ना ही अवैध कोयला कारोबार पर रोक लगा पा रही है। जिससे भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है ऐसे में अवैध बालू और कोयला कारोबारी पर प्रशासनिक लापरवाही के कारण उनका मनोबल काफी ऊंचा हो गया है उक्त बातें सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष एवं सीपीआई के वरिष्ठ नेता सह पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता ने कही। श्री मेहता ने प्रशासन के प्रति सख्त नाराजगी का इजहार करते हुए कहा कि ब्राउन शुगर का अवैध बिक्री जोरों पर है खासकर हजारीबाग के शहरी क्षेत्रों और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में नशा का व्यापार बढ़ गया है। हालांकि पुलिस की बीच-बीच में नशा के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई होती रहती है। मगर पूरी तरह से रोक नहीं लगा पा रही है चौक चौराहा पर नशा का कारोबार फल फूल रहा है। जिसके कारण युवाओं में नशाखोरी की लत बढ़ती जा रही है। कई युवा नशा की चपेट में आकर अपनी जिंदगी को बर्बाद कर रहे हैं नशा के कारण घरेलू हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ रही है, नशा के कारोबारियों के खिलाफ पुलिस प्रशासन अंकुश लगाने में विफल साबित हो रही है। झारखंड सरकार के द्वारा बालू घाटों की सुव्यवस्थित तौर पर नीलामी नहीं होने से जहां एक ओर राजस्व का नुकसान हो रहा है वहीं अवैध खनन और बालू का अवैध कारोबार भी बढ़ता जा रहा है। वहीं कोयला का अवैध खनन और कारोबार भी लगातार किया जा रहा है। बीते दिनों केरेडारी थाना क्षेत्र के कंडाबेर और बरियातू के सीमावर्ती क्षेत्र स्थित खावा नदी के किनारे अवैध कोयला खदान में डुबने से तीन मजदूर लापता हो गए हैं। जो प्रशासनिक नाकामी को साफ तौर पर दर्शाता है। श्री मेहता ने झारखंड सरकार से बालू घाटों की नीलामी करने, अवैध कोयला कारोबार पर अंकुश लगाने और नशा के कारोबारियों पर अविलंब सख्त कार्रवाई की मांग किया।

रेणु कुमारी ने की वट सावित्री पूजा

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। वट सावित्री व्रत हर साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को किया जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए वट वृक्ष यानी बरगद के पेड़ की पूजा अर्चना करतीं है। वट सावित्री व्रत का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी आयु की कामना के साथ व्रत करती हैं। पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और सौभाग्य के लिए कांग्रेस ओबीसी मोर्चा प्रदेश सचिव रेणु कुमारी ने वट सावित्री व्रत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में इस पर्व का विशेष महत्व है। इस दिन बरगद के पेड़ की पूजा-अर्चना करने का विधान है। सुहागिनें बरगद वृक्ष की पूजा कर धागा बांधकर पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। मान्यता अनुसार, इस व्रत के करने से सुहागिनों के पतियों के अशुभ और हानिकारण ग्रह भी शांत होते हैं। इस पर्व के आने का सुहागिन महिलाएं बेसब्री से इंतजार करती हैं। इस व्रत को करने से वैवाहिक जीवन में सुख और शांति का आगमन होता है।

संक्षिप्त समाचार

सुहागिन महिलाओं ने निर्जला व्रत रख की वट वृक्ष की पूजा, पति की लंबी उम्र की कामना

सुनील कुमार दास आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
पत्थलगड्डा। पत्थलगड्डा में सोमवार को सावित्री व्रत के तहत सुहागिन महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा-अर्चना कर अपने पतियों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह से ही महिलाओं ने नहा-धोकर निर्जला व्रत रखा और पारंपरिक परिधानों में सजकर मंदिरों में पहुंचीं। पूजा के दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष की सात परिक्रमा कर कलावा बांधा और रक्षा कवच तैयार किया। मान्यता है कि वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवों का वास होता है, इसीलिए इसकी पूजा का विशेष महत्व है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, सावित्री ने अपने दृढ़ संकल्प और बुद्धिमत्ता से अपने मृत पति सत्यवान को यमराज से जीवनदान दिलवाया था।

राजपुर के खपलवानी में फैलेरिया उन्मूलन व नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन

प्रखंड के ग्राम पंचायत राजपुर के खपलवानी में फैलेरिया उन्मूलन व नियंत्रण कार्यक्रम के तहत रात्रिकालीन रक्त सर्वेक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम रात्रि 8:30 से रात्रि 12:00 तक हुआ। जिसमें स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों ने अग्रिम भूमिका निभाई । यह कार्यक्रम कई मायने में बहुत महत्पूर्ण थी। मौके पर उपस्थित राजपुर मुखिया विकास कुमार सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम फैलेरिया संक्रमण की स्थिति का पता लगाना है साथ ही संक्रमित व्यक्तियों को शीघ्र उचित इलाज प्रदान करना है। कार्यक्रम में करीब एक सौ लोगों का ब्लड सैंपल लिया गया। वही बताते चले कि फैलेरिया एक मच्छर जनित रोग है जिसका समय पर पहचान करके इलाज़ नहीं किया गया तो बाद में जाकर घातक और लाइलाज़ हो जाता है। वही इस कार्यक्रम में स्थानीय मुखिया छोटू सिंह ने खूब सहयोग किया और वही मौके पर पंचायत के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित हुए।

चिर सुहाग की कामना के साथ सुहागिनों ने की वट वृक्ष की पूजा

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। प्रखंड में सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य के लिए वट सावित्री व्रत रखकर कि पूजा अर्चना। इटखोरी प्रखंड के जगहों पर महिलाओं ने चिर सुहाग की कामना के साथ अखंड सौभाग्यवती बनी रहने के लिए प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बट वृक्ष की पूजा अर्चना की। इटखोरी गाँधी चौक, भद्रकाली, नगवां, टोनाटांड, हलमत्ता, हाई स्कूल, परसौनी, सोनिया, करनी, माधोपुर, पीतीज, गोलकाबर, भूरकुंडा, बघमूंडीह, शहरजाम, बलहरी, धनखेरी, चट्टी, प्रेमनगर सभी गावों में महिलाओं ने बरगद के वृक्ष के नीचे एकत्र होकर सामूहिक पूजा अर्चना के साथ आचार्य के द्वारा कथा का श्रवण किया। अपने अखंड सौभाग्य के लिए सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री पूजा किया । पूरे प्रखंड में महिलाओं ने इस व्रत को विधि विधान पूर्वक किया। अपने अखंड सौभाग्य के लिए सुहागिन महिलाओं बट वृक्ष की पूजा कर प्रार्थना की। सवेरे होते ही बरगद के वृक्ष के नीचे एकत्र होकर महिलाओं ने सामूहिक रूप से कथा का श्रवण किया। मान्यता है कि वट सावित्री पूजा से अखंड सौभाग्य, सुखी वैवाहिक जीवन और पति की लंबी आयु की प्राप्ति का वरदान मिलता है। सुहागिन महिलाओं ने अपने सुहाग के दीर्घायु होने और उनकी कुशलता के लिए पूजा-उपासना कर सुख सौभाग्य और समृद्धि की कामना की।

एनटीपीसी नॉर्थ कर्णपुरा ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से परियोजना प्रभावित गांवों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा) स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के तहत एनटीपीसी नॉर्थ कर्णपुरा द्वारा परियोजना प्रभावित गांवों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम टंडवा प्रखंड के बाजार टांड में आयोजित किया गया, जिसमें मुखिया सहित स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। नाटक के माध्यम से साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया गया। एनटीपीसी नॉर्थ कर्णपुरा एनकेएस टीपीपी द्वारा यह पहल समुदाय को केंद्र में रखकर चलाए जा रहे जनकल्याणकारी अभियानों का हिस्सा है, जो संगठन की सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पटना में आयोजित प्रजापति हुंकार रैली में शामिल हुए अविनाश देव, कुम्हारों की राजनीतिक हिस्सेदारी की उठी मांग

बिहार के कुम्हारों ने भरी हुंकार, अब राजनीति में हिस्सेदारी चाहिए: अविनाश देव

मेदिनीनगर। बिहार कुम्हार समन्वय समिति के बैनर तले पटना के मिलर हाई स्कूल मैदान में आयोजित प्रजापति हुंकार रैली में भारी संख्या में कुम्हार समाज के लोगों ने भाग लिया। इस ऐतिहासिक रैली में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के युवा नेता सह संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। रैली के दौरान कुम्हार समाज की राजनीतिक भागीदारी, सामाजिक न्याय और माटीकला बोर्ड गठन जैसे अहम मुद्दों पर जोरदार आवाज उठाई गई।

रैली की शुरुआत दीप-प्रज्ज्वलन से हुई, जिसमें श्री अविनाश देव एवं अन्य प्रमुख अतिथियों ने भाग लिया। बिहार कुम्हार समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष एवं सचिव ने श्री देव का अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया। मंच तक पहुँचने पर गगनभेदी नारों के बीच समाज के प्रतिनिधियों ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया।

अविनाश देव ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा कि यह वही बिहार है, जहां से हर बड़े बदलाव की चिंगारी निकली है। काका कालेलकर आयोग से लेकर मंडल आयोग तक ने सामाजिक न्याय की नींव रखी, लेकिन कुम्हार समाज आज भी राजनीतिक उपेक्षा का शिकार है। यदि 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' सच में लागू हो जाए तो कुम्हार समाज को भी उसका वाजिब हक मिलना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में माटीकला बोर्ड का गठन हो चुका है, परंतु बिहार में अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि कुम्हार समाज को राजनीतिक हिस्सेदारी प्रदान की जाए, ताकि सामाजिक न्याय का सपना साकार हो सके।

रैली में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों से आए समाज के प्रतिनिधियों और नेताओं ने भी अपनी बात रखी और एकजुटता का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो कुम्हार समाज दिल्ली की ओर कूच करेगा। समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष रूपेश जी एवं पिंटू जी के नेतृत्व में यह रैली बिहार की सड़कों पर सुनामी के रूप में नज़र आई। श्री देव ने इस अवसर पर कहा कि यह एकजुटता भविष्य के चुनावों में निर्णायक साबित होगी और कुम्हार समाज को उसका हक दिलाए बिना दम नहीं लेंगे।

जिले से लेकर प्रखंड तक मरीजों को मिले बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था -रूचिर तिवारी

सीपीआई के टीम ने किया पांकी समुदायिक स्वास्थ्य विभाग का निरीक्षण

भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह डालटेनगंज विस के पूर्व विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने पांकी में समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में स्वास्थ्य सुविधाओं , डाक्टरों एवं नर्सों की उपस्थिति अस्पताल में उपलब्ध होने वाले दवा का जायजा लिया वही भर्ती मरीजों से अस्पताल में मिलने वाला सुविधाओं का जायजा लिया जहां पर पाया कि मरीजों के बेड पर चादर भी नहीं है मरीज को मिलने वाला खाना में सिर्फ उन्हें खिचड़ी दिया जाता है। वहीं अस्पताल में सफाई की भी व्यवस्था अच्छा नहीं पाया गया। मौके पर श्री तिवारी ने कहा कि जिले से लेकर प्रखंड स्तर पर स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है लेकिन इस ओर भाजपा के विधायक एवं सांसद का कोई ध्यान नहीं है झारखंड राज्य के स्वास्थ्य मंत्री वह भी इसमें देखकर सुधार करने की आवश्यकता है क्योंकि हजारों गरीब मजदूर किसानों का इलाज इस अस्पताल में होता है जिसे सुधारने की आवश्यकता है। अस्पताल निरीक्षण के क्रम में, किसान नेता रामराज तिवारी, नगर सचिव सुरेश ठाकुर, देवानंद बड़ईक, वकील मियां,छोटु पासवान, सरवन कुमार सिंह,सेवक भूइंया सहित कई लोग थे।

निपु सिंह ने जताई जान जाने की चिंता डीजीपी को बॉडीगार्ड के लिए लिखा पत्र

राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह झारखंड अगेंस्ट करप्शन के केंद्रीय संगठन मंत्री एवं डेढ़ दशक से नशा मुक्त झारखंड बनाने के लिए संघर्ष करने वाले निपु सिंह ने अपना जान जाने की चिंता जताई और उन्होंने झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता को पत्र लिखकर बॉडीगार्ड की मांग की। श्री सिंह ने पत्र के माध्यम से कहा कि मैं डेढ़ दशक से झारखंड को नशा मुक्त बनाने और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए संघर्ष कर रहा हूं और उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और शराब के खिलाफ आवाज उठाने के वजह से भ्रष्टाचारियों और शराब माफियों के निशाने पर आ गया हूं और मैं अपने आप को डरा हुआ महसूस कर रहा हूं मैं चाहता हूं कि मुझे बॉडीगार्ड मिले ताकि मैं स्वतंत्र होकर अपने आवाज को बुलंद कर सकूं और सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते मुझे झारखंड के हर जिला का दौरा करना पड़ता है और मैं अकेले होने के कारण अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा हूं और कहा कि अगर मुझे बॉडीगार्ड मिलता है तो मेरा हौसला दुगुनी बढ़ेगी और मैं भ्रष्टाचार और नशा के खिलाफ अपना आंदोलन तेज करूंगा और झारखंड को नशा मुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का अपना और राज्य के जनता का सपना पूरा करूंगा।

बट सावित्री पूजा की खुशी मातम में बदली

- हंटरगंज की महिला की रांची राज हॉस्पिटल में ईलाज के दौरान हुई मौत, गांव में पसरा मातम
- परिजनों के चीख चीत्कार से माहौल गमगीन

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
हंटरगंज (चतरा)। एक ओर पूरा देश में पति की लंबी आयु को लेकर महिलाओं के द्वारा वट सावित्री पूजा की जा रही है। वही यह खुशी पिंडरा गांव में मातम में बदल गई। हंटरगंज थाना क्षेत्र के गोसाइडीह पंचायत अंतर्गत पिंडरा गांव निवासी अनुज कुमार सिंह की 30 वर्षीय पत्नी स्वेता कुमारी की रांची के एक निजी अस्पताल राज हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अनुज अपने परिवार के साथ हजारीबाग डेमोटाड में रहता था। अपने स्कूटी पर सवार होकर अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ हजारीबाग जा रहा था इसी दौरान मासीपीढी गांव के समीप हजारीबाग-रांची मुख्य पथ पर एक पिकअप वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दी। जिसमें मृतिका स्वेता गंभीर रूप से घायल हो गई थी वही अनुज और दो बच्चों को हल्की चोट पहुंची थी। घायल अवस्था में स्थानीय पुलिस व ग्रामीणों ने चारों को सदर अस्पताल हजारीबाग में इलाज के लिए भर्ती किया। जहां चिकित्सक ने अनुज व उसके दो बच्चों को मामूली चोट रहने के कारण सदर में ही प्राथमिक उपचार किया जबकि उसकी पत्नि की स्थिति नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया था। जहां से परिजनों ने इलाज के लिए रांची के राज हॉस्पिटल में भर्ती करवाया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों के द्वारा शव को पिंडरा गांव लाते ही परिजनों के चीख चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो गया। वहीं गांव में मातम छाया हुआ है। मृतिका के एक बेटी 8 वर्ष वही दूसरा बेटा 2.5 वर्ष का है।

बिश्रामपुर और मँझिआओं नगर परिषद को एक बेहतरीन नौजवान और ईमानदार मिला पर्यवेक्षक

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
आई एम कादरी-कांडी: गढ़वा
बिश्रामपुर विधान सभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी एवं समाजसेवी श्री सुधीर कुमार चंद्रवंशी जी को जो कांग्रेस पार्टी के उभरते हुए एक नौजवान सितारे हैं उनके ईमानदारी लगन और मेहनत को देखते हुए राज्य के आला कमान ने पर्यवेक्षक के रूप में बहुत ही बड़ी जिम्मेवारी सौंपी है इसलिए तमाम बिश्रामपुर विधान सभा क्षेत्र के नौजवानों और सभी लोगों में एक खूबसूरत समाजसेवी एवं पढ़ा लिखा अनुभवी निडर साहसी एवं बहादुर लीडर मिल जाने और उस पर जिम्मेवारी सौंपे जाने पर बहुत ही खुशी का इज़हार किया है और तमाम क्षेत्र में खुशी का माहौल है और सभी लोगों ने काग्रेस पार्टी को चंद्रवंशी जी के लिए अच्छा फैसला लेने पर बहुत बहुत बधाई दी है और लोगों का ईए भी कहना है कि कांग्रेस पार्टी से हमारे छेत्र में एक अच्छा डायरेक्टर का बहुत हीं जरूरत था जो आज पूरा हुआ है इसलिए सभी लोग श्री सुधीर कुमार चंद्रवंशी जी को बहुत-बहुत मुबारक बाद शुभकामनाएं तथा ढेर सारा प्यार।

वट सावित्री के मौके पर अखंड हरि कीर्तन का हुआ आयोजन

मांडर। प्रखंड के मंदरो ग्राम परिसर में वट सावित्री के मौके पर सोमवार को 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन शुरु हुआ। हरे रामा, हरे कृष्णा की धुन की से शुरु किया गया। पुरोहित की अगुवाई में यजमान के रुप में श्री राम कीर्तन मंडली के हाथों रुद्राभिषेक सम्पन्न कराया। अखण्ड हरि कीर्तन में श्री राम कीर्तन मंडली द्वारा आयोजित किया गया एवं अन्य जगह की कीर्तन मंडली भाग ले रही है। कुरकुरा ,बरहे ,कैम्बो बिजुपाड़ा सहित विभिन्न जगहों का कीर्तन मंडली भाग ले रहे है।कार्यक्रम का समापन मंगलवार को श्रद्धालुओं के बीच भंडारे महाप्रसाद के साथ समापन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में अभय सिंह एवं श्री राम कीर्तन मंडली सभी सदस्य आदि सक्रिय भूमिका निभा रहे है।

चान्हो-मांडर में श्रद्धा और आस्था से मनाया गया वट सावित्री व्रत

चान्हो-मांडर
प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सोमवार को वट सावित्री व्रत श्रद्धा, निष्ठा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही सुहागिन महिलाएं स्नान कर पारंपरिक श्रृंगार में सजकर वटवृक्ष के नीचे एकत्रित हुईं। महिलाओं ने विधिपूर्वक वटवृक्ष की पूजा कर कच्चे धागे से वृक्ष की परिक्रमा करते हुए अपने पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य की कामना की। पूजा के बाद महिलाएं वटवृक्ष की छाया में बैठकर पुजारी से वट सावित्री व्रत की कथा सुनती रहीं। मंदिरों में भी यह आयोजन भक्ति भाव से संपन्न हुआ। कथा श्रवण के पश्चात महिलाओं ने दान-पुण्य कर व्रत की पूर्णता की। इस अवसर पर एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर और बड़ों का आशीर्वाद लेकर शुभकामनाएं साझा की गईं। महिलाओं ने 108 बार परिक्रमा कर जताई आस्थाः इस दिन महिलाएं व्रत रखकर 24 घंटे उपवास करती हैं और पूजा के दौरान वटवृक्ष की 108 बार परिक्रमा करतीं हैं। साथ ही, वृक्ष में रक्षा सूत्र बांधते हुए अखंड सौभाग्य की प्रार्थना करती हैं। मान्यता है कि यह व्रत वैवाहिक जीवन को सुखमय बनाता है और पति की उम्र लंबी करता है। सावित्री-सत्यवान की कथा से जुड़ा है पर्व- धार्मिक मान्यता के अनुसार, ज्येष्ठ अमावस्या के दिन सावित्री ने अपने तप और दृढ़ संकल्प से यमराज से अपने मृत पति सत्यवान के प्राण वापस ले लिए थे। तभी से इस दिन को वट सावित्री व्रत के रूप में मनाया जाता है। शास्त्रों में इस व्रत को अत्यंत फलदायी और पुण्यदायक माना गया है। चान्हो के सोंस, ओपा, पतरातु, चोरीया, मांडर के मलती, पुनगी, करगे, सोसई आश्रम, कदरी ,सुरसा बस्की ,टोटाम्बी सहित अन्य गांवों में भी वटवृक्षों के पास पूजा आयोजन हुए। महिलाओं की बड़ी संख्या ने भाग लेकर इस पर्व को सफल और भक्ति भाव से परिपूर्ण बनाया। व्रत के दूसरे दिन ही महिलाएं अन्न-जल ग्रहण करती हैं।

पर्यावरणविद ने सावित्री पूजा पर बट का पौधेरोपण कर कहा

- पति प्रकृति व पर्यावरण की रक्षा के लिए ही किया जाता है वट सावित्री पूजाः डॉ कौशल
- हिन्दू संस्कृति के अनुसार सदियों से होती आ रही है वट वृक्ष की पूजाः मुखिया पूनम पार्षद अमित
- जिस गांव में बरगद , पीपल, पाकड़ और नीम के पेड़ होते हैं उस गांव के लोग स्वस्थ और सुखी होते हैं: डॉ कौशल

शपथ दिलाते पर्यावरणविद डॉ कौशल

मेदिनीनगर। पलामू। झारखंड
सोमवार को विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने वट सावित्री पूजा के अवसर पर मेदिनीनगर के आबादगंज स्थित अपने आवास पर्यावरण भवन के आकाश बाग में पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ बरगद (वट) का पौधा लगाया। उन्होंने सावित्री पूजा पर उपस्थित महिलाओं को वटवृक्ष ,देवी सावित्री और भगवान सत्यवान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वट सावित्री पूजा कराने के उपरांत पर्यावरणविद डॉ कौशल ने पूजा में शामिल सभी महिलाओं को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्षों की पूजा की परम्परा सदियों से आ रही है। परन्तु वट वृक्ष का पूजा करने का एक अलग ही धार्मिक महत्व है। क्योंकि शास्त्रों के मुताबिक वट वृक्षों पर त्रिदेव ब्रह्मा ,विष्णु महेश का वास होता है। इतना ही नहीं जिस गांव में बरगद ,पाकड़, पीपल और नीम के पेड़ होते हैं उस गांव के लोग स्वस्थ और सुखी होते हैं।

वनराखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल ने कहा कि अन्य वृक्षों की तुलना में बट वृक्ष का अलग महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि जिस तरह भगवान बुद्ध को पीपल के पेड़ के नीचे ही ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। उसी प्रकार वट वृक्ष के नीचे ही माता सावित्री को अपने दृढ़ संकल्प और श्रद्धा से यमराज द्वारा अपने मृत पति सत्यवान को दोबारा जिंदा करने में कामयाबी मिली थी।

छतरपुर पूर्वी केजिला पार्षद अमित जायसवाल ने कहा कि उनके पूजनीय पिता सह पर्यावरण धर्मगुरु ने पृथ्वी , प्रकृति , सृष्टि और पर्यावरण की रक्षा के लिए ही पर्यावरण धर्म की शुरुआत किया है। पर्यावरण धर्म के तहत सभी जाति धर्म सम्प्रदाय के लोग एकत्रित होकर पर्यावरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते है।

संस्था के प्रधान सचिव व डाली बाजार के मुखिया पूनम जायसवाल ने कहा कि उनके पूजनीय पति सह पर्यावरणविद ने अपना घर परिवार में रहकर महापुरुषों की तरह निःस्वार्थ अपनी निजी खर्चों पर पृथ्वी से प्रदूषण के सफाया के लिए वनों पर रक्षाबंधन और पौधारोपण कर मानव के साथ-साथ 84 लाख योनि जीवों की आजादी की लड़ाई लड़ रहे है ।

कार्यक्रम में प्रो अरुण कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, प्रेमा पांडेय, रिमझिम सिंह, जयंती पांडेय, ज्योति सिंह, आदि शामिल थी ।

संक्षिप्त समाचार

सौभाग्यवती महिलाओं ने की बट सावित्री व्रत एवं पूजा

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

हिरणपुर (पाकुड़) सोमवार को सौभाग्यवती महिलाओं ने वट सावित्री व्रत का निष्ठा पूर्वक विधिवत पूजा अर्चना किया। हिरणपुर मुख्य बाजार के छठ पोखर स्थित बट वृक्ष के नीचे सुबह से ही सौभाग्यवती महिलाओं की ताता पूजन एवं वृक्ष की परिक्रमा लगाने के लिए लगी हुई थी। परिवार एवं पति की दीर्घायु की कामना को लेकर किए जाने वाले इस त्यौहार में माता सावित्री और सतवान की कथा पर आधारित यह व्रत काफी श्रद्धा और निष्ठा के साथ महिलाएं करती आ रही है। इसी क्रम में प्रखंड के सभी गांव में भी इस त्यौहार के प्रति काफी उत्सुकता देखी गई, काफी संख्या में सौभाग्यवती महिलाओं ने बट वृक्ष के नीचे पूजा अर्चना की तत्पश्चात कच्चे सूत के धागे से परिक्रमा कर पूजन का समापन की।

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 109 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- लिट्टीपाड़ा प्रखंड के लिट्टीपाड़ा, पाकुड़िया प्रखंड के चौकीसाल एवं पाकुड़ प्रखंड के सोनजोड़ी में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 109 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ0 प्रेम प्रकाश, डॉ वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा एवं डॉ अबूतालिब शेख ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

हिरणपुर शील दुर्गा मंदिर स्थित शनि महाराज की मंदिर में जयंती मनाई जाएगी

● आयोजन के लेकर पूजा कमेटी ने कर ली है पूर्ण तैयारी भक्तों से की है निवेदन

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

हिरणपुर (पाकुड़) मंगलवार को हनुमान जयंती के अवसर पर हिरणपुर बाजार मे शनि महाराज का जयंती मानाया जायेगा, जिसमे प्रसाद के रूप में खीर का वितरण भक्तों के बीच किया जाएगा । इस संबंध में आयोजन मंडली के द्वारा निवेदन किया गया है कि जो भी दान के रूप मे दुध चावल चीनी काजू किसमिस दान कर सकते है, शनि महाराज मंदीर मे दान लिया जाता है ,चंदा नही उठाया जाता है , संधा 6 क्कूप्रसाद बितरण होगा, इससे पूर्व महाराज का विधिवत पूजा अर्चना और जन्म जयंती मनाई जाएगी।

ट्रैक किनारे बसे ग्रामीण इलाकों में जन-जागरूकता अभियान तेज किया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंजः पूर्व रेलवे ने मवेशी टकराव (सीआरओ) की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैक किनारे बसे ग्रामीण इलाकों में जन-जागरूकता अभियान तेज किया है। वर्ष 2025-26 में अब तक सीआरओ की 65 घटनाएँ दर्ज की गईं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.6% अधिक हैं।

मुख्य अपीलें:

मवेशियों को रेलवे ट्रैक के पास न चराएँ। सुरक्षित व घेराबंदी वाले पशुपालन की व्यवस्था अपनाएँ।

सीआरओ से न केवल मवेशियों की जान जाती है, बल्कि ट्रेनों में देरी और यात्रियों की सुरक्षा पर असर पड़ता है। रेलवे अधिनियम के अनुसार ट्रैक के पास मवेशियों को खुला छोड़ना दंडनीय अपराध है।

कहाँ हुए अभियान:

मालदा मंडल के बड़हरवा, राजमहल, निमतिता आदि क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। अन्य मंडलों - हावड़ा, सियालदह व आसनसोल में भी अभियान जारी हैं। पूर्व रेलवे का उद्देश्य - यात्रियों की सुरक्षा व समयबद्ध रेल संचालन सुनिश्चित करना, जिसमें समुदाय की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

बकरीद पर्व के मद्देनजर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

● कृषि उत्पादन बाजार समिति पाकुड़ में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में आगामी ईद उल जुहा (बकरीद) त्योहार के अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण हेतु जिला स्तरीय शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी पर्व बकरीद त्योहार के दौरान विधि व्यवस्था, शांति व्यवस्था एवं जनसुविधाओं तथा सुगम यातायात व्यवस्था के संदर्भ में चर्चा कर सबसे सहयोग की अपील की गई।

शांतिपूर्ण, सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संयमित तथा अनुशासित तरीके से पर्व-त्योहार मनायें: डीसी

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि आगामी त्योहारों को देखते हुए विधि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएं रखने की आवश्यकता है। साथ ही हमें विशेष एहतियात एवं निगरानी बरतने की आवश्यकता है, ताकि शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में आगामी त्योहारों को संपन्न कराया जा सके।उपायुक्त ने सभी प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों को बकरीद पर विधि व्यवस्था संधारण हेतु पूरी चौकसी रखने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारी तथा पर्याप्त पुलिस बल प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान यदि किसी शरारती तत्व द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने की कोशिश की गई, तो उसके विरुद्ध कड़ी कारवाई की जाएगी। जिला प्रशासन सोशल मीडिया पर सख्त निगरानी रखेगी, सावधानी से सोशल मीडिया का उपयोग करें, किसी तरह के अफवाहों पर ध्यान नहीं दें, भ्रामक एवं अपुष्ट खबरों का सत्यापन प्रशासन से जरूर करा लें। उन्होंने बकरीद पर्व पर असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं दंडाधिकारियों को पूरी सतर्कता एवं सजगता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष को 24X7 क्रियाशील रखते हुए निगरानी रखी जाएगी ताकि असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण रखा जा सके।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई

पाकुड़ पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि विधि व्यवस्था बिगाड़ने तथा आपसी सौहार्द बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों वाले व्यक्ति के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था को लेकर पर्याप्त संख्या में दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति रहेगी।संवेदनशील स्थानों पर विशेष चौकसी बरती जाएगी। आपके उत्सव के माहौल में कोई बाधा नहीं पहुंचाये इस उद्देश्य से पुलिस प्रशासन द्वारा सभी एहतियाती कदम उठाये जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक ने अनुरोध किया कि सोशल मीडिया पर किसी प्रकार के विवाद/अफवाह फैलाने वाले मैसेज का पूरी तरह खंडन करते हुए मैसेज को भेजने वाले अथवा फॉरवर्ड करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध संबंधित थाने को त्वरित रूप से सूचित करेंगे। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के बारे में नजदीकी थाने अथवा जिला प्रशासन को सूचित करने का निर्देश दिया। साथ ही पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पाकुड़ जिले को अग्रणी जिला की सूची में ले जाना है। इसके लिए आप सभी गणमान्य लोगों को आगे आना होगा।

मौके पर अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, सिविल सर्जन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, महेशपुर एवं पाकुड़, प्रशासक, नगर परिषद, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी एवं जिला के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बाल संरक्षण इकाई कार्यालय में जिला स्तरीय बाल मुद्दे पर कार्य कर रहे बहूहितधारकों के साथ बैठक आयोजित हुई

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़- सोमवार को जिला बाल संरक्षण इकाई, पाकुड़ एवं गैर सरकारी संस्था झारखण्ड विकास परिषद, अमड़ापाड़ा के संयुक्त तत्वाधान में बाल संरक्षण मुद्दे पर कार्य कर रहे बहुहितधारको के साथ जिला स्तरीय बैठक जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्धघाटन श्रीमती कांति रश्मि, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग,पाकुड, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी व्यास ठाकुर, जिला बल संरक्षण पदाधिकारी विनय कुमार शर्मा, विधि सह परिवीक्षा पदाधिकारी शमा प्रवीन, संरक्षण पदाधिकारी, संस्थागत देखभाल एवं परियोजना समन्वयक मनोरंजन सिंह द्वारा संयुक्त रुप सें किया गया।

कार्यक्रम में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पाकुड़ ने कहा कि उपायुक्त के निर्देशानुसार देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता की श्रेणी वाले बच्चों की पहचान करना, स्पॉन्सरशिप योजना से लाभान्वित होनेवाले बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी करना, चाईल्ड हेल्पलाईन टीम के द्वारा बाल संरक्षण मुद्दे का वृहत प्रचार-प्रसार करना एवं सभी संबद्ध विभागों के साथ नियमित समन्वय बैठक सुनिश्चित करना आवश्यक है।

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी व्यास ठाकुर द्वारा बताया गया कि बाल तस्करी, बाल विवाह एवं बाल श्रम रोकथाम के लिए विभिन्न स्टेकहोल्डर के साथ पाकुड जिले के सभी प्रखण्डों एवं पंचायतों में नियमित जागरुकता अभियान आयोजित किया जाना है।

विधि सह परवीक्षा पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि विधि का उल्लंघन करने वालें बच्चों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है ।

शमा परवीन, संरक्षण पदाधिकारी, संस्थागत देखभाल ने कहा कि पाकुड जिला में लड़कियों के लिए बालिका गृह नही है जिस कारण बच्चियों के पुनर्वास एवं संरक्षण के मामलें में बहुत दिक्कतें आती है।

राजेश कुमार मंडल, संरक्षण पदाधिकारी, गैर संस्थागत देखभाल द्वारा स्पॉन्सरशिप एवं फोस्टर योजना के बारें में विस्तृत जानकारी दी गई एवं कहा कि ऐसे बच्चों को चिन्हित कर स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ने की जरुरत है। बच्चों से संबंधित जो भी मामलें आतें है उसें त्वरित तौर पर बाल कल्याण समिति, पाकुड़ के समक्ष प्रस्तुत करें जिससें समय पर बच्चों के सर्वोतम हित को ध्यान रखतें हुए उनको सरकार की सेवाऐं एवं योजनाओं से जोड़ा जा सकें।

मौके पर चाइल्ड हेल्प लाईन के परामर्शी अभिजीत चन्द्र ने टॉल फ्री नंबर 1098 के बारे में बताया कि कैसे यह नंबर बच्चों को सुरक्षा दिलाने में मदद करता है।

इस कार्यक्रम में श्रम विभाग, चाईल्ड हेल्पलाईन के दिलावर हुसैन, पिरामल फाउन्डेशन के प्रतिनिधि, सी0सी0आई0जे0जे0बी0 उड़ान फाउन्डेशन एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थें।

इस कार्यक्रम के आयोजन में झारखण्ड विकास परिषद संस्था के मनोरंजन सिंह एवं मुकेश मुर्मू का सराहणीय योगदान रहा।

भारतीय वन्यजीव संस्थान के सहयोग से डॉल्फिन संरक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। डॉल्फिन संरक्षण एवं उसके महत्व पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भारतीय वन्य जीव संस्थान के सहयोग से किया गया। यह कार्यशाला का उद्देश्य गंगा नदी में पाई जाने वाली लुप्तप्राय गंगा डॉल्फिन के संरक्षण एवं उसके महत्व को उजागर करना था। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री प्रबल गर्ग उपस्थित रहे। उन्होंने डॉल्फिन को गंगा नदी की आत्मा बताते हुए इसके संरक्षण में स्थानीय समुदाय विशेषकर मछुआरों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। श्री प्रबल गर्ग ने डॉल्फिन प्रहरियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस दिशा में जागरूकता और जनसहभागिता ही सबसे कारगर उपाय हैं।

भारतीय वन्यजीव संस्थान से डॉ. शोभना रॉय ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण से डॉल्फिन संरक्षण के पहलुओं पर प्रकाश डाला, जबकि जिला परियोजना अधिकारी (नमामि गंगे) अमित कुमार मिश्रा ने योजना के तहत डॉल्फिन सहित गंगा की जैवविविधता को संरक्षित रखने के लिए हो रहे प्रयासों की जानकारी दी।

कार्यशाला के दौरान डॉल्फिन की पारिस्थितिकी, जैव विविधता में योगदान, संरक्षण के समकालीन उपाय एवं चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की गई। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों ने डॉल्फिन संरक्षण हेतु सामूहिक संकल्प लिया और यह अपेक्षा जताई कि भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएँगे। इस अवसर पर मछुआ सोसाइटी के अध्यक्ष श्री अशोक कुमार, डॉ शोभना रॉय डीपीओ अमित मिश्रा एवं सभी डॉल्फिन प्रहरी भी उपस्थित रहे।

अनिल कुमार ओझा साहिबगंज एवं राजेश कुमार सिंह राजमहल नगर परिषद का बने कांग्रेस पर्यवेक्षक, कार्यकर्ताओ मे खुशी!

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी क प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने आगामी नगर निकाय चुनाव को देखते हुए राज्य के सभी नगर निगम, पर्षद एवं नगर पंचायत में पर्यवेक्षक बनाया,वही राजमहल लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पंचायत का पर्यवेक्षक मनोनीत किया है।जिसमे अनिल कुमार ओझा को साहिबगंज नगर परिषद एवं राजेश कुमार सिंह को राजमहल नगर पंचायत का पर्यवेक्षक मनोनीत किया गया है।उन लोगो को नगर निकाय क्षेत्रों में कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने की उत्तरदायित्व उन्हें सौंपा है। दोनों नेता को पर्यवेक्षक बनाए जाने को लेकर महिला कांग्रेस के प्रदेश महासचिव पुनम किरण चौरसिया, महिला कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष अनीता देवी, महेंद्र पासवान, जिला उपाध्यक्ष कौसिक विस्वास, जिला महासचिव उमेश पांडेय, महेश तिवारी, युवा कांग्रेस के प्रदेश संजोजक संतोष स्वर्णकार, प्रखंड अध्यक्ष मनोज ओझा, निजामुद्दीन अंसारी, सुनील पासवान, नरेश निषाद, सद्दाम हुसैन, राज कुमार, आकाश पंडित, सुभाष कुमार सहित अन्य कांग्रेस जनो ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष को इसको मनोनयन किए जाने पर खुशी जताई एवं बधाई दीं। कहा आने वाले नगर परिषद चुनाव क्षेत्र में इनके देख रेख में मजबूती के साथ कांग्रेस संगठन अपनी पहचान बनाएगी।वही अनिल ओझा एवं राजेश सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जिस विश्वास से पार्टी ने हमारे उपर उत्तरदायित्व सौंपा है आने वाले नगर निगम चुनाव में क्षेत्र की समस्याओं को कांग्रेस जनों के साथ मिलकर जनहित में दूर करने का प्रयास करूंगा।

राजमहल प्रखंड कार्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। राजमहल सोमवार को राजमहल प्रखंड कार्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार बता दें कि राजमहल प्रखंड कार्यालय में कार्यरत सहायक अमित कुमार पासवान जो प्रधान सहायक के पद पर कार्यभार संभाल रहे थे, बीते कल रात आकस्मिक निधन हो गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी मो यूसुफ ने बताया कि अमित पासवान एक अनुभवी, कर्मठ, और सरल स्वभाव के धनी थे। अपने कार्य के प्रति ईमानदार थे। अचानक से ऐसे चले जाना प्रखंड परिवार को हानि हुई है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। सभी प्रखंड व अंचल कर्मी ने मृत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनिट का मौन रखा। इस दौरान अंचल सहायक हरि नंदन भगत, बीपीओ गगन बापू, गुलशन बावरा, रवि कांत रवि, आयुष राज, मो सोहर वर्दी, राम कुमार, दामु कुमार, मो आरिफ, प्रमोद कुमार, दीपक कुमार, मो शाहजहां अंसारी, अंजनी कुमार, सहित अन्य उपस्थित थे।

डीपीआरओ ने कुंजबोना पंचायत भवन का किया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) सोमवार को जिला पंचायत राज पदाधिकारी, पाकुड़ श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू के द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत कुंजबोना पंचायत सचिवालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पंचायत सचिवालय खुला पाया गया एवं संबन्धित मुखिया, पंचायत सचिव, जेई, भीएलई उपस्थित पाए गए। जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती मुर्मू के द्वारा पंचायत सचिवालय में उपलब्ध पंजियों, पंचायत सुदृढ़ीकरण, पंचायत ज्ञान केंद्र का उपयोगिता प्रमाणपत्र, किए जा रहे कार्यों आदि का निरीक्षण किया गया। उन्होंने भस्मक, हैंड वाश यूनिट, सेग्रीगेसन बीन, वॉटर प्यूरीफायर इत्यादि योजनाओं का भी निरीक्षण किया। साथ ही पंचायत सचिवालय में अधिष्ठापित पंचायत ज्ञान केंद्र, जो कि संचालित नहीं पाया गया। उसके संचालन के संबंध में मुखिया एवं पंचायत सचिव को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि पंचायत के सभी लोगों को पढ़ने हेतु प्रेरित करें। पंचायत के लोग ज्ञान केन्द्र में जाकर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारियां कर सकेंगे।

मौके पर मुखिया, जेई, पंचायत सचिव एवं भीएलई उपस्थित थे।

हावड़ा मंडल की इंजीनियरिंग टीम की त्वरित कार्रवाई से पाकुड़ स्थित एलएचएस संख्या 38 पर जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- हावड़ा मंडल के प्रेस विज्ञप्ति संख्या 20 25/05/91 के द्वारा बताया गया कि हावड़ा मंडल के इंजीनियरिंग विभाग ने एक बार फिर संचालन में उत्कृष्टता और जनसुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध किया है। दिनांक 23.05.2025 को पाकुड़ स्थित एलएचएस संख्या 38 में हुई जलभराव की समस्या का विभाग द्वारा समय पर समाधान किया गया। लगातार वर्षा के कारण एलएचएस संख्या 38 में लगभग 125 मिमी गहराई तक जल जम गया था। परंतु इंजीनियरिंग टीम की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से यह स्थिति मात्र 30 मिनट के भीतर नियंत्रण में आ गई। दो 10 हॉर्सपावर (HP) की उच्च क्षमता वाली पंपों के साथ एक अतिरिक्त 5 हॉर्सपावर का पंप तत्काल चालू किया गया और लगातार संचालित किया गया जिससे जल निकासी शीघ्र संभव हो सकी। यह उल्लेखनीय है कि जलभराव केवल वर्षा की अवधि तक ही सीमित रहा और वर्षा रुकते ही स्थल पर कोई जल शेष नहीं रहा।

स्थल पर 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित करने हेतु दो समर्पित कर्मियों को प्रतिनियुक्त किया गया है।

हावड़ा मंडल में कुल 210 एलएचएस (सीमित ऊंचाई वाले सबवे) और आरयूबी (रोड अंडर ब्रिज) है, जिनमें से 59 स्थान जलभराव की आशंका वाले हैं। इन सभी स्थानों की सतत निगरानी की जाती है। साथ ही, सभी स्थलों पर स्थायी पंपिंग व्यवस्था (विभागीय और आउटसोर्स दोनों) उपलब्ध कराई गई है। भारी वर्षा के समय, इन एलएचएस को चेनिंग प्रणाली के माध्यम से बंद कर दिया जाता है ताकि वाहनों की आवाजाही रोकी जा सके और किसी प्रकार की क्षति से बचा जा सके। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक स्थान पर ग्राउंड स्टाफ की तैनाती की जाती है जो किसी भी असामान्यता की रीयल-टाइम में निगरानी और समाधान करता है।

पाकुड़ एलएचएस संख्या 38 पर हुई त्वरित कार्रवाई, प्रतिकूल मौसम स्थितियों में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने और आधारभूत संरचना की मजबूती बनाए रखने के लिए हावड़ा मंडल की इंजीनियरिंग टीम के सक्रिय और समर्पित प्रयासों को दर्शाती है।

राजनीतिक गरिमा और वक्त की नजाकत का सवाल

>> विचार

> "हिंदी पट्टी की राजनीति की प्रकृति को समझते हुए प्रधानमंत्री को इस मांग को मानने के लिए मजबूर होना पड़ा झवैसे भी इस साल के अंत में बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। यह श्रेय पूरी तरह राहुल को जाता है कि उन्होंने मोदी को इस किस्म की कवायद की जरूरत स्वीकार करने के लिए मजबूर कर दिया। शायद राहुल को विश्वास हो चला है कि वे सरकार को ऑपरेशन सिंदूर पर भी सफाई देने के लिए मजबूर कर देंगेझ यह पूछकर कि भारत ने कितने विमान खोए; भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता के लिए 'ट्रंप को क्यों बीच में डाला गया';शेष दुनिया में कोई एक देश भी क्यों खुलकर भारत के समर्थन में खड़ा क्यों नहीं मिला? बकौल राहुल यह 'भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई' का नतीजा है।

ज्योति मल्होत्रा

पहलगाम में हुए नरसंहार के जवाब में भारत को पाकिस्तान पर दंडात्मक सैन्य कार्रवाई क्यों करनी पड़ी, दुनिया को यह समझाने के लिए भेजे जाने वाले बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने को लेकर जो माहौल बना है, उसमें निश्चित तौर पर शालीनता की कमी देखी गई। शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद और अमर सिंह ने इन प्रतिनिधिमंडलों में शामिल होने के पीएम मोदी के आह्वान पर अपनी पार्टी, कांग्रेस से अलग होकर प्रतिक्रिया दी कांग्रेस द्वारा सरकार को भेजी गई सूची में उनके नाम नहीं थे। इस पुरानी पार्टी को इस मुद्दे पर जिस प्रकार किरकिरी झेलनी पड़ गई। इसका पूर्वानुमान उसे होना चाहिए था। सोचा भी नहीं जा सकता कि राहुल गांधी की कांग्रेस वही कांग्रेस है, जिस पर कभी इंदिरा गांधी का राज रहा था। साल 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध करने से पहले के हफ्तों में, उन्होंने और उनके सबसे करीबी सहयोगियों ने कई महीनों तक कूटनीतिक अभियान चलाकर माहौल बनाया, ताकि पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) में पैदा हुए मानवीय संकट को दुनिया के सामने रखा जा सके। साल 1994 की बात है, पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे और भारत को कश्मीर मुद्दे पर जेनेवा में मानवाधिकार परिषद में आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था - तब राव ने अटल बिहारी वाजपेयी को फोन करके पूछा कि क्या वे भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। भारत के संसदीय इतिहास में वह क्षण एक तरह से राजनीतिक किंवदंती के रूप में याद किया जाता है झ 1994 में उप विदेश मंत्री रहे सलमान खुर्शीद, जो कोई भी उनसे मिलने आता, उसे यह बताने में कभी नहीं चूकते कि वाजपेयी के साथ काम करना कितना सहज है। साल 2018 में वाजपेयी के निधन के बाद खुर्शीद ने द प्रिंट नामक वेबसाइट को बताया : 'हमें एक-दूसरे को मनाने की या बहस करने की कभी जरूरत नहीं पड़ी। सहज रूप से हमारी सोच एक-सी थी और वे (वाजपेयी) बहुत कमाल के इंसान थे उनके पास वह 'मखमली स्पर्श' था, जो एक प्रेरक नेता होने के लिए चाहिए। अब बहुत से लोग मोदी पर 'मखमली स्पर्श' विहीन होने का आरोप नहीं लगा सकते। निश्चित रूप से, मोदी का तरीका अपना संदेश सपाट रूप से संप्रेषित करने का है। होना तो यह चाहिए था कि मोदी फोन उठाकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को कॉल करते और उनसे कहते : 'भाई, मैं सोच रहा हूं कि भारत को इस घड़ी एक स्वर में दुनिया को बताना चाहिए कि पाकिस्तान के अंदर क्या चल रहा है; किस प्रकार हमारा यह पड़ोसी मुल्क कट्टरता और आतंकवाद का इस्तेमाल कर खेल कर रहा है; तिस पर यह धमकी कि कुछ करके देखो परमाणु हथियार चला दूंगा, एक ऐसा खतरनाक घालमेल जिसके सामने किम जोंग उन जैसा भी फीका पड़ जाए। दुर्भाग्यवश, राष्ट्रहित में अहंकार और राजनीतिक मतभेद भुलाकर काम करने की क्षमता का प्रदर्शन करने वाला इस प्रकार का आह्वान इन दिनों संभव नहीं है। राजनीति के क्षेत्र में शालीनता की कमी ही अब इसकी पहचान बन चुकी है। कोई भी पक्ष दूसरे का सम्मान नहीं करता। पीएम मोदी का मानना है कि राहुल लोगों से कटे हुए वंशवादी नेता हैं, जिसे सीखने से परहेज है और बदतर यह कि पार्टी उन्हें हटा भी नहीं सकती, भले ही उनके नेतृत्व तले कांग्रेस चुनाव-दर -चुनाव हारती जा रही हो। उधर राहुल का मानना है कि पीएम मोदी लोकतांत्रिक संस्थाओं के सबसे बड़े विध्वंसक हैं। सार्वजनिक मंचों से दोनों एक-दूसरे की बेइज्जती करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। जब वे एक-दूसरे से भिड़ नहीं रहे होते, तब उनके करीबी सहयोगी यह कमी पूरी करते हैं। देश के दो शीर्ष नेताओं के बीच ताने, कटाक्ष, सरासर बेइज़्जती करना झ यह सब देखना सुखद नहीं। सब जानते हैं कि राजनीति कोई पिकनिक नहीं और न ही अब वह जमाना है कि कोई एक मारे तो दूसरा गाल आगे कर देना इसकी प्रमुख धारणा हो। लेकिन इंदिरा गांधी और नरसिम्हा राव, दोनों ही समझते थे कि विदेश नीति एक व्यापक इंद्रधनुष है, जो हमारे जीवन के विभिन्न रंगों को खुद में समाहित करने में सक्षम है। भले ही कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने प्रमुख सांसदों को सीधे आमंत्रित करने को सियासी खेल करने के रूप में लिया हो, लेकिन वह इसे हज़्म करते हुए प्रधानमंत्री से कह सकती थी कि विश्व को भारत का पक्ष समझाने में कांग्रेस भारतीय प्रयासों की- भाजपा के नहींझ बराबर की सहयोगी बनेगी। राहुल का तरीका यह है कि जन-जन तक अपनी पहुंचाने के लिए वे बहुत दिलचस्प मुद्दे उठाते रहते हैं, मसलन जातिवार जनगणना। हिंदी पट्टी की राजनीति की प्रकृति को समझते हुए प्रधानमंत्री को इस मांग को मानने के लिए मजबूर होना पड़ा झवैसे भी इस साल के अंत में बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। यह श्रेय पूरी तरह राहुल को जाता है कि उन्होंने मोदी को इस किस्म की कवायद की जरूरत स्वीकार करने के लिए मजबूर कर दिया। शायद राहुल को विश्वास हो चला है कि वे सरकार को ऑपरेशन सिंदूर पर भी सफाई देने के लिए मजबूर कर देंगेझ यह पूछकर कि भारत ने कितने विमान खोए; भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता के लिए 'ट्रंप को क्यों बीच में डाला गया';शेष दुनिया में कोई एक देश भी क्यों खुलकर भारत के समर्थन में खड़ा क्यों नहीं मिला? बकौल राहुल यह 'भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई' का नतीजा है। लेकिन क्या ऐसा ही है? भगवान जाने कि क्या पूरा देश वही जानना चाहता है, जो राहुल जानना चाहते हैं। लेकिन सभी राजनेताओं को समय की नज़ाकत की समझ होनी चाहिए। फिलहाल तो जनता का मूड यही है कि पहलगाम में हुए नरसंहार का बदला लिया जाए। यह संदेश कि भारत निर्दोष लोगों की हत्या को और बर्दाश्त नहीं करेगा, पूरी तरह से दिया जा चुका है- रहीम यार खान एयरबेस के रनवे को बींधकर रख देना, पाकिस्तान के रणनीतिक कमांड से कुछ ही दूरी पर स्थित सरगोधा और नूर खान हवाई अड्डे पर बमबारी करनाझ इनमें निहित ऐसे कई संदेश हैं जिनसे बाकी दुनिया को अवगत कराना बाकी है। जहां तक यह सवाल कि क्या ट्रंप ने भारत-पाक संघर्ष में 'मध्यस्थता' की और क्या भारत को इसे अपनी बेइज्जती मानना चाहिए कि उनके विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने 10 मई की सुबह अपने भारतीय और पाकिस्तानी समकक्षों को एक के बाद एक कई फोन किए झ तो, अब समय आ गया है कि भारतीय राजनीतिक वर्ग बुनियादी विदेश नीति का एक छोटा-सा पाठ सीख ले। तथ्य यह है कि दुनिया के नेता हमेशा एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं। कई लोग शायद इस बात से चिंतित थे कि कहीं भारत के हमले ऐसे मोड में न तब्दील हो जाएं, जो भगवान न करे, एक 'परमाणु फ्लैश पॉइंट' बन जाए। यह शायद सच है कि जब 7 मई को टकराव शुरू हुआ, तब भारत ने पाक के एयरबेसों पर हमला करने के बारे में नहीं सोचा था झ यह 8 मई को पाकिस्तान द्वारा बारामूला से लेकर भुज तक ड्रोनों- मिसाइलों से हमलों के जवाब में करना पड़ा, जिसमें आदमपुर भी शामिल था। स्वाभाविक है कि चिंतित हुए वैश्विक नेता ऐसे पलों में भारत और पाकिस्तान के नेताओं को फोन करके शांति बनाने को कहते झ क्या आप भी ऐसा नहीं करते, यदि दोनों आपके दोस्त होते? लेकिन यह भी तथ्य है कि जब तक ट्रंप के सहयोगी पूरी तरह हरकत में आते, तब तक भारतीय वायु सेना अपना काम निबटा चुकी थी। कुछ घंटों बाद, पाकिस्तानी डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को फोन किया और शांति स्थापना की गुहार लगाई। राहुल ने जो भी सवाल उठाए हैं, उनका भी समय आएगा। इस बीच, यहां देखें कि उनके साथी कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने मोदी के निमंत्रण पर 'हामी' भरने वाले अपने ट्वीट में क्या कहा है, जिसमें उन्होंने 1975 की फिल्म 'आक्रमण' के गीत के इस एक मुखड़े का हवाला देते हुए पुष्टि की कि वे ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनना चाहेंगे : 'देखो वीर जवानों अपने खून पर ये इल्जाम न आए, मां न कहे कि मेरे बेटे वक्त पड़ा तो काम न आए। तिवारी, थरूर, सिंह और खुर्शीद भले ही हमारे वक्त के 'अमर, अकबर, एंथनी' हों या न हों, लेकिन उन्होंने अपने-अपने तरीके से शेष देश को राह दिखाई है।

संपादकीय

ईडी की विश्वसनीयता

यह कोई नई बात नहीं है कि देश की जांच एजेंसियों पर सरकार की आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करने को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तरफ से पक्षपात के आरोप लगे हों। सरकारी जांच एजेंसियों को वे विपक्ष के नेताओं को डराने-धमकाने का हथियार बताते रहे हैं। अब इन्हीं चिंताओं और सवालों पर देश की शीर्ष अदालत ने भी मोहर लगाई है। विपक्षी नेता खासकर धनशोधन निरोधक अधिनियम के तहत की जा रही कार्रवाइयों पर रोक लगाने की गुहार लगाते रहे हैं। उनका आरोप रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय सरकार के हितों की पूर्ति के लिये दुराग्रह से कार्रवाई करता है। हालांकि, अदालत का मानना रहा है कि भ्रष्टाचार, देशविरोधी गतिविधियों तथा आतंकवादी संगठनों को मदद पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई अतार्किक नहीं है। सवाल इस बात को लेकर भी उठते रहे हैं जितने आरोप पत्र ईडी द्वारा दायर किए जाते हैं, उसकी तुलना में दोषसिद्धि की संख्या में बेहद ज्यादा अंतर क्यों है। जो इस बात की ओर इशारा करता है कि मामले दुराग्रह से प्रेरित होते हैं। अदालत भी मानती है कि ठोस प्रमाण के बिना किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। लेकिन एक हालिया मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कारगुजारियों पर कोर्ट ने उसे कड़ी फटकार लगाते हुए सीमाएं लांघकर संघीय ढांचे के अतिक्रमण करने की बात कही है। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु में शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में बरती गई कथित धांधली में राज्य विपणन निगम के विरुद्ध धनशोधन मामले में ईडी की जांच पर की है। दरअसल, निगम द्वारा शीर्ष अदालत में मामला ले जाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने न केवल जांच रोकी बल्कि ईडी की कारगुजारियों पर सख्त टिप्पणियां भी की हैं। निस्संदेह, ईडी को इस सुप्रीम नसीहत पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कोर्ट को यहां तक कहना पड़ा कि प्रवर्तन निदेशालय संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है। उल्लेखनीय है कि पीएमएलए की धाराओं के दुरुपयोग को लेकर शीर्ष अदालत पहले भी ईडी के खिलाफ सख्त टिप्पणी कर चुकी है। निस्संदेह, अदालत की इस सख्त टिप्पणी से उन तमाम विपक्षी दलों को संबल मिलेगा जो आए दिन ईडी व अन्य जांच एजेंसियों का सत्तापक्ष द्वारा दुरुपयोग करने का आरोप लगाते थे। वहीं दूसरी ओर तमिलनाडु राज्य विपणन निगम की दलील थी कि जिन शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में अनियमितताओं के मामले में ईडी ने हस्तक्षेप किया है, उसमें वर्ष 2014 से कार्रवाई की जा रही है। साथ ही इस मामले में चालीस से अधिक प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। वहीं निगम कई मामलों में शिकायतकर्ता है। ऐसे में इस मामले में ईडी के कूदने पर सवाल उठे हैं। यही वजह है कि कोर्ट ने ईडी की इस जांच पर रोक लगा दी है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु सरकार भी ईडी की कार्रवाई को संवैधानिक अधिकारों व संघीय ढांचे का उल्लंघन बताती रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद ईडी केंद्र की इच्छाओं के अनुरूप आंख बंद कर कार्रवाई करने की बजाय अपनी कार्यशैली में अपेक्षित परिवर्तन करेगी।

जड़ों से उखड़े लोगों को फिर से बसाने की चुनौती

सुरेश सेठ

पिछले दिनों ऑपरेशन सिंदूर ने पहलगाम आतंकी की विधवाओं और आतंकवाद से लड़ते शहीद हुए जवानों की विधवाओं का दर्द कम करने और अनाथ हुए बच्चों को संबल देने की कोशिश की। सत्ता से जुड़ी आवाजें दावा करती हैं कि प्रतिकार हो गया, आतताइयों को सबक सिखा दिया गया। लेकिन उन लोगों के दर्द का क्या, जो सरहद के गांवों से विस्थापित होकर अपने घर-बार समेट कर अनजाने ठिकानों की ओर चल पड़े? पंजाब की सीमाओं पर तो ऐसे खेत भी हैं जो आधे हिस्से में सरहद के पार चले जाते हैं। कहीं फसलें समय से पहले काट ली गईं, और जहां नहीं काटी जा सकीं, वहां न केवल फसलें तबाह हुईं, जिससे किसानों की मेहनत भी मिट्टी में मिल गई। उखड़ना और फिर से बसना-शायद यही इन लोगों की नियति बन गई है। युद्धविराम के बाद कुछ सरहदी गांवों के लोग जब लौटे, तो उन्हें तबाही का मंजर देखना पड़ा। इस हिंसा के साथ एक और डरावना पहलू भी जुड़ा था- आतंकी और माफिया गिरोहों की हिंसा, जिन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी गैर-कानूनी गतिविधियों का जाल फैला रखा है। ये लोग दिनदहाड़े लूटमार करते हैं और लोगों को उनके अपने घरों में ही पराया बना देते हैं। बाढ़, तूफान और हिंसक घटनाएं आम लोगों के जीवन का कटु सत्य बन चुकी हैं। कुल मिलाकर, जो लोग दुर्भाग्यवश अपनी जड़ों से उखड़ गए हैं, उनकी संख्या लाखों तक पहुंच चुकी है। ये विस्थापन न केवल युद्ध और आतंकवाद के कारण हुआ, बल्कि जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और भूमि-क्षरण जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने भी इस त्रासदी को बढ़ाया। किसान सिर्फ शांति का इंतजार नहीं करता; वह अपनी फसल के लिए समय पर पानी और कटाई के समय साफ मौसम की आशा करता है। लेकिन हालात उलटे हो गए-जहां शांति चाहिए थी, वहां हिंसा मिली; जब पानी की जरूरत थी, तब सूखा पड़ा, और मौसम साफ के समय इतनी मूसलाधार बारिश हुई कि बादल फटने लगे। उधर मणिपुर में भी एक छद्म युद्ध आतंकियों द्वारा जातिगत आरक्षण के मुद्दे को लेकर लड़ा जा रहा है। आगजनी और हिंसा के चलते वर्ष 2024 में मणिपुर से हजारों लोग विस्थापित हुए। जिनेवा स्थित मॉनिटरिंग सेंटर के अनुसार, केवल असम में ही पिछले एक दशक में आई भीषण बाढ़ों के कारण 25 लाख लोग आंतरिक विस्थापन का शिकार हुए हैं। इसी तरह, देशभर में आए भीषण चक्रवातों ने 16 लाख से अधिक लोगों को उजाड़ दिया। बंगाल की खाड़ी में अक्तूबर 2024 के अंत में आए चक्रवात 'दाना' ने 10 लाख से अधिक लोगों को विस्थापित कर दिया। त्रिपुरा का भी यही हाल रहा है। पिछले 40 वर्षों में प्रतिकूल मौसम की वजह से वहां 3.15 लाख लोग अपने घरों से उजड़ चुके हैं। पश्चिम बंगाल में आए चक्रवात 'रेमल' ने 2 लाख 8 हजार लोगों को उनके घर-द्वार छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया था। इसके साथ ही ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के उफान के कारण लगभग 3 लाख 38 हजार लोग विस्थापित हुए हैं। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा, लेकिन इस कार्रवाई से सीमा पर बसे लोगों से लेकर दूर-दराज़ के क्षेत्रों तक की जिंदगियां अव्यवस्थित हो गईं। लोग फिर से अपनी जड़ों से उखड़ने को मजबूर हो गए। जंग, आखिर जंग होती है। आज जब हम सामान्य जीवन की ओर लौटने की कोशिश कर रहे हैं, यह सोचना जरूरी है-क्या इन उखड़े हुए लोगों को फिर से उनकी जड़ें मिलेंगी? क्या उनके वे सपने, जो बारूद की गंध में घुलकर टूट गए या बिखर गए, दोबारा संवर पाएंगे? जिन नौजवानों की आंखों से भविष्य की चमक धुंधला गई है, उसका समाधान कैसे होगा? स्पष्ट है कि न युद्ध से, न प्रदूषणजनित अव्यवस्था से और न ही प्राकृतिक आपदाओं से मानवीय संकट को दूर करने के गंभीर प्रयास हो रहे हैं। इस दिशा में सत्ता की संवेदनशीलता अपरिहार्य है। इस संसार के नीति-नियंताओं को यह सोचना होगा कि आम लोगों की ज़िंदगी में फिर से सपनों में रंग कैसे भरे जाएं। उन युवाओं के लिए उम्मीद की कोई बुनियाद रखनी होगी, जो गांवों से शहर और शहरों से फिर गांव लौटने को मजबूर हैं, जो परदेस में ज़िंदगी की तलाश में जाते हैं और वहां उन्हें अपराधियों की तरह बेड़ियों में वापस भेज दिया जाता है। अब जरूरी है कि उनके लिए 'सपनों की बागवानी' की जाए। यह बागवानी भी उन्हीं हाथों से होनी चाहिए, जिन्होंने औरतों के खोए हुए सिंदूर के प्रतिकार स्वरूप आतंकवाद पर प्रहार किया था। खंडित सपनों को पूरा करने के लिये नई मंज़िलों का निर्माण हो-ऐसी मंज़िल जिसमें साधारण व्यक्ति को भी वही स्थान मिले, जो सदियों से सत्ता और वर्चस्व के अभ्यस्त लोगों को मिलता आया है।

(लेखक साहित्यकार हैं।)

परंपरा से पर्यावरण रक्षा

रतन सिंह

मायरा यानी भात भरने की परम्परा में भी जुड़ा है पर्यावरण प्रेम। भात भरना एक परंपरा है। हमारे देश में बहन की पुत्री या पुत्र की शादी में मायरा भरने की परम्परा सदियों पुरानी है। कोई भी महिला अपने पुत्र या पुत्री की शादी तय होते ही गुड़ की भेली व चावल लेकर मायके जाती है और अपने भाई को देते हुए उसे शादी में आने के लिए आमंत्रित करती है। भाई अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार उपहार आदि लेकर जाता है, इसी को भात भरना या मायरा भरना कहा जाता है। इस अवसर पर बहन शादी में आये अपने भाई का स्वागत करती है और भाई चुनड़ी ओढ़ा कर बहन का सम्मान करता है। एक ओर भाई-बहन का प्रेम है और दूसरी ओर बहन के बच्चों यानी भानजे-भानजियों के प्रति ननिहाल का प्रेम। राजस्थान या कहीं और के भी कई रिवाज ऐसे हैं जहां परंपरा में पर्यावरण का प्रेम छलकता है। राजस्थान में भाई जब भात लेकर बहन के ससुराल जाता है तब सबसे पहले गांव की सीमा में घुसते ही खेजड़ी के पेड़ को चुनड़ी ओढ़ाता है। उल्लेखनीय है कि भात भरने में सबसे महत्वपूर्ण रस्म बहन को चुनड़ी ओढ़ाना होता है और ठीक यही रस्म गांव की सीमा जिसे स्थानीय भाषा में कांकड बोलते है, में प्रवेश करते ही भाई खेजड़ी के पेड़ को चुनड़ी ओढ़ा कर उसे सम्मान देता है। जो प्रदेश के लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम और जागरूकता को प्रदर्शित करता है। अर्थात् पेड़ों को सहेजने की प्रथा। राजस्थान में खेजड़ी के पेड़ को पर्यावरण की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण समझा जाता है। दरअसल, जो भाई खेजड़ी वृक्ष को अपनी बहन के समान समझता है, जाहिर है वह उसका संरक्षण ही करेगा और खेजड़ी वृक्ष का संरक्षण मतलब पर्यावरण का संरक्षण। इस तरह राजस्थान में सदियों पहले यह परम्परा बनाई गई और खेजड़ी के वृक्ष को बहन का दर्जा दिया गया ताकि कोई भी व्यक्ति उसे नुकसान पहुंचाने की न सोचे। राजस्थान में ऐसी और भी कई परम्पराएं है जो सीधे सीधे पर्यावरण से जुड़ी हैं। प्रसंगवश यहां बता दें कि देश के अन्य हिस्सों में पर्यावरण को बचाये रखने के लिए या पर्यावरण की महत्ता को दर्शाने के लिए ऐसे अनेक रीति-रिवाज हैं जो लोगों को जागरूक करने या धर्म अथवा आस्था से जोड़कर पर्यावरण को संवारने का संकल्प जाहिर करवाते हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

पत्रकार पर हमला: अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आघात, प्रशासन से न्याय की माँग

आरोपियों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग

संवाददाता आदिवासी एक्सप्रेस
कोटालपोखर (साहिबगंज)। स्थानीय पत्रकार ओमप्रकाश साहू पर हुए निर्मम हमले ने एक बार फिर पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। यह घटना रविवार सुबह लगभग 4:30 बजे की है, जब ओमप्रकाश साहू अपने साथी अनुज कुमार साहू के साथ कोटालपोखर के शांति चौक के पास मौजूद थे।
हमला उस वक्त हुआ जब अनुज कुमार साहू को एक ट्रक चालक और उसके साथियों द्वारा लाठी-डंडों से पीटा जा रहा था। पत्रकार ओमप्रकाश साहू ने जब अपना पत्रकारिता धर्म निभाते हुए पीड़ित की मदद करनी चाही, तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। दोनों को बेरहमी से पीटा गया, जिससे उन्हें गंभीर शारीरिक चोटें आईं।

हमलावर ट्रक संख्या WB65E2478 से घटनास्थल पर पहुंचे थे। हमले के दौरान न केवल मारपीट की गई, बल्कि दोनों पीड़ितों के गले से चेन, पहचान-पत्र, एटीएम कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी छीन लिए गए। यह घटना साफ तौर पर पूर्व नियोजित प्रतीत होती है, क्योंकि हमलावरों ने पूरी घटना का वीडियो भी बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी।

न्याय की मांग और संभावित कानूनी धाराएं

घटना के बाद, पीड़ितों ने थाना कोटालपोखर में प्रभारी चंदन कुमार भैया को एक लिखित आवेदन सौंपते हुए आरोपियों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग की है।
इस घटना के आलोक में, भारतीय दंड संहिता की निम्नलिखित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाना अपेक्षित है:
147 (दंगा करना)
323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना)
504 (शांति भंग करने के इरादे से अपमान करना)
506 (आपराधिक धमकी देना)
392 (डकैती)
120B (षड्यंत्र रचना)

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला

पत्रकार संगठनों ने इस घटना की तीव्र निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया है। उन्होंने प्रशासन से दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।
यह घटना इस बात का प्रमाण है कि पत्रकारिता, जिसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है, आज स्वयं असुरक्षित है। यदि पत्रकार सुरक्षित नहीं होंगे, तो समाज की आवाज दबाई जाएगी, जो एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बेहद चिंताजनक स्थिति है।

संक्षिप्त समाचार

शशि प्रकाश सिंह बने हजारीबाग के नए उपायुक्त

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। झारखंड सरकार ने 26 मई को बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक हजारीबाग की डीसी नैंसी सहाय का तबादला करते हुए उनके स्थान पर शशि प्रकाश सिंह को हजारीबाग का नया उपायुक्त नियुक्त किया गया है।

अपहरण करने के मामले में एक आरोपी को राजमहल पुलिस ने किया गिरफ्तार

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। नाबालिग को शादी के नियत से अपहरण करने के मामले में एक आरोपी को राजमहल पुलिस ने किया गिरफ्तार। जानकारी के अनुसार आवेदक धनंजय मंडल सा0 घटजमनी टपुआ थाना राजमहल जिला साहीबगंज के लिखित आवेदन देकर जिसमें बताया गया है कि इनकी नाबालिग पुत्री को करण मंडल पिता रामविलास मंडल सा0-घटजमुनी थाना राजमहल जिला साहीबगंज के द्वारा शादी के नियत से अपहरण किया गया है जिसके आलोक राजमहल थाना कांड संख्या 164/25 दिनांक 26/5/25,धारा 96/3(5)BNS ACT 23 दर्ज की गई है। नाबालिग को बरामद किया गया तथा साथ ही साथ कांड के प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

झारखंड में कोविड को लेकर सतर्कता बढ़ी, एयरपोर्ट- रेलवे स्टेशनों पर जांच शुरू होगी

संवाददाता द्वारा
रांची। देश में एक बार फिर कोरोना के मामले बढ़ते दिख रहे हैं. इसे देखते हुए झारखंड सरकार अलर्ट हो गई है. राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने आज रांची के सदर अस्पताल में एक आपात बैठक बुलाई, बैठक में देश में सामने आए कोरोना के नए वेरिएंट NB.1.8.1 और LF.7 को लेकर चर्चा की गई. मंत्री ने कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह कंट्रोल में है, लेकिन सतर्क रहना बहुत ज़रूरी है.
डॉ. अंसारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर अब राज्य के एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में कोविड जांच शुरू की जाएगी. अगर किसी की रिपोर्ट पॉजिटिव आती है, तो उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा जाएगा.
मंत्री ने कहा कि रांची में एक कोरोना पॉजिटिव मरीज मिला है, जिसकी उम्र ज़्यादा है और उसे पहले से कुछ बीमारियाँ भी थीं. उन्होंने कहा कि यह वायरस ज़्यादातर बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को जल्दी पकड़ता है, डॉ. अंसारी ने बताया कि राज्य में बंद पड़े ऑक्सीजन प्लांट्स को फिर से चालू किया जा रहा है ताकि किसी भी इमरजेंसी में दिक्कत न हो. साथ ही डॉक्टरों की छुट्टियाँ फिलहाल रद्द कर दी गई हैं और सभी स्वास्थ्यकर्मियों को तैयार रहने के लिए कहा गया है.
स्वास्थ्य मंत्री ने नर्सिंग स्टाफ की तारीफ करते हुए कहा कि जो भी डॉक्टर और नर्स अच्छा काम करेंगे, सरकार उन्हें सम्मानित करेगी.

चौपारण महुदी और सियरकोनी में सड़क हादसे, कई घायल, एक की हालत नाजुक

आदिवासी एक्सप्रेस
चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के महुदी और सियरकोनी में रविवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में कई लोग घायल हो गए। एक घायल की स्थिति गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए बेहतर इलाज के लिए केंद्र रेफर किया गया है। पहली घटना महुदी के पास हुई, जहां एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे अज्ञात वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में चालक समेत कार में सवार सभी लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त कार को जीटी रोड किनारे सुरक्षित खड़ा किया गया।दूसरी घटना सियरकोनी के समीप घटी, जहां एक बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान रौनक सिंह (पिता- विकास सिंह, ग्राम- सरदारपुर) और छोटन सिंह (ग्राम- महुदी) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, छोटन सिंह की स्थिति गंभीर है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की।

शोभा यादव के निधन पर शोक की लहर

गिरिडीह, प्रतिनिधि। झामुमो नेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी शोभा यादव के आकस्मिक निधन पर शोक की लहर दौड़ गई। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के नेता राजेश यादव ने इसे समाज की अपूरणीय क्षति बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शोभा यादव अपनी सेवाभावना और जनहित के कार्यों के लिए सदैव याद की जाएंगी। इस दुखद मौके पर जिला परिसद अध्यक्ष मुनिया देवी संसद प्रतिनिधि दिनेश यादव, जेएमएम नेता पपू सिंह, रोकी सिंह, कृष्ण मुरारी शर्मा, सांसद प्रतिनिधि गुड्डू यादव, पूर्व विधायक राजकुमार यादव, पूर्व जीप सदस्य राजेश यादव सहित सेकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित हुए।

तोलरा विष्णु मंदिर के दूसरे वार्षिकोत्सव पर भक्तो का उमड़ा जनसैलाब

● **मानस मंडली गढ़वा की टीम नें सुंदरकांड का पाठ कर किया आश्चर्यचकित**

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- मोहम्मद शमीम
विश्रामपुर, पलामू। पलामू जिले के प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तोलरा गांव में श्री हरि विष्णु मंदिर का दूसरा वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया रविवार को 7बजे सुबह से रात्रि 11बजे तक भक्तो का तांता लगा रहा सभी ने भगवान के शरणागत अपना मत्था टेका। सुबह से हीं मुख्य यजमान गोखूल तिवारी सपत्नीक कलश में आये जल से भगवान विष्णु माता लक्ष्मी एवं भूदेवी के साथ राम दरबार कृष्ण दरबार बजरंग बली गरुड़ जी महराज जय विजय की मुर्ति को जलाभिषेक कराया गया तत्पश्चात सभी देवताओ को नूतन वस्त्र पहनाया गया यहाँ बताते चले की यह वस्त्र गढ़वा एलआईसी आफिसर बीरेंद्र तिवारी की पत्नी संध्या देवी अपने हाथों से यह वस्त्र बनाती है जो दो वर्षो से समय-समय पर भगवान को समर्पित किया जाता है विष्णु मंदिर संचालन कमिटी के अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी एवं संरक्षक बीरेंद्र तिवारी ने बताया वार्षिकोत्सव की

चारो ओर धूम रही समय-समय पर जलपान नास्ता एवं फल प्रसाद के साथ बाहर से आए अतिथियों के सम्मान में बुके शॉल एवं अंगवस्त्र लेकर तोलरा के समस्त ग्रामीण उपस्थित थे कमिटी के द्वारा विश्रामपुर विधायक नरेश प्रसाद सिंह पूर्व विधायक रामचंद्र चन्द्रवंशी भाजपा नेता अलख नाथ पांडेय कांग्रेस के वरीय नेता अमृत शुक्ला पूर्व प्रमुख संतोष चौबे भाजपा नेता बीपी शुक्ला विष्णु शुक्ला रौशन पाठक दिनेश पाठक सभी मीडियाकर्मी तथा बाहर से आये आंगुतक को सम्मानित किया गया । मानस मंडली गढ़वा की टीम ने सुंदरकांड का पाठ कर किया आश्चर्यचकित।
मानस मंडली की टीम ने सुंदरकांड का ऐसा पाठ किया की उच्चारण की ध्वनी किसी त्रेतायुग की भजन-कीर्तन को याद दिलाया जब देवताओ द्वारा किसी बड़े यज्ञ की आहुति दी जाती थी तो मंत्रोच्चारण से सबको मंत्रमुग्ध किया जाता था ठीक उसी तरह इस मानस मंडली की टीम ने कलयुग में भगवान बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त कर साक्षात देव स्वरूप स्वर में एक लय में संपूर्ण सुंदरकांड का पाठ संपन्न किए जिसने भी यह अलौकिक दृश्य को देखा व सूना सभी आश्चर्यचकित थे बीरेंद्र तिवारी एलआईसी ऑफिसर के द्वारा लाया गया यह टीम तोलरा सहित आसपास के लोगो में खूब सुर्खियां बटोरी और सभी ने आवाज की सराहना किया व भगवान बजरंग बली के सूंदररूपी सुंदरकांड का रसपान किया। वाराणासी से आए आचार्य पुरोहित एवं तोलरा के गुरु बाबा पार्थ त्रिपाठी पुरोहित कृष्ण मुरारी पांडेय नें दो दिन तक चलने वाला वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मंत्रोच्चारण से गांव की वातावरण को शुद्ध किए। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सागर का पत्रकार बड़े भाई रामनिवास तिवारी जी बढ़ चढ़ कर भूमिका निभाएं मौके पर सुमंत तिवारी संजय तिवारी धनंजय तिवारी अरुण त्रिवेदी निर्मल त्रिवेदी धीरन तिवारी अगसत तिवारी अमरेश तिवारी इन्द्रमणी तिवारी राधा तिवारी उपेन्द्र तिवारी अखिलेश तिवारी कमल तिवारी सिद्धनाथ तिवारी प्रसिद्ध तिवारी शिवपुजन तिवारी रविन्द्र तिवारी मनेष तिवारी देवनारायण तिवारी भर्दुल तिवारी कुश तिवारी अमित तिवारी जिकेश तिवारी सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

90 वर्षीय वृद्ध सोमर ठाकुर को अब तक नहीं मिला पेंशन और ना ही राशन कार्ड में नाम

बड़कागांव संजय कुमार
बड़कागांव। प्रखंड में कई वृद्ध महिला पुरुष अब भी वृद्धा पेंशन से वंचित हैं। इन्हीं लोगों में एक चेपाकला गांव निवासी 90 वर्षीय सोमर ठाकुर भी है जिन्हें अब तक वृद्धा पेंशन का लाभ नहीं मिला है। उक्त आशय की जानकारी सोमर ठाकुर के पोता रामसेवक ठाकुर ने दी है, उन्होंने बताया कि दादा के पेंशन के लिए कई बार प्रखंड मुख्यालय का चक्कर लगाया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। यहां तक की दादा का राशन कार्ड में अब तक नाम तक नहीं चढ़ा है बहुत दुख होता है जब जरूरतमंद बुजुर्ग लोग को पेंशन नहीं मिलता है।

जस्टिस त्रिलोचन सिंह चौहान होंगे झारखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस

संवाददाता द्वारा
रांची। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस त्रिलोचन सिंह चौहान को झारखंड हाईकोर्ट का अगला चीफ जस्टिस नियुक्त किया जाएगा. सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में यह निर्णय लिया गया था. जिसपर राष्ट्रपति ने मुहर लगा दी है. जस्टिस त्रिलोचन सिंह चौहान की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी गई है. कॉलेजीयम ने पांच अलग अलग राज्यों के हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस की नियुक्ति की भी अधिसूचना जारी की है.

जोरी पंचायत में आरआई टीकाकरण अभियान आज सोमवार को प्रारंभ किया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। बोरियो स्वास्थ्य विभाग ने अखबार में खबर छपने के बाद जेटके कुम्हार जोरी पंचायत में आरआई टीकाकरण अभियान आज सोमवार को प्रारंभ किया। एक माह से तीन पंचायत में नियमित टीकाकरण बंद एवं 11 आंगनबाड़ी केंद्रों में टीकाकरण बंद प्रकाशित हुआ था। खबर प्रकाशित होने के साथ ही उच्च अधिकारियों के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया। सीएससी प्रभारी डॉक्टर साकेत सानू ने जेटके कुम्हार जोरी पंचायत के देवपहाड़ स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आने वाले गांव में नियमित टीकाकरण के लिए बीपीएम विष्णु भगत के नेतृत्व में चार एएनएम की टीम गठित की। टीम में बालीडीह स्वास्थ्य केंद्र की एएनएम सरिता कुमारी सिंह को देवपहाड़, पोआल की एएमएन टतेरेसा टुडू को जेटके गांव, रंग मटिया की एएनएम सुभाषिनी मरांडी को सरायविंदा, एवं पहाड़पुर केंद्र के एएनएम रीना हेंब्रम को शहरपुर गांव के लिए जिम्मेवारी दी गई। टीम द्वारा शिविर लगाकर सोमवार को टीकाकरण किया गया। वहीं एक दूसरी टीम मंगलवार को बाकी गांव में टीकाकरण करेगी। मंगलवार को बालीडीह की एएनएम सरिता कुमारी सिन्हा चालधोवा, छोटा बनगांव की एएनएम सुमित्रा कुमारी अमरपुर, पोआल की एएनएम टेरेसा टुडू गड़गड़ी एवं रंगमटिया की सुभाषिनी मरांडी करमाटांड़ गांव में टीकाकरण करेगी। बाकी बच्चे गांव में दो दिनों के अंदर टीकाकरण कार्य संपन्न करा लिया जाएगा। सीएचसी प्रभारी डॉक्टर साकेत सानू ने बताए कि देवपहाड़ की सहिया साथी यशोदा देवी को अपने अधीन कार्यरत सहिया को बच्चों का ड्यूटी लिस्ट के साथ टीकाकरण कार्य में सहयोग करने का निर्देश दिया गया है। मौके पर बीपीएम विष्णु भक्त, डब्ल्यूएचओ मॉनिटर सुबोध शर्मा, जेटके कुम्हारजोरी पंचायत के पूर्व मुखिया देवेंद्र मालतो आदि मौजूद थे।

सीसीएल के मगध-संघमित्रा क्षेत्र में द्विपक्षीय सुरक्षा समिति-2025 की बैठक आयोजित पर एक नजर

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा) सीसीएल के मगध-संघमित्रा क्षेत्र में क्षेत्रीय स्तरीय द्विपक्षीय सुरक्षा समिति-2025 की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता क्षेत्रीय महाप्रबंधक नृपेन्द्र नाथ ने की। यह बैठक मगध-संघमित्रा क्षेत्र के प्रबंधन एवं श्रमिक संगठन प्रतिनिधियों के बीच हुई, जिसमें खदानों की सुरक्षा और अन्य संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। क्षेत्र में परिचालन इकाइयों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और व्यावसायिक सुरक्षा के शून्य हानि स्तर को प्राप्त करने के लिए विभिन्न उपायों पर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान मगध-संघमित्रा क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गई और सुरक्षा मानक में सुधार के लिए महत्वपूर्ण जानकारी ली गई। बैठक के दौरान श्रमिक संगठन प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए तथा खदानों में सुरक्षा मानकों को बढ़ाने के लिए सुझाव दिए। क्षेत्रीय महाप्रबंधक नृपेन्द्र नाथ ने आश्वस्त किया कि खदानों में सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने के लिए सुरक्षा समिति के सदस्यों के सुझावों को लागू किया जाएगा। बैठक का समापन शंभू नाथ, वरिष्ठ प्रबंधक (खनन) मगध-संघमित्रा क्षेत्र के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। बैठक की सफलता में क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी एस.एन. प्रसाद तथा उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बैठक में जेएमएस, आरकेएमयू, बीएमएस, एटक, सीआईटीयू, सीएमयू तथा आरसीएमयू के श्रमिक संगठन प्रतिनिधि, ठेकेदार मजदूर प्रतिनिधि और मगध-संघमित्रा क्षेत्र के प्रबंधन उपस्तिथ हुए।

हंटरगंज की बेटी मुस्कान ने झारखंड स्टेट ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता सिल्वर, लोगो ने दी बधाई

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
हंटरगंज (चतरा)। 14वीं झारखंड राज्य ओपन सीनियर महिला एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2025 में चतरा जिला के हंटरगंज की बेटी मुस्कान ने सिल्वर मेडल जीता एथलेटिक्स खिलाड़ी मुस्कान ने 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक हासिल कर पुरे चतरा जिला सहित अपने प्रखण्ड की नाम रौशन की है। बोकारो के चंदनकियारी प्रखण्ड में चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था जहां झारखंड के कई जिलों

एथलेटिक्स खिलाड़ियों ने भाग लिया था। चतरा जिला एथलेटिक एसोसिएशन के तत्वावधान में मुस्कान ने चैंपियनशिप में भाग ली थी मुस्कान कुमारी हंटरगंज प्रखण्ड के हंटरगंज उमेश प्रसाद गुप्ता की पुत्री है। उसकी उपलब्धि पर चतरा जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष बृजकिशोर तिवारी, चतरा जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव राकेश कुमार सिंह, ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष जितेंद्र चंद्रवंशी, ओलंपिक संघ के कार्यकारिणी अध्यक्ष चंद्रेश शर्मा ,चतरा जिला एथलेटिक्स कोच गणेश कुमार महतो, एथलेटिक्स कोच दीपक कुमार एवं चतरा जिला के कई खेल प्रेमियो ने बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दिए।

पूजा स्थल पर वट सावित्री पूजा धूमधाम से मनाया गया

नगर थाना के एसआई प्रमोद कुमार ने फल व शरबत का किया वितरण

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। जिले भर में वट सावित्री व्रत हिंदू धर्म विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी उम्र और सुख समृद्धि के लिए किया गया पूजा अर्चना जहां नगर थाना स्थित गांधी चौक समीप ब्रह्म स्थान, टमटम स्टैंड, बरतल्लाह स्टेट व अन्य ब्रह्म स्थान पर विवाहित महिलाओं द्वारा पति की लंबी उम्र और सुख समृद्धि के लिए पूजा अर्चना की गई इस व्रत की पूजा विशेष नियमों और विधीयों के अनुसार की जाती है. वट सावित्री व्रत अखंड सौभाग्य की प्राप्ति हेतु मनाया जाता है इस दिन महिलाएं वट वृक्ष की पूजा करती है. जहां मानता है कि सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे. इस व्रत से पति की दीर्घायु और वैवाहिक जीवन में सुख -समृद्धि की प्राप्ति होती है जिसके लिए विधि विधान से पूजा करना आवश्यक है इस दिन सुहागन स्त्रियां बरगद के पेड़ की पूजा करती है बट सावित्री व्रत सौभाग्य प्राप्त प्राप्ति के लिए एक बड़ा व्रत माना जाता है इस दिन सभी सुहागिन महिलाएं एक साथ मिलकर कथा सुनती है सुहागिनों के लिए विशेष महत्व रखता है पति की लंबी उम्र की कामना के लिए महिलाएं व्रत रखती है और वट वृक्ष की पूजा महादेव मानकर वट वृक्ष की पूजा की जाती है यह पेड़ दृढ़ता,अमरता का प्रतीक है मान्यता है कि इसमें ब्रह्मा विष्णु और महेश तीनों देवताओं का निवास होता है और देवी सावित्री ने इसी वृक्ष के नीचे अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस पाए थे इसलिए यह सुहागन और सौभाग्य का प्रतीक है. जिसको लेकर सोमवार को नगर थाना के एसआई प्रमोद कुमार के द्वारा सुहागिन महिलाओं को फल और पूजा का सामग्री भी वितरण किया साथ ही सुहागिन महिलाओं को काडी धूप और भीषण गर्मी को देखते हुए ठंडी शरबत का प्रबंध करा कर पिलाया,एसआई प्रमोद कुमार ने बताया कि हर वर्ष गांधी चौक ब्रह्मस्थान नगर थाना के समीप कार्यक्रम किया जाता है,चाहे वह वट सावित्री व्रत हो, या शिवरात्रि हो,या छठ पूजा हो हर वर्ष गांधी चौक के सीमिप कार्यक्रम किया जाता है आत्मा की श्रद्धा सबसे बड़ी होती है. लोग आपस में मिलजुल कर रहे यही मेरी ऊपर वाले से प्रार्थना है.

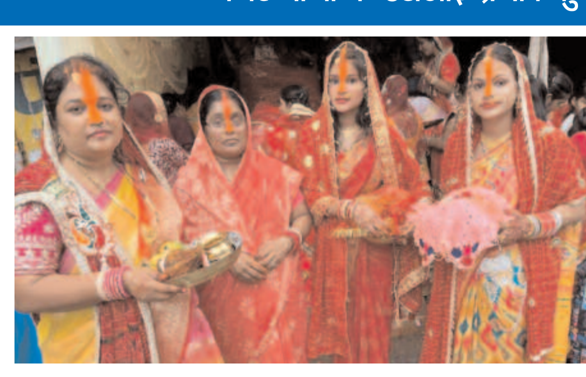

पूरी पारदर्शिता और प्राथमिकता के साथ अनुसूचित जनजाति समुदाय और बिरहोर परिवारों को सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित करें

- सभी संबंधित विभाग इस योजना के समयबद्ध क्रियान्वयन की सतत मॉनेटरिंग तथा गति शक्ति पोर्टल पर सभी योजनाओं का टारगेट आधारित प्रोग्रेस हेतु आंकड़ों का संधारण निश्चित रूप से करेंगे
- योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कर लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करें

गिरिडीह, प्रतिनिधि। समाहरणालय सभागार में जिला उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में पीएम जेएएनएमएएन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान डीए जेजीयूए के तहत कार्यान्वित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में पीएम जेएएनएमएएन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान डीए जेजीयूए से जुड़ी सभी योजनाओं की बारी-बारी समीक्षा किया गया तथा लक्ष्य अनुरूप शत- प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही पूरी पारदर्शिता और प्राथमिकता के साथ अनुसूचित जनजाति समुदाय और बिरहोर परिवारों को सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ लाभान्वित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभाग इस योजना के समयबद्ध क्रियान्वयन की सतत मॉनेटरिंग तथा गति शक्ति पोर्टल पर सभी योजनाओं का टारगेट आधारित प्रोग्रेस हेतु आंकड़ों का संधारण निश्चित रूप से करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी जयप्रकाश मेहरा ने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान डीए जेजीयूए

भारत के जनजाति समुदाय के संपूर्ण उत्थान के लिए एक अति महत्वकांक्षी योजना है। जिसके अंतर्गत गिरिडीह जिले के 09 प्रखंडों के 143 गांवों के 82, 601 अनुसूचित जनजाति समुदाय के परिवारों को इस अभियान से लक्षित किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत वैसे ग्रामों का चयन किया गया है जिनके कुल जनसंख्या 500 से अधिक हो और उसमें अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या कुल जनसंख्या का 50प्रतिशत से अधिक हो, तथा एस्पिरेशनल ब्लाक कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले प्रखंड के वैसे ग्राम जहां पर जनजातियों की कुल संख्या 50 या उससे अधिक हो। इस अभियान के अंतर्गत वर्तमान वर्ष को शामिल करते हुए वर्ष 2028-29 तक के कुल 5 वर्षों में 17 मंत्रालयों के 25 से अधिक महत्वपूर्ण हस्तक्षेपों/योजनाओं का क्रियान्वयन सैचुरेशन मोड में किया जाना है। जिसमें अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, विद्युतीकरण, मोबाइल कनेक्टिविटी, मोबाइल मेडिकल यूनिट्स, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला योजना अतर्गत एलपीजी गैस कनेक्शन, आधार कार्ड निर्माण, आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण, समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत छात्रावास तथा क्लासरूम का निर्माण, स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स ट्राइबल मार्केटिंग सेंटर्स का निर्माण वन अधिकार पट्टा से आच्छादित व्यक्तियों को कृषि पशुपालन मत्स्य पालन से जोड़ा जा रहा है। समीक्षा के क्रम में जिला उपायुक्त ने बताया कि प्रखंड स्तरीय ब्लॉक लेवल इंप्लीमेंटेशन टीम बीएलआईटी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। इसके अनुसार प्रत्येक निर्धारित ग्राम में धरती आबा अभियान के गाइडलाइन के अनुसार ग्राम सभा आयोजित करते हुए सभी मूलभूत आवश्यकताओं की गैप एनालिसिस तैयार करेंगे। इसके अलावा उपायुक्त द्वारा जिला स्तरीय सभी संबंधित विभागों को

पीएम जेएएनएमएएन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कई टास्क सौंपे गए। इसके साथ ही सभी अनुसूचित जनजाति समुदाय और बिरहोर क्षेत्रों में टेलीकॉम कनेक्टिविटी के लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया गया। जिला उपायुक्त ने कहा कि गिरिडीह जिले में कुल 08 पीवीजीटी क्षेत्र हैं, जिसमें बगोदर प्रखंड में 03, सरिया प्रखंड में 03 तथा गांवा प्रखंड में 02 शामिल है। उन सभी बिरहोर परिवारों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पूरी प्राथमिकता के साथ दिलाया जाय। इसके अलावा रोड कनेक्टिविटी, जल जीवन मिशन, बिरहोर क्षेत्रों में विद्युतीकरण, सोलर शक्ति की सुविधा, बिरहोर इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बहाल करना जैसे महत्वपूर्ण कार्य है, जिसे पूरा करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभाग अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ करें, जिससे अनुसूचित जनजाति समुदाय और बिरहोर परिवारों को इसका समुचित लाभ मिल सकें। उपायुक्त ने पीएम उज्ज्वला योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि 148 गांवों में योग्य और वंचित परिवारों को पीएम उज्ज्वला योजना अंतर्गत गैस का कनेक्शन उपलब्ध कराएं। साथ ही जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में विद्यालयों में आवश्यकता अनुरूप अतिरिक्त क्लासरूम का निर्माण की प्रक्रिया पूरी कराएं तथा छात्रावास के निर्माण हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने की बात कहीं। उपायुक्त ने पीरटाड़ प्रखंड स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में पोषण वाटिका के निर्माण हेतु समुचित कारवाई सुनिश्चित कराने का निर्देश निदेशक डीआरडीए को दिया। इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि स्थानीय ग्रामीणों को मत्स्य पालन और पशुपालन योजना से भी जोड़े और लाभ दिलाएं। जनजातीय समुदायों को प्राथमिकता प्रदान करते हुए पशुपालन से जुड़े विभिन्न योजनाओं का लाभ दें तथा वन अधिकार पट्टा से भी आच्छादित करें। बैठक में निदेशक डीआरडीए, सिविल सर्जन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, विद्युत विभाग, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, 1/2, कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता, एनआरईपी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला परियोजना पदाधिकारी, प्रबंधक बीएसएनएल समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

वीर हिंदू शौर्य प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ गिरिडीह में

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह नगर स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सोमवार से अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा वीर हिंदू विजेता शौर्य प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन शुरू हुआ है, जो रविवार तक चलेगा। इसमें 14 से 35 वर्ष तक के युवाओं को मानसिक व शारीरिक रूप से हिंदू योद्धा के रूप में तैयार किया जाएगा। यह प्रशिक्षण सनातन धर्म की रक्षा एवं राष्ट्र सेवा की भावना से प्रेरित है। प्रशिक्षण के बाद युवाओं को सैन्य सेवा में जुड़ने का भी मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम में प्रांत सह संगठन मंत्री कन्हैया लाल, धनबाद अध्यक्ष रवि शंकर पांडे, जिला अध्यक्ष रितेश पांडे समेत कई पदाधिकारी और सैकड़ों शिक्षार्थी उपस्थित रहे।

पति की लंबी उम्र के लिए गिरिडीह में सुहागिनों ने किया वट सावित्री व्रत

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह शहरी क्षेत्र समेत पूरे जिले में पति के लंबी उम्र के लिए सोमवार को सुहागिनों ने 16 श्रृंगार करके बरगद के पेड़ के चारों ओर फेरे लगाकर अपने पति के दीर्घायु होने की प्रार्थना की। प्यार, श्रद्धा और समर्पण का यह व्रत सच्चे और पवित्र प्रेम की कहानी कहता है। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन मां सावित्री ने यमराज के फंदे से अपने पति सत्यवान के प्राणों की रक्षा की थी। भारतीय धर्म में वट सावित्री पूजा स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे करने से हमेशा अखंड सौभाग्यवती रहने का आशीष प्राप्त होता है। कहा जाता है कि जब सावित्री पति के प्राण को यमराज के फंदे से छुड़ाने के लिए यमराज के पीछे जा रही थी उस समय वट वृक्ष ने सत्यवान के शव की देख-रेख की थी। पति के प्राण लेकर वापस लौटने पर सावित्री ने वट वृक्ष का आभार व्यक्त करने के लिए उसकी परिक्रमा की। इसलिए वट सावित्री व्रत में वृक्ष की परिक्रमा का भी नियम है।

जन वितरण प्रणाली के दुकानदार की असमय निधन पर संघ ने जताया शोक परिजनों से मिलकर बंधाया ढाढस

- संघ को अपूर्णीय क्षति, सरकार डीलरों की सहायता हेतु उठाए कदमः बाबू पाठक

मांडर प्रखंड के जनवितरण प्रणाली दुकानदार विक्रेता संघ के सदस्य कैंबो के भुनेश्वर साहू की असमय निधन पर संघ ने शोक जताया एवं उनके अंतिम संस्कार में पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिजनों को इस विपत्ति में ढाढस बंधाया एवं साथ खड़े रहने की बात कही। मृतक भुनेश्वर साहू काफी दिनों से अस्वस्थ थे वे अपने पीछे दो पुत्र सहित पूरा परिवार छोड़ कर देवलोकगमन कर गए। मौके पर मांडर प्रखंड डीलर संघ के मुख्य संरक्षक,संयोजक एवं जिला मंत्री अमिताभ उर्फ बाबू पाठक ने कहा की डीलर अपने जीवन काल में दायित्व का निर्वहन करते हुए जन वितरण प्रणाली में पूरी तन्मयता से जनता की सेवा का कार्य करते हैं परंतु निधन के बाद सरकार की ओर से उनका कोई सुध नहीं लिया जाता है इसलिए वह मांग करते हैं कि जन वितरण प्रणाली किस जुड़े दुकानदारों का इंश्योरेंस कराया जाए साथ-साथ उनकी समय मृत्यु पर परिवार को सरकार की ओर से सहायता उपलब्ध कराई जाए। मौके पर मुना साहू ,शुक्रा उरांव ,आशा देवी ,सचिंद्र सिंह ,फिलिप सहाय एक्का कुलदीप साहू ,सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

शिखरजी में माता जी के 101वें अवतरण दिवस पर भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक समारोह

गिरिडीह, प्रतिनिधि। इस सप्ताह शिखरजी के पवित्र तीर्थ स्थल सम्मेद शिखरजी में माता जी के 101वें अवतरण दिवस के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। यह स्थान जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों में से 20 के मोक्ष स्थल के रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। समारोह में अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता श्री कमल ठाकुर, अल्पसंख्यक आयोग के महासचिव अमरजीत सिंह, एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने माता जी के आशीर्वाद प्राप्त किए और राज्य में अल्पसंख्यकों की भागीदारी तथा विकास योजनाओं पर चर्चा की। श्री ठाकुर ने प्रेस से संवाद करते हुए कहा कि कांग्रेस समाज के सभी वर्गों को समुचित हिस्सेदारी देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर झारखंड के प्रभारी राजू एवं अल्पसंख्यक प्रभारी श्री जीनल गाला भी माता जी के आशीर्वाद के लिए उपस्थित होंगे। आयोजन के सफल संचालन में अजय जैन जी की भूमिका की प्रशंसा की गई। यह समारोह जैन समाज के लिए धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

समकालीन अभियान के तहत 6 वारंटी गिरफ्तार, भेजें गए जेल

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज थाना की पुलिस ने समकालीन अभियान के तहत छः वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी देते हुए थानाप्रभारी ने बताया कि कांड संख्या 15/23 जितेंद्र गंझु सकिन गायघाट, कांड संख्या 178/14 रामबालक साव साकिन कांदाबार, कांड संख्या 219/15 सिकेन्द्र भुईयां, कुलेश भुईयां, बाढ़ो भुईयां, रामपति भुईयां सभी मीरपुर निवासी जो 6 वारंटी थे, उसे छापामारी कर सभी को गिरफ्तार किया गया वही न्यायिक हिरासत में चतरा भेज दिया गया है।

फॉरवर्ड ब्लॉक की पहल से जमीन विवाद सलटाया गया

- संबंधित पक्षों ने संगठन को दिया धन्यवाद

गिरिडीह, प्रतिनिधि। बीते दिनों मोतीलेदा पंचायत अंतर्गत कोल्हरिया में हुए एक जमीन विवाद का मामला काफी बढ़ गया था, क्योंकि अकल कोल को सरकार से मिली 78 डिसमिल जमीन पर उसी गांव के कुछ लोग कब्जा करना चाह रहे थे। इसकी वजह थी कि गलतफहमी में वह जमीन उन्हें अपनी लग रही थी। फिर मामला थाने तक पहुंच गया था। इस मामले को पूर्व जिप सदस्य सह फॉरवर्ड ब्लॉक नेता राजेश यादव ने गंभीरता से लेकर इससे संबंधित तथ्यों से थाना को अवगत कराया। इसके बाद थाना प्रभारी की ओर से लिए गए एक्शन पर विवाद कर रहे दोनों पक्ष जमीन संबंधी कागजातों के आधार पर फैसले को तैयार हुए।आगे फॉरवर्ड ब्लॉक नेता शिवनंदन यादव, राजेंद्र मंडल, रामलाल मंडल, शंभू तुरी, नंदकिशोर राय आदि ने गांव जाकर मामला समझा जिसे दोनों पक्षों ने भी समझते हुए आगे विवाद नहीं करने पर सहमति बना ली। तत्पश्चात दोनों पक्षों ने फॉरवर्ड ब्लॉक नेताओं की उपस्थिति में थाना परिसर पहुंच कर लिखित रूप से विवाद को समाप्त कर लिया। पार्टी की इस पहल पर दोनों पक्ष संतुष्ट हुए और उन्होंने इसके लिए संगठन को धन्यवाद दिया है। मौके पर फॉरवर्ड ब्लॉक के बेंगाबाद प्रखंड प्रभारी शिवनंदन यादव, नंदकिशोर राय, अकल कोल, वीरेंद्र कोल, सुकर कोल, बाबूलाल कोल, रंजीत कोल आदि थे।

पत्रकारों पर हमले को लेकर भिंड पुलिस अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, इंडियन वीमेन प्रेस कॉर्प्स और दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स की संयुक्त अपील

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, इंडियन वीमेन प्रेस कॉर्प्स और दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, 1 मई 2025 को मध्यप्रदेश के भिंड ज़िले में पत्रकारों के साथ हुई बर्बरता की कड़ी निंदा करते हुए एसपी असीत यादव समेत संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं। 1 मई को पत्रकार सशिकांत गोयल और अमरकांत चौहान के साथ जो कुछ हुआ, वह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर एक सीधा हमला है। इन दोनों पत्रकारों को एसपी कार्यालय में ÷चाय पर चर्चा÷ के नाम पर बुलाया गया और फिर खुद एसपी असीत यादव की मौजूदगी में उनके साथ मारपीट की गई। सशिकांत गोयल 'दैनिक बेजोड़ रत्न' से जुड़े हैं जबकि अमरकांत चौहान 'स्वराज एक्सप्रेस' के भिंड ब्यूरो प्रमुख हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन पत्रकारों ने चंबल नदी में अवैध रेत खनन और उसमें स्थानीय पुलिस की मिलीभगत को उजागर किया था। इससे नाराज भिंड पुलिस ने उन्हें सबक सिखाने की कोशिश की। रिपोर्ट्स ये भी बताती हैं कि एसपी के कक्ष में पहले से आधा दर्जन से अधिक पत्रकार मौजूद थे, जिन्हें उनके अंडरगारमेंट्स उतार कर प्रताड़ित किया गया और बाद में जब गोयल और चौहान पहुंचे तो उन्हें भी पुलिस अधिकारियों ने बेरहमी से पीटा।

4 मई को दोनों पत्रकार ग्वालियर से दिल्ली रवाना हो रहे थे ताकि केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मिलकर अपनी आपबीती सुना सकें। लेकिन ग्वालियर स्टेशन से ही एक अन्य पत्रकार सौरभ शर्मा के बहाने उन्हें ÷सड़क मार्ग से दिल्ली चलने÷ के नाम पर बहला कर एक ढाबे पर ले जाया गया, जहां पुलिसकर्मी मौजूद थे। उन्हें फिर से एसपी के बंगले ले जाकर समझौते का दबाव डाला गया और कहा गया कि उनके खिलाफ कई शिकायतें दर्ज की गई हैं, इसलिए वे अब इस मामले को आगे न बढ़ाएं। इसके बाद, 5 मई को एक बार फिर एसपी कार्यालय में बुलाकर दोनों पत्रकारों से दबाव में वीडियो बयान दर्ज कराया गया जिसमें कहा गया कि ÷मामला सुलझ गया है।÷ यह वीडियो बाद में भिंड पुलिस ने व्हाट्सएप पर वायरल कर दिया ताकि पत्रकारों की साख को धूमिल किया जा सके। लगातार हो रही प्रताड़ना के कारण गोयल और चौहान को पत्रकारिता का काम अस्थायी रूप से छोड़ना पड़ा और उन्होंने 19 मई को दिल्ली आकर प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। इस बीच, मध्यप्रदेश स्टेट प्रेस क्लब ने 3 मई को ही मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। हम मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश माकवाना (आईपीएस) से अपील करते हैं कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराएं और 1 मई को हुई घटना तथा उसके बाद पत्रकारों को प्रताड़ित करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। हम उन्हें याद दिलाना चाहते हैं कि भ्रष्टाचार और अवैध कार्यों के खिलाफ रिपोर्ट करना कोई अपराध नहीं बल्कि पत्रकारों का कर्तव्य है। हम प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया से भी आग्रह करते हैं कि वह इस घटना को गंभीरता से लें और भिंड के एसपी असीत यादव व अन्य दोषी अधिकारियों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू करें। साथ ही, भिंड एसपी कार्यालय और उनके आवास की सिसिटीभी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को संरक्षित रखने के निर्देश जारी करें। हम प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया को यह याद दिलाना चाहते हैं कि उसकी स्थापना प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ही की गई थी। उसे प्रेस काउंसिल एक्ट, 1978 के तहत मिले अधिकारों का पूरी सख्ती से इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही, हम राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से भी अनुरोध करते हैं कि वह इस मामले में स्वतः संज्ञान ले और दोषी अधिकारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करे।

दो नई गाड़ियों का परिचालन होगा प्रारंभ

संवाददाता द्वारा
भारतीय रेल द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए दो नई एक्सप्रेस ट्रेनों के परिचालन का फैसला लिया गया है जिसमें एक वंदे भारत एक्सप्रेस की सेवा भी शामिल है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी दाहोद में आयोजित एक कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन दोनों एक्सप्रेस गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। गाड़ी संख्या 26901 साबरमती वेरावल वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन सप्ताह में 6 दिन किया जाएगा। गुरुवार को इस ट्रेन का परिचालन नहीं होगा। प्रतिदिन यह गाड़ी सुबह 05.25 बजे साबरमती स्टेशन से खुलेगी और चांदलोडिया, विरमगाम, राजकोट, जूनागढ़ होते हुए दोपहर 12:25 पर वेरावल स्टेशन पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 26902 प्रतिदिन दोपहर बाद 14:40 पर वेरावल स्टेशन से खुलेगी और जूनागढ़ राजकोट, विरागम होते हुए 21:35 पर साबरमती स्टेशन पहुंचेगी। चांदलोडिया स्टेशन पर अभी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत डेवलपमेंट के काम हो रहे हैं जिनका पूरा किए जाने के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस का वाणिज्यिक ठहराव चांदलोडिया स्टेशन पर प्रारंभ होगा।

गुजरात में यात्रियों की सुविधा के लिए दूसरी एक्सप्रेस गाड़ी वलसाड दाहोद एक्सप्रेस का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 19011 प्रतिदिन सुबह 5:15 बजे वलसाड स्टेशन से खुलेगी और बीलीमोरा, नवसारी, सूरत वडोदरा, गोधरा होते हुए 11:05 पर दाहोद स्टेशन पहुंचेगी वापसी में यह गाड़ी दाहोद स्टेशन से 11:55 पर खुलेगी और 20:05 पर वलसाड स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 17 कोच होंगे। ट्रेन में एग्जीक्यूटिव क्लास का एक कोच, थर्ड एसी का चार कोच और सेकंड क्लास के 10 कोच लगाए जाएंगे। इसके अलावा गार्ड सह पार्सल वान के दो कोच होंगे। एक गार्ड वान में दिव्यांग यात्रियों के बैठने की सहूलियत प्रदान की जाएगी।

विकसित भारत में बना छत्तीसगढ़: देश के सबसे उन्नत ट्रांसफॉर्मर अब बनेंगे रायपुर में

- 300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्ताव
- छत्तीसगढ़ से होगा अब पूरे देश का ट्रांसफॉर्मर सप्लाई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ एक और बड़ी छलांग लगाने जा रहा है। देश की प्रतिष्ठित कंपनी करमवीर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने रायपुर में अत्याधुनिक ट्रांसफॉर्मर निर्माण इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष प्रस्तुत किया। इस इकाई में 300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा, जिससे छत्तीसगढ़ का नाम देश के सबसे बड़े ट्रांसफॉर्मर निर्माण केंद्रों में शामिल हो जाएगा।इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक विवेक जैन ने मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ सदन, नई दिल्ली में मुलाकात की। बैठक में प्रस्तावित परियोजना की रूपरेखा, निवेश संभावनाएं और रोजगार सृजन के आयामों पर विस्तार से चर्चा हुई। जैन ने बताया कि यह यूनिट तकनीकी दृष्टि से देश की सबसे उन्नत ट्रांसफॉर्मर निर्माण इकाई होगी, जो भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र की ज़रूरतों को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निवेश प्रस्ताव का स्वागत करते हुए कहा, ÷हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़, विकसित भारत 2047 के निर्माण में एक मजबूत स्तंभ बने। यह निवेश सिर्फ एक औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम है। राज्य सरकार इस परियोजना को हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। यह परियोजना राज्य में बिजली क्षेत्र के आधुनिकीकरण, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, और उद्योग आधारित विकास को गति देगी। विशेष रूप से यह पहल ÷मेक इन छत्तीसगढ़ के नारे को मजबूती देती है, जहां अब अत्याधुनिक तकनीक से बने ट्रांसफॉर्मर पूरे देश को रोशन करने का कार्य करेंगे।

भारतीय राष्ट्रवादी किसान संगठन के तत्वाधान में ब्रह्मेश्वर मुखिया जी की शहादत दिवस का भोरी में किया जाएगा आयोजन

गया, अमरेंद्र कुमार। आज महासंघ कार्यालय गांधीनगर (गया जी) में केंद्रीय कमेटी की एक बैठक की गई जिसमें यह निर्णय लिया गया कि आगामी एक जून को महासंघ के संस्थापक सदस्य एवं किसानों के मान,सम्मान,स्वाभिमान की लड़ाई लड़ने वाले राष्ट्रवादी किसानों के महानायक अमर शहीद ब्रह्मेश्वर नाथ सिंह उर्फ मुखिया जी के तेरहवीं शहादत श्रद्धांजलि सभा का आयोजन मुखिया जी के प्रतिमा स्थल ग्राम भोरी में किया जाएगा। सुजातपुर (बक्सर) चौरम (अरवल) खोपीरा (आरा) में क्षत्रिय कमेटी के द्वारा भी इस कार्यक्रम को मनाया जाएगा। अतः महासंघ अपने नेता,कार्यकर्ता एवं मुखिया जी को चाहने वाले लोगों से आवाहन करता है कि अपनी सुविधा अनुसार मुखिया जी के प्रतिमा स्थल पर जाकर श्रद्धांजलि देने का कार्य करें। और जो लोग इन स्थलों पर जाने में असमर्थ हैं वह वे सभी क्षेत्रीय स्तर पर मुखिया जी की फोटो लगाकर श्रद्धांजलि देने का कार्य करें।

संक्षिप्त समाचार

13 दिन पूर्व शादी हुई युवती ने मैके में फांसी लगाकर की आत्महत्या

सं, सू पंकज कुमार ठाकुर
चांदन (बांका) तेरह दिन पूर्व जिस लड़की की शादी पिता द्वारा जमीन बेच कर धूमधाम से कराई गई थी।उसी लड़की को पति द्वारा वट सावित्री पूजा के लिए अपने साथ ससुराल ले जाने आया तो नव विवाहित पत्नी ने अपने पिता के घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने की मामला सामने आया है। स्वजनों ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को गांव स्थित नदी घाट में चोरी-छिपे आज सोमवार दोपहर को जला कर साक्ष्य को मिटा दिया।जबकि स्थानीय पुलिस अपने आप को इस मामले से पूरी तरह अनभिज्ञ बता रही है।विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिरनिया पंचायत के निलकोठी गांव निवासी सहदेव प्रमाणिक ने अपनी जमीन बेच कर मृतक पुत्री प्रीति कुमारी की शादी पश्चिम बंगाल में महज 13 दिन पूर्व धूमधाम से किया था।शादी के बाद प्रीति अपने ससुराल गयी।फिर कुछ दिन बाद मैके आयी हुई थी।रविवार को प्रीति का पति वटसावित्री पर्व को लेकर अपने साथ घर ले जाने अपने ससुराल आया।और सुबह अपनी पत्नी को अपने साथ घर जाने की तैयारी कर रहा था।लेकिन सोमवार अहले उसकी शव घर के अंदर रस्सी के सहारे लटकी हुई मिली।जिससे स्वजनों में कोहराम मच गया।घटना की सुचना पुलिस को देने के बजाय स्वजनों ने आनन-फानन में मामले को दबाने के लिए शव को गांव स्थित नदी में अंतिम संस्कार भी कर दिया गया।इस संबंध में थानाध्यक्ष बिष्णुदेव कुमार ने किसी भी प्रकार के घटना की जानकारी नहीं देने की बात बताया।

समर कैंप में सामिल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण

सं सू पंकज कुमार ठाकुर।
चांदन (बांका)। चांदन पंचायत के मंडल टोला गांव स्थित कन्या मध्य विद्यालय चान्दन के सभागार में समर कैंप (भारतीय भाषा) 2025 का अन्तिम दिन शिक्षक ने अभिभावक के साथ बैठक कर छात्र-छात्राओं के बीच प्रमाण-पत्र वितरण के साथ किया गया।प्रधानाध्यापक आदित्य कुमार के द्वारा प्रथम दिवस से अन्तिम दिवस के बीच होने वाले गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त चर्चा की गयी।साथ ही छात्र -छात्राओं के द्वारा बनाए गए पेंटिंग के बारे में आकर्षक ढंग से बताया गया। आयोजित समर कैंप में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को विद्यालय परिवार के द्वारा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।
इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरीय शिक्षक अवधेश कुमार, शशिकला कुमारी,संजीवनी कुमारी,नीलम कुमारी,निखिल चन्द्र बोस,तन्नू प्रिया,शिव शक्ति बरनवाल, आशा देवी, मीना देवी, गणेश मंडल, कविता देवी सहित सभी शिक्षक -शिक्षिका मौजूद उपस्थित थी।

असम के तिनसुकिया में बारेकुरी ग्रीन कॉरिडोर और जिला सर्वेक्षण विषय पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

पंकज नाथ, आदिवासी एक्सप्रेस, असम
असम के तिनसुकिया जिला में बारेकुरी ग्रीन कॉरिडोर और जिला सर्वेक्षण विषय पर महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं। तिनसुकिया जिले के जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के अंतिम मसौदे की तैयारी और बारेकुरी क्षेत्र को भेरगांव-पदुमनी वन्यजीव अभयारण्य से ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से जोड़ने के संबंध में चर्चा के लिए तिनसुकिया के जिला आयुक्त स्वप्नील पाल की अध्यक्षता में दो महत्वपूर्ण बैठकें हुईं। सर्वेक्षण विषयक बैठक में जिले के जल संसाधन, लोक निर्माण, सिंचाई और जन स्वास्थ्य तकनीकी विभाग के कार्यकारी अभियंता, डूमडूमा और डिब्रूगढ़ क्षेत्रीय वन मंडल के अधिकारी, डिब्रूगढ़ के भूवैज्ञानिक अधिकारी आदि उपस्थित थे। बारेकुरी ग्रीन कॉरिडोर विषयक बैठक में तिनसुकिया वन्यजीव वन मंडल के अधिकारी और बारेकुरी विकास समिति के अध्यक्ष डिप्लव चेटिया आदि भी उपस्थित थे।

पति की लंबी आयु के लिए सुहागिनों ने रखा वट सावित्री की पूजा

आदिवासी एक्सप्रेस /बौसी (बांका)
पति की दीर्घायु कामना सुख समृद्धि और खुशहाली का लोक संस्कृति तथा परंपरा का महापर्व वट सावित्री का पर्व सोमवार को आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। मंदार क्षेत्र में प्रसिद्ध है यह पर्व जगह-जगह मनाया गया सुहागन महिलाओं ने पति के लंबी उम्र की कामना के लिए वट वृक्ष के फेरे लिए तथा धागे बांधे और पूजा अर्चना की। पर्व के गीत भी गूंज रहे थे विशेष कर नव विवाहित महिलाओं में सबसे ज्यादा उत्साह देखा गया। सोलह सिंगार कर रंग बिरंगे परिधान में सज धज कर महिलाओं ने पूजा अर्चना की और अपने पति से आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा थाल में फल एवं फूलों से सजाकर लोग घर से निकलकर अपने क्षेत्र के वट वृक्ष की छांव में पूजा अर्चना की। यह पर सोमवार दिन रहने के कारण लोगों का कहना है कि इसका महत्व बढ़ गया था। पंखा डोला कर अपने पति की भी पूजा परंपरा अनुसार की। दांपत्य जीवन के सौभाग्य और सुख मय जिंदगी के प्रतिक यह पर्व को लेकर बाजार भी गुलजार रहा। इस पर्व के आयोजन को लेकर दो तिथि के प्रति लोगों में थोड़ी असमंजस बनी रही लोगों का कहना है कि यह पर्व सूर्योदय के अनुसार मनाया जाता है। व्रत रखने वाली महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर वट सावित्री की पूजा अर्चना की। इस पर्व में बट वृक्ष तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों का पूजा किया जाता है वही रेलवे स्टेशन, सी एन डी विद्यालय, ब्रह्मपुर, दुर्गा मंदिर आदि कई जगह पूजा करने वाले श्रद्धालुओं की लगी रही भीड़ इसलिए इस पर्व को प्रकृति पर्व के रूप में भी बताया जाता है।

टीम ने सिर्फ 11.2 ओवर में 97 रन बनाकर जीत दर्ज की

आदिवासी एक्सप्रेस /बौसी (बांका)
स्थानीय सीएनडी उच्च मैदान मे मंदार स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित T20 टैलेंट स्काउटिंग ट्राई सीरीज के दौरान सोमवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में एमएससी सेंट्रल ने एमएससी ईस्ट को 8 विकेट से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाज़ी करते हुए एमएससी ईस्ट की टीम मात्र 96 रनों पर सिमट गई, जिसके जवाब में लक्ष्य का पीछे करने उतरी एमएससी सेंट्रल ने मात्र 11.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

खेले गए मैच का स्कोर कार्ड

एमएससी ईस्ट की बल्लेबाज़ी

एमएससी ईस्ट की ओर से अनिकेत शुभम ने सर्वाधिक 31 रन (41 गेंद, 3 चौके, 1 छक्का) बनाए। बाकी बल्लेबाजों में प्रज्वल (8), विक्की (8) और राजेश दिवाकर (5) जैसे कुछ ही खिलाड़ी दोहरे अंक के करीब पहुंचे। टीम ने कुल 32 रन एक्स्ट्रा के रूप में प्राप्त किए।

एमएससी सेंट्रल की गेंदबाज़ी

आदित्य कुमार ने लाजवाब गेंदबाज़ी करते हुए 4 ओवर में 2 मेडन डालते हुए सिर्फ 10 रन देकर 4 विकेट झटके।
गौरव अरुण कुमार ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 22 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए।
अन्य गेंदबाज़ों में केशव अग्रवाल,विकास और जूनियर गौरव ने भी अच्छी गेंदबाज़ी की।

लक्ष्य का पीछा करते हुए एमएससी सेंट्रल की बल्लेबाज़ी

एमएससी सेंटर ने लक्ष्य का पीछा बेहद आक्रामकता और आत्मविश्वास से किया।
आदित्य कुमार ने तूफानी बल्लेबाज़ी करते हुए 46 रन (31 गेंद, 6 चौके, 2 छक्के) बनाए और नाबाद लौटे।
ज़ बिकास ने 27 रन जोड़े, जबकि रिशांत निवास ठाकुर ने 13 रन (4 गेंद) की तेज़ पारी खेली।
टीम ने सिर्फ 11.2 ओवर में 97 रन बनाकर जीत दर्ज की।
मंदार स्पोर्ट्स क्लब के को फाउंडर राज नीलयम ने बताया कि एम एस सी की मानसिकता यह है कि यहां एक उच्च स्तरीय इस तरह के टूर्नामेंट का आयोजन कर यहां के खेल प्रतिभाओं को ऊंचा मंच प्रदान करना है। टीम के खिलाड़ियों का समर्पण और अनुशासन प्रेरणादायक है। हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले मैचों में भी सभी टीम इसी तरह बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखेगी। क्रिकेट कमेंट्री कुंदन कुमार साह ने की एवं अंपायर के रूप में अजय सिंह और विराज कुमार मोंटी सिंह मौजूद रहे। अगला मुकाबला 28 मई को एमएससी ईस्ट और वेस्ट के बीच खेला जाएगा।

असम के बिश्वनाथ जिले में उपस्थित हुए राज्य के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत

आपदा प्रबंधन के लिए पूर्व तैयारियों की समीक्षा करने के अलावा, मिशन बसुंधरा 3.0 योजना की प्रगति का लिया जायजा

पंकज नाथ
आदिवासी एक्सप्रेस, असम
असम के राजस्व, आपदा प्रबंधन, विज्ञान प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी आदि मंत्री केशव महंत कल रविवार को बिश्वनाथ जिले में उपस्थित होकर जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। विश्वनाथ स्थित नये आवरत भवन के कॉन्फ्रेंस रूम में हुई इस बैठक में मंत्री ने जिला प्रशासन को आपदा प्रबंधन के लिए की जाने वाली तैयारियों की समीक्षा करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए ताकि संभावित बाढ़ की स्थिति से जल्द निपटा जा सके और जिले के लिए मानसून के आगमन के मद्देनजर लोगों को तत्काल राहत प्रदान की जा सके। विशेष रूप से पिछले अनुभव के अनुसार मंत्री केशव महंत ने जिला प्रशासन को गहपुर में विनाशकारी बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का भी निर्देश दिया। मंत्री महंत ने मिशन वसुंधरा 3.0 योजना की प्रगति पर एक और अलग समीक्षा बैठक भी की। विश्वनाथ जिला प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ आयोजित इस बैठक में, मंत्री ने इस बात का जायजा लिया कि भूमि सुधार की योजनाओं में से एक, वसुंधरा 3.0 विश्वनाथ ने कैसे प्रगति की है और उन्हें योजना के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। कल इन दोनों बैठकों में, सोनितपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद रंजीत दत्ता, विश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र से विधायक प्रमोद बोरठाकुर, गहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक उत्पल बोरा, बिहाली विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिगंता घाटवाल, पूर्व मंत्री प्रवीण हजारिका, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी, बिश्वनाथ जिले के आयुक्त और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष मुनींद्र नाथ नाटे , पुलिस अधीक्षक सुभाशीष बरुआ, बिहाली सम-जिला आयुक्त ध्रुवज्योति दास, गहपुर सम-जिला आयुक्त लुकुमणि बोरा, अतिरिक्त जिला आयुक्त (राजस्व और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी) असीम बोरगोहेन, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग सहित सर्कल अधिकारी के साथ-साथ लोक निर्माण (सड़क और आवास), जल संसाधन विभाग, राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण बल और राज्य आपदा प्रबंधन बल, असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य तकनीकी विभाग, मीण व कृषि विभाग आदि के अधिकारी सहित जिले के विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

लाहौर कलंदर्स ने चार साल में तीसरी बार जीता पीसीएल का खिताब

एजेंसी

लाहौर। जिम्बाब्वे के हरफनमौला सिकंदर रजा ने टॉस से महज 10 मिनट पहले इंग्लैंड से यहां पहुंचकर लाहौर कलंदर्स को चार साल में पाकिस्तान सुपर लीग का तीसरा खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। खिताब जीतने पर कलंदर्स को पुरस्कार के रूप में 500,000 डॉलर भी मिले जो करीब 4.24 करोड़ रुपए बनते हैं। वहीं उपविजेता टीम ग्लेडिएटर्स को 200,000 डॉलर मिले, जो लगभग 1.69 करोड़ रुपए बनते हैं। अगर इस राशि को अगर आईपीएल की इमानी राशि से जोड़कर देखा जाए तो यह काफी कम हैं क्योंकि आईपीएल का खिताब जीतने वाली टीम को 20 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं क्क्रस्रु की खिताबी राशि से कहीं अधिक राशि पीसीएल नीलामी में खिलाड़ियों पर खर्च की जाती है। इसमें ऋषभ पंत एक उदाहरण हैं जो इस बार 27 करोड़ में बिके थे। लाहौर ने रोमांचक फाइनल में बड़े स्कोर का सफलता से पीछा करते हुए क्वेटा ग्लैडिएटर्स को एक गेंद शेष रहते छह विकेट से हराया। रजा ने नॉटिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था जिसे जिम्बाब्वे शनिवार को पारी से हार गया था। उन्होंने रविवार को सात गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाए जबकि कुसल परेरा ने 31 गेंदों में नाबाद 62 रनों की पारी खेली जिससे लाहौर ने 19.5 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाकर जीत दर्ज की। क्वेटा ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद 9 विकेट पर 201 रन बनाए थे।

कीसी कार्टी का 'डबल' शतक, आयरलैंड के गेंदबाजों की उड़ी नींद

डबलिन ।केंसल एवेन्यू में विंडीज प्लेयर कीसी कार्टी ने आयरलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में अपने बल्ले से गद्दर मचा दिया। सीरीज के दूसरे मैच में शतक लगाने वाली कार्टी ने तीसरे वनडे में भी शतक लगाया। इस तरह लगातार दो पारियों में उनके डबल शतक हो गए हैं। उन्होंने अपने इस शतक की बदौलत विंडीज को 50 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 385 रन तक पहुंचा दिया। कार्टी के पास दोहरा शतक लगाने का भी मौका था लेकिन 48वें ओवर में उन्हें मैकार्थी ने आऊट कर दिया। वह विंडीज की ओर से वनडे की एक पारी में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन गए हैं। विंडीज की शुरूआत खराब रही थी। ब्रैंडन किंग 1 तो इविन लुईस 14 रन बनाकर आऊट हो गए। लेकिन इसके बाद कीसी कार्टी और कप्तान शाई होप ने पारी को संभाला और 168 तक पहुंचा दिया। शाई होप 75 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्कों की मदद से 75 रन बनाए। कीसी ने इसके बाद आमिर जंगू और जस्टिन ग्रीव्स के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। ग्रीव्स ने 23 गेंदों पर 5 चौके और तीन छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। कीसी कार्टी ने 142 गेंदों पर 15 चौके और 8 छक्कों की मदद से 170 रन बनाए। इसके बाद रोस्टन चेज और मोंटी ने स्कोर 385 तक पहुंचा दिया। आयरलैंड की ओर से बैरी मैकार्थी ने 3 तो लियाम मैकार्थी ने 2 विकेट लीं।

टीम हारी, लेकिन सुनील नरेन ने किया अपना काम, बनाया बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। टी20 क्रिकेट में कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार स्पिनर सुनील नरेन ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। नरेन ने किसी एक टी20 टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने कोलकाता के लिए 209 विकेट हासिल किए, जो इस फॉर्मेट में किसी एक फ्रेंचाइजी के लिए सबसे ज्यादा है। यह उपलब्धि आईपीएल 2025 के दौरान हासिल हुई, जहां नरेन ने अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया। वेस्टइंडीज के इस दिग्गज ऑफ-स्पिनर ने नॉटिंघमशायर के समित पटेल को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 208 विकेट हैं। तीसरे स्थान पर हैम्पशायर के क्रिस वुड हैं, जिन्होंने 199 विकेट लिए, जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा 195 विकेट के साथ चौथे स्थान पर हैं, जो उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए हासिल किए। सुनील नरेन ने कोलकाता के लिए 2012 में डेब्यू किया था और तब से वे टीम के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज रहे हैं। उनकी कसी हुई गेंदबाजी, विविधताओं भरी स्पिन और पावरप्ले व डेथ ओवर्स में प्रभावी गेंदबाजी ने उन्हें कोलकाता का अभिन्न हिस्सा बनाया। नरेन ने न केवल विकेट चटकाए, बल्कि अपनी किफायती गेंदबाजी से कई बार विरोधी टीमों के रन रेट पर अंकुश लगाया। इसके अलावा, उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और फील्डिंग ने भी कोलकाता को कई मौकों पर जीत दिलाई।

नहीं जीत पाये श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स का खिताब

बुकित जलील। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत को मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। आज यहां खेले गये पुरुष एकल वर्ग के फाइनल मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में 65वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत को विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी चीन के ली शिफेंग ने 36 मिनट तक चले मैच में सीधे सेटों में 21-11, 21-9 से हराया। किदांबी श्रीकांत की ली शिफेंग के खिलाफ पांच मैचों में चौथी हार है। मैच की शुरुआत भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने पहला अंक हासिल करके की लेकिन इसके बाद शिफेंग ने श्रीकांत पर दबाव बनाना शुरू किया और 6-3 की अहम बढ़त बना ली। मिड गेम ब्रेक तक विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी शिफेंग ने 11-6 की बढ़त बना ली थी।

ब्राजील पहुंचे कार्लो एंसेलोटी, संभालेंगे ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच की भूमिका

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। इटली के दिग्गज कार्लो एंसेलोटी ब्राजील पहुंचे, जहां वह अब ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के नए मुख्य कोच की भूमिका संभालेंगे। 65 वर्षीय एंसेलोटी ब्राजील के लिए काम करने वाले पिछले एक सदी में पहले पूर्णकालिक विदेशी कोच हैं। वह परिवार और अपनी कोचिंग टीम के साथ स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे के करीब निजी जेट से रियो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे।ब्राजील पहुंचते समय एंसेलोटी ने ब्राजील की राष्ट्रीय टीम की कैप पहन रखी थी, जो उनके नए सफर की शुरुआत का संकेत था। हालांकि एयरपोर्ट पर उनका कोई आधिकारिक स्वागत नहीं किया गया। केवल एक प्रशंसक, जो ब्राजील की जर्सी पहने हुए था, उन्हें बाहर निकलते हुए देख सका।

एंसेलोटी आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए ब्राजील टीम के मुख्य कोच के तौर पर अपनी नई भूमिका की औपचारिक शुरुआत करेंगे। इसके साथ ही वह अगले महीने इक्वाडोर और पराग्वे के खिलाफ होने वाले दक्षिण अमेरिकी वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए टीम का ऐलान भी करेंगे। उनके आगमन से कुछ घंटे पहले ही सामिर ज़ाउद को ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) का नया अध्यक्ष चुना गया। यह चुनाव एक लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद संपन्न हुआ, जिसमें एडनाल्डो रोड्रिग्स को पद से हटाया गया था। उल्लेखनीय है कि रोड्रिग्स ही वो व्यक्ति थे जिन्होंने एंसेलोटी को रियल मैड्रिड से नियुक्त किया था। अब एंसेलोटी की नजरें सीबीएफ नेतृत्व से मुलाकात और मीडिया के सामने अपनी योजनाओं को साझा करने पर होंगी। उनका करार 2026 फीफा वर्ल्ड कप तक रहेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज से पहले गौतम गंभीर ने मां कामाख्या से लिया आशीर्वाद

एजेंसी

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एवं पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने सुबह गुवाहाटी में मां कामाख्या से आशीर्वाद लिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कड़ी सुरक्षा के बीच कामाख्या मंदिर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि गौतम गंभीर एक दिवसीय दौरे के तहत आज गुवाहाटी पहुंचे। गौतम गंभीर ने कड़ी सुरक्षा के बीच मां कामाख्या का आशीर्वाद लिया। गौतम गंभीर लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधे कामाख्या मंदिर पहुंचे। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ने पूजा-अर्चना करने के बाद मां कामाख्या धाम से गुवाहाटी के होटल रेडिसन ब्लू के लिए रवाना हुए। मिली जानकारी के अनुसार गौतम गंभीर आज दोपहर 1 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे। बताया गया है कि उनका अन्य कोई कार्यक्रम गुवाहाटी में नहीं है। सिर्फ मां कामाख्या का आशीर्वाद लेने के लिए ही वे यहां पहुंचे थे।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट में उरुग्वे को 3-2 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के रोसारियो में खेले जा रहे चार देशों के फ्रेंडली हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अपने दूसरे मुकाबले में उरुग्वे को 3-2 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए सोनम (21वें मिनट) और कनिका सिवाच (46वें मिनट, 50वें मिनट) ने अहम गोल किए, जबकि उरुग्वे की ओर से मिलाग्रोस सिगल (3वें मिनट) और अगस्टिना मारी (24वें मिनट) ने गोल दागे।

मैच की शुरुआत में ही उरुग्वे ने आक्रामक खेल दिखाया और तीसरे मिनट में मिलाग्रोस सिगल ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने वापसी की और 21वें मिनट में सोनम ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए बराबरी का गोल किया। हालांकि, महज तीन मिनट बाद उरुग्वे ने एक बार फिर बढ़त हासिल कर ली जब अगस्टिना मारी ने भी पेनल्टी कॉर्नर से गोल दागा तीसरे क्वार्टर तक स्कोर 2-1 रहा, लेकिन अंतिम चरण में कनिका सिवाच ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए भारत की वापसी कराई। उन्होंने पहले 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया, और फिर 50वें मिनट में एक शानदार फील्ड गोल के जरिए भारत को निर्णायक बढ़त दिला दी।

अब भारत का अगला मुकाबला 28 मई (भारतीय समयानुसार) को मेजबान अर्जेंटीना से होगा।

प्रीमियर लीग 2024-25 : लिवरपूल ने खिताबी सीजन का समापन क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ 1-1 ड्रॉ से किया

एजेंसी

लिवरपूल। लिवरपूल ने प्रीमियर लीग 2024-25 के अपने खिताबी अभियान का समापन रविवार रात क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ 1-1 की बराबरी के साथ किया। मैच में मोहम्मद सालाह ने 84वें मिनट में शानदार गोल कर टीम को हार से बचाया। इससे पहले इश्माइला सार ने नौवें मिनट में गोल कर पैलेस को शुरुआती बढ़त दिलाई थी।

पहले ही जीत चुकी थी लीग, जश्न में डूबा रहा एंफील्ड

लिवरपूल पहले ही चार मुकाबले शेष रहते खिताब अपने नाम कर चुका था। ऐसे में एंफील्ड स्टेडियम का माहौल पूरी तरह से जश्न में डूबा हुआ था। दिलचस्प बात यह रही कि पैलेस के फैन्स, जो पिछले हफ्ते एफए कप जीत का जश्न मना चुके थे, उन्होंने भी चैंपियंस के नारों से माहौल गर्माया। मैच में ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड को उनके आखिरी मैच में दूसरे हाफ में उतारा गया। यह उनका लिवरपूल के लिए 354वां और अंतिम मुकाबला था। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे रियल मैड्रिड जाने वाले हैं। उन्होंने डार्विन नुनेज को शानदार पास दिया लेकिन गोलकीपर डीन हेंडरसन ने बढ़िया बचाव किया। इसके बाद डियोगो जोटा का शॉट भी पोस्ट से टकराकर बाहर चला गया। वहीं, रयान ग्रावेनबर्ख को सीधे रेड कार्ड दिखाया गया जिससे वह अगले सीजन के पहले मैच से बाहर रहेंगे।

सालाह ने रिकॉर्ड की बराबरी कर जीते दो बड़े अवॉर्ड

मैच के 84वें मिनट में सालाह ने कराटे-किक स्टाइल में गोल कर मुकाबला बराबर कर दिया। यह उनका इस सीजन का 29वां गोल रहा। इसी के साथ वे एंडी कोल और एलन शियरर के 47 गोल इन्वॉल्वमेंट (गोल + असिस्ट) के रिकॉर्ड की बराबरी पर पहुंचे।

मैच के बाद सालाह को गोल्डन बूट और 'प्लेमेकर ऑफ द सीजन' अवॉर्ड

लिवरपूल के दिग्गज गोलस्कोरर इयान रश ने प्रदान किए। वहीं कप्तान

वर्जिल वान डाइक ने ट्रॉफी उठाकर सीजन का शानदार समापन किया।

अब अगले सीजन में नया युग शुरू करेगा लिवरपूल

इस मुकाबले के साथ लिवरपूल का यह चैम्पियन सीजन समाप्त हुआ, जहां क्लब ने न सिर्फ ट्रॉफी जीती बल्कि एक युग का भी अंत देखा, जिसमें ट्रेंट और मैनेजर जुर्गन क्लॉप की विदाई शामिल रही। अब देखना होगा कि आने वाले सीजन में लिवरपूल अपनी इस फॉर्म को कैसे बरकरार रखता है।

आईपीएल 2025: क्लासेन के ऐतिहासिक शतक से हैदराबाद ने कोलकाता को 110 रनों से रौंदा

एजेंसी

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 110 रनों के भारी अंतर से हराकर आईपीएल 2025 से विजयी विदाई ली। भले ही यह मैच प्लेऑफ की दौड़ में किसी बदलाव का कारण नहीं बना लेकिन दोनों टीमों के लिए यह आत्मसम्मान की लड़ाई थी, जिसमें हैदराबाद ने दमदार अंदाज में जीत दर्ज की।

हैदराबाद के बल्लेबाजों ने इस मुकाबले में तूफानी प्रदर्शन किया। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 278 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। शुरुआत अभिषेक शर्मा (32 रन, 12 गेंद) और ट्रेविस हेड (76 रन, 39 गेंद) ने की, जिन्होंने मात्र 6 ओवरों में 92 रनों की विस्फोटक साझेदारी कर टीम को तेज रफ्तार दी। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने मैदान में तूफान ला दिया। उन्होंने महज 37 गेंदों में शतक

जड़ते हुए आईपीएल इतिहास का संयुक्त तीसरा सबसे तेज शतक अपने नाम किया। क्लासेन की पारी में चौकों-छक्कों की बरसात रही और उन्होंने अपनी टीम को एक विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। कोलकाता के लिए गेंदबाजी में सिर्फ सुनील नारायण (2 विकेट) और वैभव अरोड़ा (1 विकेट) ही कुछ हद तक असरदार रहे, जबकि अन्य गेंदबाजों पर हैदराबाद के बल्लेबाजों ने कहर बरपाया। 278 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की टीम शुरुआत से ही लड़खड़ा गई। सलामी बल्लेबाज सुनील नारायण ने 31 रन बनाए, लेकिन उन्हें कोई साथ नहीं मिला। रहाणे (15), डी कॉक (9), और रघुवंशी (15) जल्दी-जल्दी पवेलियन लौट गए। रिंकू सिंह (9) और आंद्रे रसेल (0) को हर्ष दुबे ने दो गेंदों में चलता कर दिया, जिससे कोलकाता की उम्मीदें पूरी तरह टूट गईं। निचले क्रम के बल्लेबाज मनीष पांडे (37) और हर्षित राणा (34) ने कुछ संघर्ष दिखाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। हैदराबाद की ओर से जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा और हर्ष दुबे ने तीन-तीन विकेट चटकाकर कोलकाता की पारी को 168 रन पर समेट दिया।इस शानदार जीत के साथ हैदराबाद ने सीजन का समापन आत्मविश्वास के साथ किया।

प्लेऑफ से पहले आरसीबी में जोश हेजलवुड की हुई वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। सिर्फ कुछ लीग मुकाबले बाकी हैं, उसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे और फिर 3 जून को फाइनल खेला जाएगा। इस बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई है। टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टीम से जुड़ गए हैं। आरसीबी को अपना आखिरी लीग मैच लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ मंगलवार अर्थात 27 मई को खेलना है। इसके बाद प्लेऑफ मुकाबले शुरु हो जाएंगे। ऐसे में आरसीबी के लिए यह बड़ी खुशखबरी है कि उनकी टीम का प्रमुख तेज तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड वापस आ गए हैं। फ्रेंचाइजी ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के आगमन की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, वो आ गया। स्वागत है जोश रेजिनाल्ड हेजलवुड! दरअसल, जोश हेजलवुड ने आईपीएल 2025 में अपना आखिरी मैच 27 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला था। इसके बाद तीन मई को वह कंधे की चोट के चलते चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। फिर भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते 9 मई को आईपीएल एक हफ्ते के लिए सस्पेंड हो गया था। तब हेजलवुड अपने घर लौट गए थे। बाद में 17 मई को फिर से सीजन की शुरुआत हुई।

फ्रेंच ओपन में राफेल नडाल को दी गई भावभीनी विदाई

एजेंसी

पेरिस। 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन और पूर्व स्पेनिश टेनिस स्टार राफेल नडाल को रोलां गैरोस कॉम्प्लेक्स के कोर्ट फिलिप शात्रिए पर आयोजित एक विशेष समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। 38 वर्षीय नडाल ने पिछले साल नवंबर में टेनिस से संन्यास लिया था और इस अवसर पर हजारों दर्शकों ने खड़े होकर उन्हें सम्मान दिया।

20 साल के सफर पर नडाल हुए भावुक: समारोह के दौरान नडाल ने जब अपने करियर की झलकियों का वीडियो देखा तो वे बेहद भावुक हो गए। उन्होंने कहा,मुझे नहीं पता कहां से शुरू करूंज मैं पिछले 20 सालों से इस कोर्ट पर खेलता आया हूं। मैंने यहां दर्द भी सहा है, जीत का स्वाद भी चखा है, और हार भी देखी है। इस कोर्ट पर मेरे जीवन की सबसे गहरी भावनाएं जुड़ी हैं। दर्शकों ने अलग-अलग रंग की टी-शर्ट पहनकर '14 RG, Rafa' का अद्भुत नजारा पेश किया, जो नडाल को उनके 14 फ्रेंच ओपन खिताबों

के लिए सम्मान देने का तरीका था। पूरा स्टेडियम तालियों और जयकारों से गूंज उठा।

परिवार और दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी में हुआ सम्मान: समारोह में नडाल के परिवार के सभी सदस्य मौजूद थे–उनके चाचा और पूर्व कोच टोनी नडाल, पिता सेबास्टियन नडाल, मां एना मारिया परेरा, पत्नी मारिया फ्रांसिस्का पेरेलो, बहन मारिया इसाबेल और बेटे राफा जूनियर ने इस ऐतिहासिक पल को साझा किया। इसके अलावा मौजूदा फ्रेंच ओपन महिला चैंपियन पोलैंड की इगा स्विएतेक, पुरुष चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कराज और उनके कोच जुआन कार्लोस फेरेरो भी समारोह में शामिल हुए। ये दोनों खिलाड़ी सोमवार से अपने खिताब की रक्षा शुरू करेंगे।

'बिग फोर' ने एक बार फिर मंच साझा किया: नडाल के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी रहे रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और एंडी मरे भी इस समारोह में विशेष रूप से शामिल हुए। चारों दिग्गजों को एक साथ देखकर दर्शकों की आंखें नम हो गईं। नडाल ने कहा, इतने सालों की लड़ाई के बाद आज यह सब देखना बहुत भावुक कर देने वाला है। वक्त सब कुछ बदल देता है। फेडरर और जोकोविच दोनों ने नडाल को गले लगाया। खास बात यह रही कि तीन साल पहले नडाल ने फेडरर के विदाई मैच में उनके साथ जोड़ी बनाकर खेला था, जिसकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी जिसमें दोनों दिग्गज हाथ पकड़े भावुक नजर आए थे। नडाल, जोकोविच, फेडरर और मरे–इन 'बिग फोर' ने पिछले दो दशकों में टेनिस को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। नडाल 22 बार, फेडरर 20 बार, जोकोविच 24 बार और मरे 3 बार ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं। रोलां गैरोस की यह विदाई सिर्फ एक खिलाड़ी के लिए नहीं, बल्कि एक स्वर्णिम युग को अलविदा कहने जैसा रहा।

सेंटर आफ एक्सीलेंस टूर्नामेंट के लिए हिमाचल की दो क्रिकेटर का चयन

एजेंसी

धर्मशाला। बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस द्वारा अंडर-19 गर्ल्स इंटर सेंटर आफ एक्सीलेंस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। 30 मई से 9 जून तक अहमदाबाद में आयोजित होने वाले टूर्नामेंट में एचपीसीए की दो महिला खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिसमें जिला शिमला की अनाहिता सिंह टीम सी और जिला कांगड़ा की धन्यलक्ष्मी टीम ए में शामिल होंगी। चयनित खिलाड़ियों को 29 मई को टूर्नामेंट स्थल पर रिपोर्ट करना होगा। एचपीसीए सचिव अवनीश परमार ने प्रदेश की दो महिला खिलाड़ियों के चयन पर उन्हें एचपीसीए की ओर से बधाई देते हुए टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी हैं।

रेड बॉल फॉर्मेट में देश के नेतृत्व का अवसर मिलना बड़ा सम्मान : शुभमन गिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि रेड बॉल फॉर्मेट में देश का नेतृत्व करने का अवसर मिलना एक बड़ा सम्मान और बड़ी जिम्मेदारी है। मैं इस रोमांचक अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

भारतीय क्रिकेट टीम को अगले महीने इंग्लैंड दौरे पर जाना हैं, जहां टीम को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बीते दिन इस दौरे के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम का एलान भी कर दिया। वरिष्ठ खिलाड़ी रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम का नया कप्तान बनाया गया है, वहीं ऋषभ पंत को उप कप्तान की जिम्मेदारी दी गई है। कप्तान बनाए जाने के बाद पहली बार बीसीसीआई डॉट टीवी (ढ्ढष्टष्ठ.ह्1) पर रविवार को शेयर वीडियो में शुभमन गिल ने कहा कि एक युवा बच्चे के रूप में, जब कोई क्रिकेट खेलना शुरू करता है तो वह भारत के लिए खेलना चाहता है। न केवल भारत के लिए खेलना, बल्कि बहुत लंबे समय तक भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना। गिल ने कहा कि यह अवसर पाना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं इस रोमांचक अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी सीरीज रोमांचक होने वाली है गिल ने कहा कि एक कप्तान के तौर पर आपको पता होना चाहिए कि कब आगे आना है और कब अपने खिलाड़ियों को जगह देनी है, क्योंकि हर किसी की जिंदगी अलग होती है। हर किसी का व्यक्तित्व अलग होता है। इसलिए एक अच्छे लीडर को हमेशा यह पता होना चाहिए कि उसके खिलाड़ी किस तरह से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन या सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। गिल खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें पूर्व कप्तानों रोहित शर्मा और विराट कोहली के नेतृत्व में कुछ अहम बातें सीखने को मिलीं। दोनों दिग्गज सितारों ने क्रमशः 7 मई और 12 मई को खेल के सबसे लंबे प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी थी। गिल ने कहा कि जब मैं बच्चा था, तो मैं हमेशा भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ियों और दिग्गजों से प्रेरित रहता था और मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे उनमें से कई के साथ खेलने का मौका मिला। चाहे विराट भाई हों या रोहित भाई, दोनों की शैली बहुत अलग थी, लेकिन दोनों को एक ही लक्ष्य की ओर काम करते देखना बहुत प्रेरणादायक था।

लैंडो नॉरिस ने जीता मोनाको ग्रां प्री, पियास्त्री से वर्ल्ड चैंपियनशिप की रेस में केवल 3 अंक पीछे

एजेंसी

मोनाको। मैकलेरन के ड्राइवर लैंडो नॉरिस ने पोल पोजिशन से शुरुआत करते हुए अपने करियर की यादगार जीत दर्ज की। उन्होंने मोनाको ग्रां प्री में पहला स्थान हासिल कर न केवल इस प्रतिष्ठित रेस में अपना सपना पूरा किया, बल्कि अपने ही टीम साथी ऑस्कर पियास्त्री की फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियनशिप लीड को महज 3 अंकों तक सीमित कर दिया। रेस में फेरारी के चार्ल्स लेक्लर दूसरे स्थान पर रहे, जबकि पियास्त्री तीसरे और रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन चौथे स्थान पर रहे। खास बात यह रही कि टॉप चार ड्राइवरों ने उसी क्रम में रेस पूरी की, जिस क्रम में उन्होंने शुरुआत की थी।

'बचपन का सपना पूरा हुआ' – नॉरिस

नॉरिस ने जीत के बाद कहा, 'यह वही है जिसका मैंने बचपन में सपना देखा था। आज मैंने उसे सच कर दिखाया।' मोनाको में यह उनकी पहली जीत रही और मैकलेरन के लिए 2008 के बाद पहली बार किसी ड्राइवर ने इस ट्रैक पर जीत दर्ज की है। रेस के दौरान दो अनिवार्य पिट स्टॉप्स का नया प्रयोग किया गया, लेकिन यह रणनीति ओवरटेक के लिहाज से कोई बड़ा बदलाव नहीं ला सकी। अधिकतर ड्राइवर सिर्फ मौके का इंतजार करते रहे। वेरस्टैपेन ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, 'बहुत रोमांचक रेस थी। हर लैप पर मैं सीट के किनारे बैठा था। शायद अगले साल चार पिट स्टॉप हों। मैं आज भी चार स्टॉप करके Py पर ही आता।' नॉरिस ने आखिरी सेक्शन में खुद को नियंत्रण में रखा, जहां लेक्लर उनके पीछे दबाव बना रहे थे और वेरस्टैपेन

आगे की रणनीति को लेकर प्रयोग कर रहे थे। नॉरिस ने रेस में चार कारों को छोड़कर सभी को लैप कर दिया। यह सीजन की नॉरिस की दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री में भी जीत दर्ज की थी।

मर्सिडीज का निराशाजनक प्रदर्शन

मर्सिडीज के लिए यह रेस किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। सात बार के वर्ल्ड चैंपियन लुईस हैमिल्टन पांचवें स्थान पर रहे, जबकि जॉर्ज रसेल को ड्राइव थ्रू पेनल्टी मिली और वह 11वें स्थान पर रहे।

रेसिंग बुल्स के इसाक हदजर छठे और हास के एस्टेबन ओकॉन सातवें स्थान पर रहे। लियाम लॉसन ने आठवां स्थान हासिल कर सीजन के अपने पहले अंक अर्जित किए, जबकि एलेक्स एल्बोन (विलियम्स) और कार्लोस सैंज ने टॉप 10 में जगह बनाई।

दुर्घटनाएं और रिटायरमेंट

रेस की शुरुआत में ही वर्चुअल सेफ्टी कार तैनात करनी पड़ी जब साओबर के गैब्रियल बोर्तोलेटो दीवार से टकरा गए। अल्पाइन के पियरे गैस्ली पहले रिटायर हुए, जब वह युकी त्सुनोदा की कार से टकरा गए। बाद में एस्टन मार्टिन के फर्नांडो अलोंसो भी अपनी धुंआ उड़ाती कार को लेकर बाहर हो गए। अब यूरोपियन ट्रिपल हेडर की अगली रेस अगले सप्ताह बार्सिलोना में आयोजित होगी, जहां टीमें नई रणनीति और उम्मीदों के साथ उतरेंगी।

मूंगफली तेल महंगा, सोयाबीन रिफाइंड, पाम तेल नरमी

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में भाव ऊपर नीचे हुए। प्रोडक्शन सेंटरों की तेजी के समर्थन से मूंगफली तेल महंगा बिका। सोयाबीन रिफाइंड तथा पाम तेल सस्ता बिका। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली रही, इससे भाव ऊंचे रहे। मूंगफली तेल 1360 से 1380 रुपये प्रति 10 किलोग्राम खुला जो 1410 से 1430 रुपये पर रुका। हालांकि कारोबार के दौरान भाव ऊपर नीचे हुए। सोयाबीन रिफाइंड 1230 से 1235 रुपये पर खुलकर 1225 से 1230 रुपये बिका। पाम तेल 1275 से 1280 रुपये खुलकर 1265 से 1270 रुपये होकर थमा। तिलहन जिन्सों में मांग से मिश्रित रंगत दर्ज की गई। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली से मजबूती रही।

चना कांटा, मसूर, तुअर में नरमी, दालों में घट-बढ़

इंदौर, 25 मई (वार्ता) संयोगितागंज अनाज मंडी में सप्ताहांत दलहन जिन्सों में नरमी दर्ज की गई। दालों के दामों में मिश्रित रंगत रही। चावल में खरीदी से तेजी रही। सोमवार को चना कांटा 6050 से 6100 रुपये खुलने के बाद 6000 से 6075 रुपये होकर थमा। मूंग 8000 से 8500 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 7200 रुपये बिकी। भाव 7600 से 7700 रुपये बोले गए। कारोबार में तुअर 6400 से 7500 रुपये खुलकर 6400 से 7200 रुपये बिकी। उड़द 7500 से 8000 पर खुलकर 7200 से 7800 रुपये रही। मसूर 6350 से 6400 पर खुलने के बाद 6190 से 6150 रुपये प्रति क्विंटल बिकी। दालों में भाव मांग सुस्ती से ऊपर नीचे हुए। सप्ताहांत चना दाल, तुअर दाल, मूंग दाल में भाव कम हुए। गेहूं आटा में लिवाली सुस्ती से मंदा रहा। वहीं दलिया भी सस्ती बिकी। इस बीच चना बेसन में भाव कम हुए। चावल में मजबूती रही।

बंपर लाभांश से राजकोषीय हालात बेहतर करने में मिलेगी मदद; 70000 करोड़ अतिरिक्त खर्च कर सकेगी सरकार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2.69 लाख करोड़ रुपये के बंपर लाभांश से सरकार की राजकोषीय स्थिति बेहतर हो सकेगी। साथ ही, दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में वृद्धि को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। एसबीआई ने इकोरैप रिपोर्ट में कहा, हमारा अनुमान है कि बंपर लाभांश से राजकोषीय घाटा बजट स्तर से 0.2 फीसदी कम होकर जीडीपी का 4.2 फीसदी रहेगा। यह वैकल्पिक रूप से करीब 70,000 करोड़ के अतिरिक्त खर्च का रास्ता भी खोलेगा, जबकि अन्य चीजों में कोई बदलाव नहीं होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के बजट में 2.56 लाख करोड़ का लाभांश मिलने का अनुमान लगाया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अधिशेष भुगतान मजबूत सकल डॉलर की बिक्री, उच्च विदेशी मुद्रा लाभ और ब्याज आय में लगातार वृद्धि की वजह से है। आरबीआई जनवरी में एशिया के अन्य केंद्रीय बैंकों की तुलना में विदेशी मुद्रा भंडार का शीर्ष विक्रेता था। सितंबर, 2024 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 704 अरब डॉलर के शिखर पर पहुंच गया था। आरबीआईसे बंपर लाभांश मिलने से सरकार बुनियादी ढांचे पर अपना खर्च बढ़ा सकती है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है, यह एक मामूली उपलब्धि नहीं हैः आनंद महिन्द्रा

नई दिल्ली। भारत के लिए अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर एक बड़ी और गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। इस उपलब्धि पर उद्योगपति आनंद महिन्द्रा ने सोशल मीडिया पर एक भावुक और प्रेरक प्रतिक्रिया दी है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। आनंद महिन्द्रा ने एक्स पर दुनिया की टॉप 10 अर्थव्यवस्थाओं की सूची साझा करते हुए अपने बिजनेस स्कूल के दिनों को याद किया। उन्होंने लिखा, जब मैं बिजनेस स्कूल में था, तब भारत का जीडीपी में जापान से आगे निकलना महज एक कल्पना जैसा लगता था। आज यह मील का पत्थर हकीकत बन चुका है- भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। यह एक मामूली उपलब्धि नहीं है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस उपलब्धि पर जश्न के साथ-साथ आगे की चुनौतियों पर भी ध्यान देना जरूरी है। खासकर प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाना अगला बड़ा लक्ष्य होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में सुधार की निरंतर आवश्यकता बताई। इस रिपोर्ट को लेकर नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने भी कहा कि भारत की इकोनॉमी अब 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 400 रुपये से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में गिरावट आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,640 रुपये से लेकर 97,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,500 रुपये से लेकर 89,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज मामूली तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोना 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.9 अरब डॉलर गिरकर 685.7 अरब डॉलर पर

एजेंसी
मुंबई। स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी कमी होने से 16 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.9 अरब डॉलर लुढ़ककर 685.7 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.6 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 690.6 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 16 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 27.9 करोड़ डॉलर की मजबूती के साथ 581.7 अरब डॉलर पर पहुंच गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 5.1 अरब डॉलर की भारी गिरावट आई और यह घटकर 81.2 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर 4.3 करोड़ डॉलर कम होकर 18.5 अरब डॉलर रह गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 30 लाख डॉलर की कमी आई और यह पिछले सप्ताह के मुकाबले घटकर 4.4 अरब डॉलर पर आ गई।

एक हफ्ते में 2,950 रुपये तक महंगा हुआ सोना, चांदी भी पूरे सप्ताह में 2,900 रुपये उछला

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 510 रुपये से 560 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में तेजी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,080 रुपये से लेकर 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,900 रुपये से लेकर 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 2,950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 2,700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो चुका है। सोने की तरह

चांदी की कीमत में भी सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद 2,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति और चीन के पीएम ने की टैरिफ पर चर्चा, मलयेशिया ने कहा- हम एकजुट हों

एजेंसी
बीजिंग। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से मुलाकात की और अमेरिका के वैश्विक व्यापार युद्ध तथा आर्थिक वैश्वीकरण के समक्ष चुनौतियों के दौरान व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। ली दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था इंडोनेशिया की तीन दिवसीय यात्रा पर शनिवार दोपहर को इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंचे। यह इस साल उनकी पहली विदेश यात्रा का पहला पड़ाव था। इंडोनेशिया और चीन 20 प्रमुख विकासशील देशों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं व ब्रिक्स के सदस्य देश हैं। ली रविवार शाम को इंडोनेशिया-चीन व्यापार स्वागत समारोह में अपने संबोधन के लिए 60 प्रमुख चीनी व्यवसायियों को अपने साथ लाए। उन्होंने अपने भाषण में इस बात पर जोर दिया कि बढ़ती बाहरी चुनौतियों के बावजूद चीन की अर्थव्यवस्था ने इस साल तेजी से विकास हासिल किया है। ली ने इस कार्यक्रम में कहा, वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय स्थिति गतिरोध की स्थिति

में है, एकतरफावाद और संरक्षणवाद बढ़ रहा है, धमकाने वाला व्यवहार बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम में सुबियांटो भी मौजूद थे।

ली ने कहा कि इस वर्ष गुटनिरपेक्ष आंदोलन की 70वीं वर्षगांठ है, जिसे एशियाई और अफ्रीकी देशों द्वारा इंडोनेशिया के बांडुंग शहर में आयोजित किया गया था, जब सात दशक से अधिक समय पहले विश्व एक ऐतिहासिक चौराहे पर था। ली ने कहा कि एकजुटता, मैत्री और सहयोग की बांडुंग भावना ने वैश्विक दक्षिण देशों की एकता और सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।ली ने कहा, सात दशक से भी अधिक समय बाद, दुनिया एक बार फिर महत्वपूर्ण चौराहे पर है।उन्होंने सभी देशों से बातचीत और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के माध्यम से मतभेदों को सुलझाते हुए साझा आधार तलाशने का आह्वान किया। मलेशिया ने कहा- अमेरिकी टैरिफ से निपटने के लिए एकजुट रहना चाहिए मलेशिया के विदेश मंत्री मोहम्मद हसन ने कहा कि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों को क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण में तेजी लानी चाहिए।

राइजिंग नॉर्थ ईस्ट शिखर सम्मेलन में 4.30 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए : सिंधिया

एजेंसी
नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत भी अब आर्थिक मजबूती की दिशा में देश के साथ मिलकर आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास मंत्रालय के तत्वाधान में आयोजित राइजिंग नॉर्थ ईस्ट शिखर सम्मेलन में 4.30 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आए हैं।

दिल्ली में दो दिन तक चले राइजिंग नॉर्थ ईस्ट शिखर सम्मेलन के समापन के मौके पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा की उत्तर पूर्व वैश्विक साझेदारी और अपनी हित के केंद्र के रूप में उभर कर सामने आया है। उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास मंत्रालय में मुख्य रूप से कृषि खेल निवेश प्रोत्साहन पर्यटन बुनियादी ढांचा वस्त्र और हस्तशिल्प आर्थिक गलियारा इकोनामिक कॉरिडोर और पशुपालन के क्षेत्र में आठ उच्च स्तरीय कार्य बल का गठन किया है जिससे उत्तर पूर्व के

प्रत्येक राज्य को अपने विकास का रोड मैप तैयार करने में सहायता मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास मंत्रालय निवेशकों, विदेशी राजनयिकों, राजदूतों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा कर रहा है और उन्हें उत्तर पूर्व के राज्यों में निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। पिछले एक साल में मंत्रालय ने इस दिशा में व्यापक राष्ट्रव्यापी और अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के प्रयास का नेतृत्व किया है। इन प्रमुख पहलों में भारत के मुख्य शहरों में नौ घरेलू रोड शो, 95 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के साथ राजदूतों की बैठकें, छह राज्य स्तरीय गोलमेज सम्मेलन और सार्वजनिक उपक्रमों, उद्योग मंडलों और कॉर्पोरेट्स के साथ कई परामर्श बैठकें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से वास्तविक परिणाम सामने आए हैं और 4.30 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।राइजिंग नॉर्थ ईस्ट शिखर सम्मेलन 2025 पर टिप्पणी करते हुए मंत्री ने कहा कि उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास मंत्रालय की स्थापना के बाद से यह पहली बार है कि इस पैमाने पर निवेश शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी और वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल समेत उद्योग जगत के प्रमुखों ने उत्तर पूर्व क्षेत्र में अवसरों का पता लगाने के लिए सामूहिक रूप से 1,55,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की घोषणा की थी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

एजेंसी
नई दिल्ली।अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.92 प्रतिशत उबलकर 61.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.39 प्रतिशत की तेजी लेकर 65.03 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

अगले सप्ताह 9 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, तीन कंपनियां करेंगी शेयरों की लिस्टिंग

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में तेजी का माहौल बनते ही प्राइमरी मार्केट में भी हलचल नजर आने लगी है। सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट काफी गुलजार रहने वाला है। इस सप्ताह 9 नए आईपीओ की लॉन्चिंग होने वाली है। इनमें से 4 मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं। इसके साथ ही पिछले सप्ताह 22 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एक आईपीओ में भी कल (26 मई) तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ लॉन्चिंग के अलावा इस सप्ताह तीन कंपनियां अपने शेयरों की लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगी। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 26 मई को एजीस वोपैक टर्मिनल्स का 2,800 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 28 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 223 रुपये से 235 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 63 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 29 मई को किया जाएगा। इनकी लिस्टिंग 2 जून को बीएसई और एनएसई पर होगी। इसी तरह लीला ब्रांड के तहत लग्जरी होटल और रिसॉर्ट चेन चलाने वाली कंपनी स्लॉस बैंगलोर लिमिटेड का 3,500 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 26 मई को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 28 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 413 रुपये से 435 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 34 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 29 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 2 जून को बीएसई और एनएसई पर होगी। इसके अगले दिन 27 मई को प्रोस्ट्रैम इन्फो सिस्टम का 168 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 29 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 95 रुपये से 105 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 142 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 30 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 3 जून को बीएसई और एनएसई पर होगी। इसी दिन एस्टोनिया लैब्स का 37.67 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 29 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 128 रुपये से 135 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 30 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 3 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसी तरह ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स का 40.50 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 27 मई को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी 29 मई तक बोली लगाई जा सकेगी।

जेआईएल और अन्य के खिलाफ कार्रवाई, छापेमारी में 1.70 करोड़ रुपये नकद और अचल संपत्ति से जुड़े दस्तावेज जब्त

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल), जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) और अन्य कंपनियों के परिसरों पर कई गई छापेमारी में 1.70 करोड़ रुपये नकद और अचल संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज जब्त किए हैं। घर खरीदने वालों से कथित धोखाधड़ी के मामले में धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) की जांच के तहत यह कार्रवाई की गई। ईडी ने 23 मई को दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और मुंबई में कुल 15 ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई। जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा, जांच में जेएएल, उसकी सहयोगी कंपनियों, प्रमोटर्स और निदेशकों के कार्यालयों और परिसरों को शामिल किया गया। इसके अलावा, जेएएल के गौरसंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुलशन होम्ज प्राथमिकी दर्ज की थी, जिससे बाद धनशोधन की जांच शुरू हुई। प्राथमिकी में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी

प्राइवेट लिमिटेड और महागुण रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड जैसे मुख्य कारोबारी साझेदारों के ठिकानों पर भी छापे मारे गए। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) और उत्तर प्रदेश पुलिस ने जेएएल, जेआईएल और उनके प्रमोटर्स, निदेशकों के खिलाफ और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं। इसमें कहा गया है कि जेपी विशटाउन (जेआईएल) और जेपी ग्रीन्स (जेएएल) ने परियोजना में फ्लैट और प्लॉट देने के नाम पर घर खरीददारों और निवेशकों को गुमराह किया और उनसे पैसे निवेश करवाए गए।

रुपए ने लगाई लंबी छलांग, डॉलर के मुकाबले हो गया मजबूत

नई दिल्ली। भारतीय रुपए की मजबूती का दौर लगातार जारी है। रुपए ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे की जबरदस्त तेजी दिखाते हुए 85.05 प्रति डॉलर के स्तर को छू लिया। डॉलर की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों की मजबूती ने इस उछाल में अहम भूमिका निभाई। साथ ही विदेशी निवेश में वृद्धि और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को रिकॉर्ड डिविडेंड देने की घोषणा ने भी रुपए को मजबूती प्रदान की है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 85.02 प्रति डॉलर पर खुला और मजबूत होकर 84.98 के स्तर तक पहुंचा। बाद में यह 85.05 प्रति डॉलर पर स्थिर हुआ, जो पिछले सत्र के मुकाबले 40 पैसे की मजबूती को दर्शाता है। रुपया 85.45 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस दौरान, छह प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.34फीसदी गिरकर 98.67 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में भी तेजी देखने को मिली, जहां बीएसई सेंसेक्स 630.68 अंक चढ़कर 82,351.76 पर और निफ्टी 187 अंक की बढ़त के साथ 25,040.15 के स्तर पर पहुंच गया।

टॉप 10 की 6 कंपनियों का मार्केट कैप 78 हजार करोड़ गिरा, रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 78 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक मुनाफा भारती एयरटेल को हुआ। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 78,166.08 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में 15,946.03 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। कारोबार के दौरान 19 मई से 23 मई के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 40,800.40 करोड़ रुपये घट कर 19,30,339.56 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 17,710.54 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,71,395.95 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा इंफोसिस का मार्केट कैप 10,488.58 करोड़ रुपये गिर कर 6,49,876.91 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 5,462.80 करोड़ रुपये कम होकर 5,53,974.88 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 2,454.31 करोड़ रुपये घट कर 10,33,868.01 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 1,249.45 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 7,05,446.59 करोड़ रुपये

के स्तर पर और पहुंच गया। दूसरी ओर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप सप्ताह से शुक्रवार के कारोबार के बाद 10,121.24 करोड़ रुपये बढ़ कर 10,44,682.72 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 4,548.87 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,74,207.54 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा आईटीसी का मार्केट कैप 875.99 करोड़ रुपये की मजबूती के साथ 5,45,991.05 करोड़ रुपये के स्तर पर और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 399.93 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 14,80,723.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,30,339.56 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,80,723.47 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 12,71,395.95 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,44,682.72 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,33,868.01 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,05,446.59 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,49,876.91 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,74,207.54 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,53,974.88 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,45,991.05 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है. चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो. सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है. इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है. औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है. यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है. ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है. मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी. औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है. आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं. एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं. इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं.

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं. वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं.

एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं.

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं.

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं. इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं.

वेतन – एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15–30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है. जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35–50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं. जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50–75 हजार रुपये के बीच होता है.

संस्थान – अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वाचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी गुरुकल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, यूपी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, यूपी

हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।

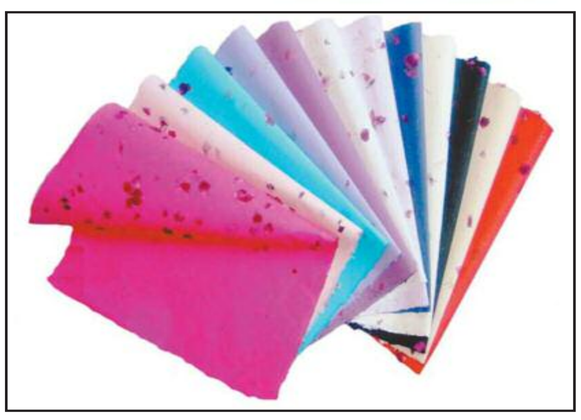

शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र–सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यत- हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2–3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे–छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40–70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के विकलांगों को दिए गए कर्ज में 30 फीसदी की सब्सिडी मिलती है।

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं–

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली–110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना–14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान–302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए बढ़िया करियर ऑपशन

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है. ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं. भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है. यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना–पहनना, खेत–खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं.

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने–अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं. यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है. संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ–साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े–बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं. देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है. लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है.

कोर्स और क्वालिफिकेशन – देश के अलग–अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं. जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है. टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें. देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं. डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है. आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है.

कॅरियर ऑप्शन – स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं. टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है. मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं. भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है. पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17.75 अरब डॉलर की कमाई हुई. मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई दोगुनी की जा सके. स्किल्ड युवाओं के लिए इस फील्ड में संभावनाओं के असीमित द्वार हैं.